जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 339 प्रभात उदयपुर, शुक्रवार 10 अक्टूबर, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

बिहार की एसआईआर प्रक्रिया पूर्ण हुई, पर इससे प्रश्न ज्यादा खड़े हुए उत्तर कम मिले

उदाहरण के लिए तीस लाख ऐसे वोटर हैं, जिन्होंने लोकसभा चुनाव में वोट दिया था, अब विधानसभा में वोटर लिस्ट से उनका नाम कट गया

-रेणू मित्तल---
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- चुनाव आयोग के अनुसार, 21.53 लाख वोटर नये जुड़े हैं, पर इनमें से 16.93 लाख वोटर के ही ''फार्म 6'' उपलब्ध हैं, बाकी 4.6 लाख ''फार्म 6'' कहाँ गये, क्या यह वोटर बिना प्रक्रिया के ही जुड़ गये?
- नये वोटर में से दस प्रतिशत वोट केवल 15 एसेंबली सीटों में ही जोड़े गये हैं। अभी भी पाँच लाख डुप्लीकेट वोटर हैं, मतदाता सूची में, इनका शुद्धीकरण कैसे होगा।
- इस प्रक्रिया की जटिलता समझते हुए, लालू यादव अभी भी महागठबंधन की सीटों का बँटवारा फाइनल नहीं कर रहे हैं। वे अंतिम समय तक सबको लटकाये रखेंगे। अंतिम क्षणों में वो अपना फार्मूला प्रकट करेंगे, तब हताश होकर सभी घटक राजी होकर सीटों का बँटवारा स्वीकार कर लेंगे। चर्चा यह भी है कि यदि महागठबंधन सरकार सत्ता में आई तो जातिगत समीकरण को संतुष्ट करने के लिए तीन उपमुख्यमंत्री बनेंगे।

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनावों की घोषणा हो चुकी है, लेकिन महागठबंधन के भीतर सीट बंटवारे, गठबंधन साझेदारों की मांगों और सीट समायोजन को लेकर अभी भी रस्साकशी जारी है।

कांग्रेस ने अपनी केन्द्रीय इलैक्शन कमेटी (सीईसी) की पहली और आखिरी बैठक की, जिसमें बताया गया कि लगभग 25 सीटों और उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए गए हैं, लेकिन अब तक इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है कि कौन सी सीटें कांग्रेस को मिली हैं और कुल कितनी सीटें दी गई हैं।

इस बीच, गठबंधन के भीतर अब चर्चा इस बात की चल रही है कि महागठबंधन में तीन उपमुख्यमंत्री बनाए जा सकते हैं, जिनका चयन जातीय संतुलन के आधार पर किया जाएगा।

लालू प्रसाद यादव, जिन्हें गठबंधन राजनीति का माहिर खिलाड़ी माना जाता है, टिकट वितरण में सहयोगी दलों को आखिरी समय तक अनिश्चितता में रखने की कला में निपुण हैं, ताकि अंततः जब सीटें दी जाएं तो वे बिना विरोध स्वीकार कर लें। यह एक ऐसा खेल है, जिसमें लालू यादव हमेशा माहिर साबित हुए हैं।

हालांकि, चुनाव आयोग को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं, जिनका अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। यह बिल्कुल ऐसा है कि आप चाहे दीवार पर सिर मार लें चीख चिल्ला लें, पर किसी के कान पर जूं तक नहीं रेंगती।

दरअसल, भारतीय निर्वाचन आयोग ने बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची का पुनरीक्षण किया और राज्य में आगामी चुनावों के लिए 7.42 करोड़ पंजीकृत मतदाताओं की अंतिम सूची जारी की है। लेकिन कांग्रेस पार्टी का आरोप है कि आयोग ने मशीन से, पढ़ने योग्य मतदाता सूची उपलब्ध नहीं कराई, जिससे किसी भी तरह का विश्लेषण करना बेहद कठिन हो गया है।

इसके अलावा, आयोग ने मतदाता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हंगरी के लेखक को 2025 का नोबेल साहित्य सम्मान

स्टॉकहोम, 09 अक्टूबर। स्वीडिश अकादमी ने गुरुवार को हंगरी के उपन्यासकार और पटकथा लेखक लास्लो क्रास्नाहॉरकाई को वर्ष 2025 के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार देने के घोषणा की है। स्वीडिश अकादमी ने उनके नाम की घोषणा करते हुए बताया कि उन्हें यह पुरस्कार ''प्रलयकारी आतंक के बीच कला की शक्ति की पुनः पुष्टि करने वाली प्रभावशाली और दूरदर्शी रचनाओं'' के लिए दिया जा रहा है।

क्रास्नाहॉरकाई समकालीन यूरोपीय साहित्य के उन लेखकों में गिने जाते हैं। वह विनाश की कहानियों में

- नोबेल विजेता लास्लो क्रास्नाहॉरकाई को उनकी विशिष्ट लेखन शैली के कारण ''प्रलय का शिल्पी'' भी कहा जाता है।

अस्तित्ववाद के साथ कल्पना को इस तरह मिश्रित कर देते हैं कि एक विचित्र एवं बेतुकी दुनिया पाठकों के सामने खड़ी हो जाती है, जो उन्हें झकझोर कर रख देती हैं। उनकी इसी विशिष्ट शैली के कारण मशहूर अमेरिकी आलोचक सुजैन सोनटेग ने उन्हें ''प्रलय का शिल्पी'' कहा था। लास्लो क्रास्नाहॉरकाई का जन्म 1954 में दक्षिण-पूर्वी हंगरी के छोटे से शहर ग्युला में हुआ था। वह अपनी कानून और साहित्य की पढ़ ाई के साथ-साथ एक स्वतंत्र लेखक के रूप में भी काम करते रहे।

बंगाल में भी एसआईआर की प्रक्रिया शुरु की चुनाव आयोग ने

बंगाल में विधानसभा चुनाव अगले वर्ष हैं, यह प्रक्रिया दो नवंबर से आरंभ होगी, तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- चुनाव आयोग के अनुसार, बिहार की गल्तियाँ बंगाल में नहीं दोहराई जाएं, इसके लिए प्रक्रिया में कई सुधार कर रहे हैं।
- पहली बात तो यह है कि बिहार में यह प्रक्रिया बहुत कम समय में पूर्ण की गई थी। अब चुनाव आयोग का दावा है कि प्रक्रिया की पूर्ति के लिए पूर्ण समय दिया जायेगा, जिससे तसल्ली से काम हो। साथ ही डिजिटल साधनों का वृहत् रूप से उपयोग किया जायेगा, जिससे समय की मारा मारी और कम हो।
- स्कूलों के अध्यापक-अध्यापिकाएँ, जो फार्म आदि भरने की मूल प्रक्रिया पूर्ण करते हैं, ने भी हाथ खड़े कर दिये हैं कि उन्हें अध्यापन के कार्य से महीने भर की छुट्टी दिलाई जाए, क्योंकि वे अध्यापन और फार्म भरवाना दोनों काम एक साथ नहीं कर पायेंगे।

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेन्सिव रिवीज़न -एसआईआर) के दौरान हुए विवादों और प्रशासनिक चूकों के बावजूद, चुनाव आयोग ने पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में इसी तरह की कवायद की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जहां अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं।

चुनाव आयोग ने एसआईआर से संबंधित सभी प्रारंभिक तैयारियों को पूरा करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर तय की है, जबकि यह कवायद 2 नवंबर से शुरू होगी। इस प्रक्रिया के तहत, 15 करोड़ फॉर्म छापे जाएंगे, जो राज्य के 7.65 करोड़ पंजीकृत मतदाताओं को दिए जाएंगे। प्रत्येक मतदाता को दो प्रतियां दी जाएंगी - एक को बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) को लौटाना होगा और दूसरी मतदाता अपने पास रखेगा।

बिहार में भारी विरोध झेलने के बाद, आयोग इस बार बेहद सतर्कता से कदम बढ़ा रहा है। चुनाव आयोग के अधिकारियों का कहना है कि बिहार जैसी प्रशासनिक खामियों की पुनरावृत्ति न हो, इस पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही, आयोग ने पश्चिम बंगाल के लिए प्रक्रिया को पूरा करने के लिए अधिक समय देने का निर्णय लिया है, जबकि बिहार में इसे बहुत कम समय-सीमा में पूरा किया गया था।

मैनुअल प्रविष्टियों में लगने वाले समय को कम करने और समग्र दक्षता के बढ़ाने के लिए, आयोग डिजिटल उपकरणों का उपयोग करेगा, जिनसे ''वन-क्लिक अपलोड'' की सुविधा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीजेआई पर हमला करने वाले राकेश किशोर की सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस पर बैन

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने एडवोकेट राकेश किशोर की सदस्यता तत्काल प्रभाव से खत्म कर दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने सर्व सम्मति से प्रस्ताव पारित करते हुए राकेश किशोर के घोर निंदनीय तथा अनुशासनहीन व्यवहार की कड़ी आलोचना की।
- बार काउन्सिल ऑफ इंडिया ने भी राकेश किशोर की सदस्यता रद्द कर दी।
- सूत्रों ने बताया कि 71 वर्षीय राकेश किशोर के खिलाफ फौजदारी अवमानना की कार्यवाही शुरु करने पर विचार किया जा रहा है।

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) ने सोमवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई पर जूता फेंकने की कोशिश करने वाले अधिवक्ता राकेश किशोर (71) की अस्थायी सदस्यता तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी है और उन्हें ''गंभीर दुर्व्यवहार'' का दोषी ठहराया है।

एसीसीबीए द्वारा पारित प्रस्ताव में कहा गया कि सदस्य संख्या के-01029/ आरईएस दिनांक 27.07.2011 वाले राकेश किशोर की सदस्यता ''तत्काल प्रभाव से समाप्त की जाती है और उनका नाम एसोसिएशन की सूची से हटा दिया जाएगा।''

प्रस्ताव, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया, में कहा गया कि एक न्यायालय के अधिकारी (आफिसर ऑफ द कोर्ट) का ऐसा ''घृणित, अव्यवस्थित और असंयमित व्यवहार'' अनुचित और बार के सदस्यों से अपेक्षित अनुशासन के विपरीत है।

प्रस्ताव में आगे कहा गया कि यदि किशोर को कोई एससीबीए सदस्यता कार्ड जारी किया गया है तो वह ''तुरंत रद्द और जब्त'' किया जाता है। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट के सेक्रेटरी जनरल को यह संदेश भेजा जाएगा कि उनका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रशांत किशोर ने 51 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। पीढ़ियों से गणित की पाठ्यपुस्तकें लिखने वाले गणितज्ञ, पूर्व नौकरशाह, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी और डॉक्टर, ये सब उन 51 उम्मीदवारों में शामिल हैं, जिनकी घोषणा आज दोपहर प्रशांत किशोर के नेतृत्व वाली जन सुराज पार्टी ने की। यह बिहार में अगले महीने

- इनमें 16 प्रतिशत मुसलमान तथा 17 प्रतिशत अतिपिछड़ा वर्ग से हैं।

होने वाले दो चरणों के चुनाव के लिए जन सुराज पार्टी की पहली सूची है।

पहली सूची में 16 प्रतिशत उम्मीदवार मुसलमान हैं और 17 प्रतिशत अति पिछड़ी जातियों से आते हैं। चुनाव रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर राजनीति में भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार मुखर रहे हैं। इसलिए उम्मीदवारों के चयन में उनकी स्वच्छ छवि को प्रमुख मानदंड बनाया गया। किशोर ने चुनावी मुकाबले के लिए कई पूर्व नौकरशाहों और पुलिस अधिकारियों को भी उम्मीदवार बनाया है।

'अपने सामान के साथ पासपोर्ट ही नहीं बल्कि खूब सारा धैर्य भी पैक करें'

अमेरिका जाने वाले यात्रियों को अब अनुभवी ट्रैवेल एजेंट्स यह नेक सलाह दे रहे हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- एक अक्टूबर से अमेरिकी सरकार में लागू शटडाउन में केवल आवश्यक सेवाएँ ही कार्यरत हैं, क्योंकि इन सेवाओं में कार्यरत कर्मचारियों को मनचाही छुट्टी जाने का अधिकार नहीं है। यह कर्मचारी बिना तनख्वाह के दस-दस घंटे काम कर रहे हैं।
- इससे सभी सेवाएँ प्रभावित हुई हैं और सबसे ज्यादा हवाई यात्रा।
- इन कर्मचारियों की लंबी थकान से फ्लाइट सुरक्षा प्रभावित हो रही है। एक विशेषज्ञ के अनुसार, एयर ट्रैफिक बारीकी (प्रिसिशन) व मनोबल से चलता है और आप अनिश्चितता के वातावरण में काम कर रहे कर्मचारियों से, जिन्हें तनख्वाह भी नहीं मिल रही, उतनी कार्यकुशलता की अपेक्षा नहीं कर सकते। फ्लाइट्स असुरक्षित ही नहीं, विलंबित भी होती जा रही हैं।

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। इस सप्ताह संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा पर निकलने वाले यात्रियों के लिए अव्यवस्था का सामना करना आम बात हो गई है। सातवें दिन में पहुंच चुके संघीय सरकार के शटडाउन (कामकाज बंदी) का असर अब वॉशिंगटन के राजनीतिक गतिरोध से कहीं आगे फैल चुका है -उड़ानों में बाधा, राष्ट्रीय उद्यानों पर दबाव, और छुट्टी पर होने वाली हजारों यात्राओं को अनिश्चितता में डाल दिया है। यह स्थिति एक अक्टूबर से तब शुरू हुई जब सांसद नई वित्तीय योजना पर सहमत नहीं हो पाए। इसके परिणामस्वरूप सरकार के बड़े हिस्से ठप हो गए हैं - लगभग 40 प्रतिशत संघीय कर्मचारी, यानी करीब 7.5 लाख लोग, बिना वेतन छुट्टी पर भेजे गए हैं।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था की धुरी माना जाने वाला उड्डयन उद्योग इस संकट का शुरुआती शिकार बन गया है। हवाई यातायात नियंत्रक (एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स), जिन्हें ''जरूरी कर्मचारी'' घोषित किया गया है, उन्हें बिना वेतन काम करना पड़ रहा है। लेकिन अब थकान के संकेत दिखने लगे हैं। सोमवार, 6 अक्टूबर को, न्यूयॉर्क और लॉस एंजेलिस के प्रमुख हवाई अड्डों पर स्टाफ की कमी के कारण 6,000 से अधिक उड़ानें विलंबित हुईं। लॉस एंजेलिस का हॉलीवुड बरबैंक एयरपोर्ट तो अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा क्योंकि सुरक्षा मानक बनाए रखना संभव नहीं था।

नेशनल एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स एसोसिएशन (एनएटीसीए) ने कड़ा चेतावनी संदेश जारी करते हुए कहा है कि यह संकट ''आधुनिकीकरण की गति को धीमा कर सकता है'' और ''पूरे उड्डयन तंत्र की विश्वसनीयता और दक्षता को खतरे में डाल सकता है।'' संगठन के अध्यक्ष, रिच सैंटा ने कहा, ''कंट्रोलर्स से हफ्ते में 6 दिन दस-दस घंटे, काम करने को कहा जा रहा है - वो भी बिना वेतन। पिछली बार के शटडाउन में कई लोगों को परिवार का पेट पालने के लिए दूसरी नौकरी करनी पड़ी थी। ऐसे तनाव सुरक्षा के लिए बेहद खतरनाक है।

फिर भी, कुछ मजबूती अब भी बनी हुई है। सिरियम नामक एविएशन एनालिटिक्स कंपनी के अनुसार, मंगलवार दोपहर तक अमेरिकी हवाई अड्डों से रवाना होने वाली 23,600 उड़ानों में से 92 प्रतिशत समय पर रवाना हुईं। लेकिन विश्लेषकों का कहना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हर परिवार को सरकारी नौकरी देंगे'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने गुरुवार को वादा किया कि राज्य के हर घर को एक सरकारी नौकरी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह वादा किसी

- तेजस्वी यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए घोषणा की और कहा, बिहार में कोई घर बिना सरकारी नौकरी के नहीं रहेगा।

भावनात्मक आधार पर नहीं, बल्कि आंकड़ों के आधार पर किया गया है।

पटना में मीडिया से बात करते हुए तेजस्वी ने कहा कि यदि विपक्षी गठबंधन सत्ता में आता है, तो राज्य के प्रत्येक परिवार का एक सदस्य सरकारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो साल की बेरहम लड़ाई से तंग आकर अरब देशों ने शांति प्रस्ताव स्वीकार किया?

जैसा कि विदित ही है, इस लड़ाई में साठ हज़ार फिलिस्तीनी मारे गये थे और अंततोगत्वा फिलिस्तीनी भी हमास की इज़रायल से लगातार युद्ध की नीति से हताश हो गये हैं

-अंजल रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- क्या अरब देशों ने अब इज़रायल के अस्तित्व को सामान्य व गैर तब्दील हो सकने वाला तथ्य मान लिया है।
- यह स्वीकार हो जाने के बाद इज़रायल के पास भी अब अरब देशों से लड़ने का कोई कारण नहीं बचा है।
- शांति प्रस्ताव की बाकी बारिकियाँ अभी तये हो रही हैं, पर प्रमुख बात यह है कि हमास अब तमाम इज़रायली बंधकों को रिहा करेगा और मृत बंधकों के शरीर भी इज़रायल को सौंपेगा। इज़रायल भी ढाई सौ फिलिस्तीनी, जो उसकी कैद में हैं, को छोड़ेगा। केवल उन कैदियों को जिन पर हत्या का आरोप है, उन्हें सीधे फिलीस्तीनियों को नहीं देगा, बल्कि किसी तीसरे देश में स्थानांतरित करेगा। शांति वार्ता मिस्र की सीमा के पास हॉलिडे रिसॉर्ट शर्म अल शेख में हुई थी तथा तुर्की भी समझौते की बारिकियों को तय करने में सक्रिय भूमिका अदा कर रहा था।

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। इज़रायलियों की एक निहत्थी यहूदी बस्ती में हमास आतंकवादियों द्वारा किए गए अपहरण और हत्या के बाद शुरू हुए इक्कीसवीं सदी के इस कुरुक्षेत्र में लगभग 60,000 गाज़ावासियों की मौत के साथ, अब यह ''युद्ध'' समाप्ति की ओर बढ़ता दिख रहा है।

आख़िरकार, गाज़ा में इज़रायल का गाज़ा में युद्ध खत्म होने जा रहा है। इस लंबे संघर्ष की भारी मानवीय और आर्थिक कीमत देखने के बाद ऐसा लग रहा है कि अब अरब जगत इज़रायल के अस्तित्व को सामान्य और स्थायी रूप में स्वीकार करेगा और इज़रायल भी निरंतर टकराव की निरर्थकता को समझेगा।

जैसे ही इज़रायल की सरकार गाज़ा में युद्ध समाप्त होने की घोषणा करेगी, उग्रवादी संगठन हमास अपने कब्जे में रखे सभी इज़रायली बंधकों को रिहा कर देगा। मारे गए बंधकों के शव भी इज़रायल को सौंपे जाएंगे।

इसके बदले में, इज़रायल अपनी जेलों में बंद लगभग 250 फिलिस्तीनियों को रिहा करेगा, उनके नामों पर अंतिम निर्णय लिया जा रहा है। तथापि, इज़रायल ने स्पष्ट किया है कि जिन कैदियों को हत्या के अपराध में दोषी ठहराया गया है, उन्हें गाज़ा प्रशासन को नहीं सौंपा जाएगा, बल्कि किसी तीसरे देश में भेजा जाएगा।

7 अक्टूबर के हमले के मुख्य सूत्रधार यह्या सिनवार और उनके भाई मोहम्मद सिनवार, जो यह्या की इज़रायल द्वारा हत्या के बाद हमास के नेता बने थे, के शव नहीं सौंपे जाएंगे।

हमास और फिलिस्तीनी पक्ष ने अमेरिका द्वारा तय की गई शर्तों और अमेरिकी गारंटी पर आधारित इस समझौते को स्वीकार कर लिया है।

युद्धरत पक्षों के बीच तनाव कम होने के बाद, गाज़ा का प्रशासन अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का एक समूह करेगा, जो इसके पुनर्निर्माण और पुनर्वास की निगरानी करेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने प्रत्यक्ष नेतृत्व में काम करने के लिए एक ''बोर्ड ऑफ पीस'' (शांति परिषद) के गठन की वकालत की थी।

इस बोर्ड में ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर भी शामिल होंगे, जिन्होंने मध्य पूर्व में अपने कार्यकाल के बाद से शांति प्रक्रिया पर व्यापक रूप से काम किया है। इसके अलावा, मध्य पूर्व के कुछ प्रमुख देशों के प्रतिनिधि भी गाज़ा के प्रशासन और पुनर्निर्माण में भाग लेंगे।

शांति समझौते के पहले चरण को स्वीकार किए जाने की घोषणा के बाद, इज़रायल और गाज़ा तथा फिलिस्तीन,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसएमएस में न्यूरो सर्जरी का एचओडी रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर, 9 अक्टूबर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) जयपुर मुख्यालय की एसआईयू टीम ने गुरुवार की रात को कार्रवाई करते हुए सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल के न्यूरो सर्जरी विभाग के एचओडी और एसएमएस मेडिकल कॉलेज के

- डॉ. मनीष अग्रवाल एसएमएस मैडिकल कॉलेज के अतिरिक्त प्रिंसिपल भी हैं।

अतिरिक्त प्रिंसिपल डॉक्टर मनीष अग्रवाल को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। यह रिश्वत सिग्नेचर करने के एवज में मांगी गई थी। फिलहाल एसीबी उनके आवास और अन्य ठिकानों पर तलाशी ले रही है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

तीस हजार रुपये की रिश्वत लेते एएसआई गिरफ्तार

नागौर/जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की नागौर टीम ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना पादूकलां जिला नागौर में तैनात सहायक पुलिस उप निरीक्षक सुखराम को तीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी नागौर टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि पुलिस थाना पादूकलां में दर्ज प्रकरण में मुलजिम को गिरफ्तार करने एवं परिवादी के विरुद्ध दर्ज प्रकरण में परिवादी को गिरफ्तार नहीं करने की एवज में पुलिस थाना पादूकलां का सहायक पुलिस उप निरीक्षक (एएसआई) सुखराम पचास हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर रहा है, जिस पर एसीबी की टीम ने रिश्वत मांग सत्यापन करवाया गया, जिसमें सहायक पुलिस उप निरीक्षक (एएसआई) सुखराम की ओर से पचास हजार रुपये रिश्वत की मांग कर परिवादी के ज्यादा जोर देने पर रिश्वत राशि उसकी इच्छा अनुसार देना तय किया गया। इस पर एसीबी टीम नागौर की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कल्पना सोलंकी के नेतृत्व में ट्रैप की कार्रवाई करते हुए सहायक पुलिस उप निरीक्षक सुखराम को तीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

राजस्थान सरकार

कार्यालय जिला कलक्टर, करौली

क्रमांक-लेखा/निविदा/2025/1356 दिनांक-26.09.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 07/2025-26

राजस्व न्यायालयों में RRCMS प्रोजेक्ट लागू किये जाने हेतु जिला करौली के प्रत्येक राजस्व न्यायालय (जिला कलक्टर, अति. जिला कलक्टर, सहायक कलक्टर, उपखण्ड अधिकारी) हेतु हार्डवेयर क्रय करने हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्ता/विनिर्मित/थोक वितरक/अधिकृत डीलर/विपनन एजेन्ट फर्मो से अनुमानित राशि 21.00 लाख रूपये की ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत सूचना एवं शर्तें आदि का विवरण राजस्थान लोक उपापन पोर्टल https://sppp.rajasthan.nic.in, https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड की जाकर https://eproc.rajasthan.gov.in पर निविदा अपलोड की जा सकती है।

UBN NO.- CKL2526GLOB00012
DIPR/C/14739/2025

अतिरिक्त जिला कलक्टर, कलेक्ट्रेट करौली

कार्यालय बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर

Near Collector Office, Bikaner (Rajasthan) Fax :- 91-151-2226012, Phone :-91-151-2226012, 91-151-2226013
E-Mail Address:- uitbikaner@yahoo.co.in Web Site :- urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner

क्रमांक - बीविप्रा./बीका/अ.अभि/2025-26/6534 दिनांक :- 03/10/2025

ई - बिड सूचना संख्या 38/2025-26

बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर की ओर से अखिल भारतीय स्तर, न्यास एवं राजकीय विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से विद्युत कार्य हेतु मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने प्राप्त करने व खोलने की दिनांक एवं निविदा शर्तों आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट **www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner** पर देखा जा सकता है।

(UBN No. :- ITB2526WSOB00256)

राज.संवाद/सी/25/11774 अधिशाषी अभियन्ता (विद्युत)

कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)

(श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर)

क्रमांक :- भण्डार/कृमला/2025/693 दिनांक :- 08/10/2025

खुली निविदा सूचना

इस महाविद्यालय में फार्म के लिए सहायक उपकरणों सहित मोटर पम्प सैट, बोरवेल खुदाई एवं भूमिगत सिंचाई प्रणाली कार्य हेतु दिनांक 15.10.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक निविदाएं आमंत्रित एवं उसी दिन 1.00 बजे खोली जावेगी। निविदा प्रपत्र एवं शर्तो की जानकारी प्रति निविदा इस महाविद्यालय से पांच सौ रु. जमा कराके प्राप्त की जा सकती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण विश्वविद्यालय एवं राज्य सरकार की वेबसाइट पर देखा जा सकती हैं। इन निविदाओं का **UBN No. SKN2526WSOB00251** है।

राज.संवाद/सी/25/11777 अधिष्ठाता

Rajasthan State Forest Development Corporation Limited

(A Government of Rajasthan Undertaking) Badopal Road, GFC Colony, Suratgarh,
Phone No: 01509-223326 , Email-gmsuratgarh@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- एफ8(9)स्टोर/मप्र/राराववनिलि/2025-26/1133 दिनांक :- 06/10/2025

CORRIGENDUM-1

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय की ई–बोली आमन्त्रण सूचना 2/2025–26 क्रमांक 1102–1107 दिनांक 29.09.2025 को प्रकाशित की गयी थी जिसकी Percentage BOQ के Sl.No. 3.01 के कॉलम संख्या 02 में **''जलाऊ लकड़ी गीली''** के स्थान पर **''बिना छाल उतारकर''** पढ़ा जावे। शेष बोली की शर्ते एवं समय यथावत रहेंगे।

NIB No. FOR2526A1760
UBN No. FOR2526WLOB02321

महाप्रबंधक
राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड
क्षेत्रीय कार्यालय, सूरतगढ़

राज.संवाद/सी/25/11781

कार्यालय नगर पालिका लोसल (सीकर)

क्रमांक : न. पा. लो./2025–26/2481 दिनांक :– 07.10.2025

ई–निविदा सूचना 04/2024–25

नगरपालिका मण्डल लोसल द्वारा वार्षिक कार्यो के अन्तर्गत कार्य करवाये जाने हेतु सक्षम पंजीकृत संवेदको से तकनीकी व वितीय (दो लिफाफा पद्वति) द्वारा निर्धारित प्रपत्र में ई–टेन्डरिंग के माध्यम से ऑन लाईन निविदायें दिनांक 10.10.2025 से 27.10.2025 तक आमंत्रित की जाती है। निविदा की शर्ते http://eproc.rajasthan.gov.in व http://sppp.raj.nic.in तथा पालिका कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को देखी जा सकती है। जिसके एन.आई.बी कोड़ – **DLB2526A6896** व यु.बी.एन. नम्बर निम्नानुसार है:–

UBN No. - DLB2526SLOB20899, DLB2526SLOB20900, DLB2526SLOB20901, DLB2526SLOB20902, DLB2526SLOB20904, DLB2526SLOB20908, DLB2526SLOB20905, DLB2526SLOB20911

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका लोसल

राज.संवाद/सी/25/11746

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :–न.प.सु/विकास/2025/6849 दिनांक :– 07.10.2025

निविदा सूचना – 2025

नगर परिशद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मस से निविदा दिनांक 17.10.2025 को 12.00 बजे तक विक्रय की जाकर 1.00 बजे तक प्राप्त कर तथा दिनांक 22.10.2025 को सायं 5.00 बजे उपस्थित निविदा दाताओं के समक्ष खोली जायेगी । उक्त निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट **www.sppp.raj.gov.in** पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक :– **DLB2526GLOB20860** कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिशद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर परिषद सुजानगढ

राज.संवाद/सी/25/11788

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/168 - 170 Date :- 07/10/2025

ई-निविदा सूचना संख्या : 47/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

निविदा कार्यो की कुल लागत	: रूपये 519.61 लाख (10 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	: 09.10.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 27.10.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	: 09.10.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 27.10.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	: 28.10.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट **urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in** व **www.sppp.rajasthan.gov.in** पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2526WSOB00293 To ITU2526WSOB00302

अधिशाषी अभियन्ता - द्वितीय
उदयपुर विकास प्राधिकरण

राज.संवाद/सी/25/11771

कार्यालय नगर परिषद् प्रतापगढ़, जिला–प्रतापगढ़ (राज.)

क्रमांक :–न.प.प्र./स्टोर/2025/8577 दिनांक: 04.10.2025

ई टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्या:– 20/2025–26

नगर परिषद द्वारा राजस्थान सरकार के एवं केन्द्रीय सरकार/ राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत संवेदको एवं अन्य समकक्ष इच्छुक संगठन जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो उनसे निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदाएं टू बिड प्रणाली अन्तर्गत आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण इंटरनेट साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

निविदा में कुल कार्य	3
निविदा की कुल लागत	49.64 लाख
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने की दिनांक	दिनांक 05.10.2025 प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 15.10.2025 सांय 5.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की दिनांक	दि. 15.10.2025 प्रातः 10.00 बजे से सांय 5.00 बजे तक
निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि डिमांड ड्राफ्ट अथवा बैंकर चैक कार्यालय में भौतिक रूप से जमा करवाने की दिनांक	दि. 16.10.2025 प्रातः 10:00 बजे से सायः 12.00 बजे तक
ऑनलाईन तकनिकी निविदा खोलने की दिनांक	दि. 17.10.2025 प्रातः 11.00 बजे
ऑनलाईन फाईनेंशियल निविदा खोलने की दिनांक	दि. तकनिकी उपरान्त प्रातः 11.00 बजे

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेब साईट http://sppp.rajasthan.gov.in/tender.asp तथा http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

ईच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

UBN NO. DLB2526WSOB20856, 20862, 20868

राज.संवाद/सी/25/11799 सभापति नगर परिषद् प्रतापगढ़ (राज.) आयुक्त नगर परिषद् प्रतापगढ़ (राज.)

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

CIN No: U40109RJ2000SGC016486

अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

CIN No: U40109RJ2000SGC016482

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

CIN No: U40109RJ2000SGC016483

वर्ष 2025–26 के लिए वार्षिक राजस्व आवश्यकता एवं टैरिफ आदेश के मुख्य बिन्दु:–

राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग ने जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड एवं जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के लिए अपने आदेश दिनांक 03.10.2025 के द्वारा वर्ष 2025–26 के लिए वार्षिक राजस्व आवश्यकता एवं टैरिफ आदेश जारी कर दिया है। नया आदेश, दिनांक 01.10.2025 से प्रभावी होगा। विस्तृत वार्षिक राजस्व आवश्यकता एवं टैरिफ आदेश निगमों की वेबसाईट https://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, https://energy.rajasthan.gov.in/avvnl, https://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं माननीय आरईआरसी की वेबसाईट https://rerc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध है।

टैरिफ आदेश के मुख्य बिन्दु निम्न प्रकार है:–

- माननीय आरईआरसी का उद्देश्य एक लागत–प्रतिबिंबित टैरिफ स्थापित करना है जो बिजली वितरण कि लागत को सटीक रूप से दर्शाता हो और एक निष्पक्ष एवं समतापूर्ण मूल्य निर्धारण संरचना सुनिश्चित करे। टैरिफ संरचना उपभोक्ताओं और डिस्कॉम दोनों के हितों को ध्यान में रखते हुए उचित और न्यायोचित होनी चाहिए। माननीय आरईआरसी ने ईवी और ट्रैक्शन टैरिफ श्रेणी को छोड़कर अन्य श्रेणियों के लिए ऊर्जा शुल्क एवं स्थाई शुल्क में संशोधन को मंजूरी दी है।
- सभी श्रेणियों के ऊर्जा शुल्क कम कर दिए गए हैं। 150 यूनिट तक मासिक खपत वाले सामान्य घरेलू उपभोक्ताओं के लिए भी स्थाई शुल्क कम कर दिए हैं।
- कृषि मीटर वाले उपभोक्ताओं का राहत और सहायता प्रदान करने के लिए कृषि श्रेणी के लिए टैरिफ दरों को कम कर दिया गया है।
- विद्युत (उपभोक्ताओं के अधिकार) संशोधन नियम, 2023 के प्रावधानों के मद्देनजर, माननीय आरईआरसी ने कृषि उपभोक्ताओं को छोड़कर, 10 किलोवाट (10 KW) से अधिक कनेक्टेड लोड वाले सभी उपभोक्ताओं पर टीओडी (TOD) टैरिफ को मंजूरी दी है।
- एमआईपी और एलआईपी श्रेणी के लिए ऊर्जा शुल्क में उल्लेखनीय कमी की गई है। इसे ध्यान में रखते हुए नए एचटी उद्योग के लिए मौजूदा छूट और वृद्धिशील उपभोग छूट में भी संशोधन किया गया है।
- ग्रीन पावर टैरिफ को 0.21 रूपये/किलोवाट घंटा (Rs.0.21/kWh) से घटाकर 0.05 रूपये/किलोवाट घंटा (Rs.0.05/kWh) कर दिया गया है, जो कि वर्तमान टैरिफ आदेश के अनुसार संबंधित श्रेणी के सामान्य टैरिफ के अतिरिक्त है। यह शुल्क डिस्कॉम से ग्रीन पावर विकल्प चुनने वाले उपभोक्ताओं पर लगाया जाएगा।
- वित वर्ष 2025–26 के इस टैरिफ ऑर्डर में व्हीलिंग शुल्क और क्रॉस–सब्सिडी शुल्क कम कर दिए गए है।
- वित्त वर्ष 2025–26 के लिए एचटी सीपीपी (Co-Located) उपभोक्ताओं पर समानांतर संचालन शुल्क (POC) स्वीकृत किया गया है।
- टैरिफ विनियम, 2025 के विनियम 91 के प्रावधानों के मद्देजर, आयोग ने विनियामक अधिभार लगाने को मंजूरी दे दी है। और किसी भी टैरिफ आघात से बचने के लिए इसे एफपीपीएएस, जो आरईआरसी टैरिफ विनियम 2025 के विनियम 87 के अनुसार लगाया जाता है, के साथ जोड़ दिया गया है। जो कि 100 यूनिट तक मासिक खपत वाले घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 0.70 रूपये/यूनिट और अन्य सभी उपभोक्ताओं के लिए 1.00 रूपये/यूनिट है।

वर्ष 2025–26 के लिये अनुमोदित टैरिफ

घरेलू श्रेणी (एल.टी–1 एवं एच.टी–1)

घरेलू श्रेणी – मौजूदा टैरिफ: विशिष्टियॉं	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	घरेलू श्रेणी – अनुमोदित टैरिफ: विशिष्टियॉं	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
बीपीएल, आस्था कार्ड धारक और लघू घरेलू *			बीपीएल, आस्था कार्ड धारक और लघू घरेलू *		
प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	150 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	150 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह

* नोट : बीपीएल और आस्था कार्ड धारक की घरेलू टैरिफ एकल उपभोक्ता पर ही लागू होगी और यह किसी संस्था पर लागू नहीं होगी। यदि बीपीएल, आस्था कार्ड धारक और लघू घरेलू उपभोक्ता किसी बिलिंग चक्र में 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर उपभोग करते है तो उपभोक्ता पर घरेलू श्रेणी एलटी–1 के अन्तर्गत अतिरिक्त यूनिटों के उपभोग पर सम्बन्धित स्लेब लागू होगी।

सामान्य घरेलू–1

घरेलू श्रेणी – मौजूदा टैरिफ: सामान्य घरेलू–1 (150 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	घरेलू श्रेणी – अनुमोदित टैरिफ: सामान्य घरेलू–1 (150 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	250 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	150 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
(ii) 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.50 रू प्रति यूनिट		(ii) 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.00 रू प्रति यूनिट	

सामान्य घरेलू–2

घरेलू श्रेणी – मौजूदा टैरिफ: सामान्य घरेलू–2 (300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	घरेलू श्रेणी – अनुमोदित टैरिफ: सामान्य घरेलू–2 (300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	300 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	300 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
(ii) 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.50 रू प्रति यूनिट		(ii) 50 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.00 रू प्रति यूनिट	
(iii) 150 यूनिट से ऊपर 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.35 रू प्रति यूनिट		(iii) 150 यूनिट से ऊपर 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	

सामान्य घरेलू–3

घरेलू श्रेणी – मौजूदा टैरिफ: सामान्य घरेलू–3 (500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	घरेलू श्रेणी – अनुमोदित टैरिफ: सामान्य घरेलू–3 (500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	400 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	500 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
(ii) 50 यूनिट से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.50 रू प्रति यूनिट		(ii) 50 यूनिट से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.00 रू प्रति यूनिट	
(iii) 150 यूनिट से ऊपर और 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.35 रू प्रति यूनिट		(iii) 150 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	
(iv) 300 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.65 रू प्रति यूनिट				

सामान्य घरेलू–4

घरेलू श्रेणी – मौजूदा टैरिफ: सामान्य घरेलू–4 (500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	घरेलू श्रेणी – अनुमोदित टैरिफ: सामान्य घरेलू–4 (500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	450 रू प्रति कनेक्शन प्रति माह	(i) प्रथम 50 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	4.75 रू प्रति यूनिट	800 रू प्रति कनेक्शन प्रति माह
(ii) 50 यूनिट से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.50 रू प्रति यूनिट		(ii) 50 यूनिट से ऊपर और 150 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	6.00 रू प्रति यूनिट	
(iii) 150 यूनिट से ऊपर और 300 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.35 रू प्रति यूनिट		(iii) 150 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	
(iv) 300 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.65 रू प्रति यूनिट				
(v) 500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	7.95 रू प्रति यूनिट		(v) 500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	7.50 रू प्रति यूनिट	

घरेलू श्रेणी (एच.टी–1)

घरेलू श्रेणी – मौजूदा टैरिफ: एच.टी घरेलू (एच.टी–1)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	घरेलू श्रेणी – अनुमोदित टैरिफ: एच.टी घरेलू (एच.टी–1)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
50 के.वी.ए. से ऊपर की संविदा स्वीकृत मांग	7.15 प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड प्रतिमाह का 275 रू प्रति के.वी.ए.	50 के.वी.ए. से ऊपर की संविदा स्वीकृत मांग	6.50 प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड प्रतिमाह का 300 रू प्रति के.वी.ए.

अघरेलू श्रेणी (एल.टी–2 एवं एच.टी.–2)
अघरेलू 5 किलोवाट तक स्वीकृत सम्बंद्ध भार
(अघरेलू टाईप–1)

अघरेलू श्रेणी – मौजूदा टैरिफ: एल.टी - अघरेलू (एल.टी–2), 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप–1)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अघरेलू श्रेणी – अनुमोदित टैरिफ: एल.टी - अघरेलू (एल.टी–2), 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप–1)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	330 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	350 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह

(अघरेलू टाईप–2)

अघरेलू श्रेणी – मौजूदा टैरिफ: एल.टी - अघरेलू (एल.टी–2), 100 यूनिट से ऊपर 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप–2)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अघरेलू श्रेणी – अनुमोदित टैरिफ: एल.टी - अघरेलू (एल.टी–2), 100 यूनिट से ऊपर 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप–2)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	330 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	350 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट		100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट	

(अघरेलू टाईप–3)

अघरेलू श्रेणी – मौजूदा टैरिफ: एल.टी - अघरेलू (एल.टी–2), 200 यूनिट से ऊपर 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप–3)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अघरेलू श्रेणी – अनुमोदित टैरिफ: एल.टी - अघरेलू (एल.टी–2), 200 यूनिट से ऊपर 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग (टाईप–3)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	420 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	450 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट		100 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट	
200 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग	8.85 रू प्रति यूनिट				

(अघरेलू टाईप–4)

अघरेलू श्रेणी – मौजूदा टैरिफ: एल.टी - अघरेलू (एल.टी–2), 500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग (टाईप–4)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अघरेलू श्रेणी – अनुमोदित टैरिफ: एल.टी - अघरेलू (एल.टी–2), 500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग (टाईप–4)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	500 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह	प्रथम 100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	700 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह
100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट		100 यूनिट से ऊपर का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट	
200 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग	8.85 रू प्रति यूनिट				
500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	8.95 रू प्रति यूनिट				

अघरेलू – 5 किलोवाट से ऊपर स्वीकृत संबद्ध भार,

अघरेलू श्रेणी – मौजूदा टैरिफ: अघरेलू 5 किलोवाट से ऊपर स्वीकृत संबद्ध भार(एल.टी–2)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अघरेलू श्रेणी – अनुमोदित टैरिफ: अघरेलू 5 किलोवाट से ऊपर स्वीकृत संबद्ध भार(एल.टी–2)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.55 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 150 रू प्रति किलोवाट प्रतिमाह	100 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	7.00 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 160 रू प्रति किलोवाट प्रतिमाह
100 यूनिट से ऊपर और 200 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट		100 यूनिट से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक का उपभोग	8.50 रू प्रति यूनिट	
200 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर और 500 यूनिट प्रतिमाह तक उपभोग	8.85 रू प्रति यूनिट				
500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	8.95 रू प्रतियूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 165 रू प्रति किलोवाट प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड प्रतिमाह का 300 रू प्रति के.वी.ए. (यदि स्वीकृत सम्बंद्ध भार18.65 किलोवाट से अधिक है तो)	500 यूनिट प्रतिमाह से ऊपर का उपभोग	8.50 रू प्रतियूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 200 रू प्रति किलोवाट प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड प्रतिमाह का 320 रू प्रति के.वी.ए. (यदि स्वीकृत सम्बंद्ध भार 18.65 किलोवाट से अधिक है तो)

अघरेलू 50 के.वी.ए. से ऊपर संविदा मांग

एच.टी - अघरेलू (एच.टी -2) – मौजूदा टैरिफ: 50 के.वी.ए. से ऊपर संविदा मांग	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	एच.टी - अघरेलू (एच.टी -2) – अनुमोदित टैरिफ: 50 के.वी.ए. से ऊपर संविदा मांग	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
सम्पूर्ण यूनिट	8.85 प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 300 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	सम्पूर्ण यूनिट	8.50 प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 320 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह

पी.एस.एल श्रेणी (एल टी–3)

मौजूदा टैरिफ – विशिष्टियॉं: पी.एस.एल	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अनुमोदित टैरिफ – विशिष्टियॉं: पी.एस.एल	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
1 लाख से कम जनसंख्या	7.55 रू प्रति यूनिट	130 रू प्रति लैम्प पाईन्ट प्रतिमाह (अधिकतम 1300 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह)	1 लाख से कम जनसंख्या	7.00 रू प्रति यूनिट	150 रू प्रति लैम्प पाईन्ट प्रतिमाह
1 लाख या उससे अधिक जनसंख्या	8.10 रू प्रति यूनिट	160 रू प्रति लैम्प पाईन्ट प्रतिमाह (अधिकतम 3120 रू प्रति कनेक्शन प्रतिमाह)	1 लाख या उससे अधिक जनसंख्या	7.50 रू प्रति यूनिट	200 रू प्रति लैम्प पाईन्ट प्रतिमाह

कृषि मीटर्ड श्रेणी (मीटर्ड और फ्लेट रेट) (एल टी–4)

मौजूदा टैरिफ – कृषि सप्लाई	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अनुमोदित टैरिफ – कृषि सप्लाई	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
मीटर्ड (एजी/एमएस(एल टी–4)			मीटर्ड (एजी/एमएस(एल टी–4)		
(i) सामान्य श्रेणी (जिन उपभोक्ताओ को ब्लॉक में बिजली मिल रही है)	5.55 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 30 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	(i) सामान्य श्रेणी (जिन उपभोक्ताओ को ब्लॉक में बिजली मिल रही है)	5.25 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 30 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह
(ii) वे सभी उपभोक्ता जो कि उपरोक्त (i) में नहीं आते है और जिनको ब्लॉक घण्टो से ज्यादा बिजली मिल रही है।	7.10 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 60 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	(ii) वे सभी उपभोक्ता जो कि उपरोक्त (i) में नहीं आते है और जिनको ब्लॉक घण्टो से ज्यादा बिजली मिल रही है।	7.00 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 60 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह
फ्लेट / अमीटर्ड (एजी/ एफआर(एल टी–4)			फ्लेट / अमीटर्ड (एजी/ एफआर(एल टी–4)		
(i) सामान्य श्रेणी (जिन उपभोक्ताओ को ब्लॉक में बिजली मिल रही है)	745 रू प्रति एच.पी. प्रति माह	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 30 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	(i) सामान्य श्रेणी (जिन उपभोक्ताओ को ब्लॉक में बिजली मिल रही है)	745 रू प्रति एच. पी. प्रति माह	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 30 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह
(ii) वे सभी उपभोक्ता जो कि उपरोक्त (i) में नहीं आते है और जिनको ब्लॉक घण्टो से ज्यादा बिजली मिल रही है।	895 रू प्रति एच.पी. प्रति माह	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 60 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	(ii) वे सभी उपभोक्ता जो कि उपरोक्त (i) में नहीं आते है और जिनको ब्लॉक घण्टो से ज्यादा बिजली मिल रही है।	895 रू प्रति एच. पी. प्रति माह	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 60 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह

लघु औघोगिक श्रेणी (एल टी–5)

मौजूदा टैरिफ – विशिष्टियॉं: लघु औधोगिक सेवा (एल.टी.–5) (18.65 किलोवाट (25 एच.पी) से अधिक भार नहीं,)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अनुमोदित टैरिफ – विशिष्टियॉं: लघु औधोगिक सेवा (एल.टी.–5) (18.65 किलोवाट (25 एच.पी) से अधिक भार नहीं,)	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
500 यूनिट तक उपभोग	6 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 90 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	500 यूनिट तक उपभोग	6.00 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 90 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह
500 यूनिट से ऊपर का उपभोग	6.45 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 120 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	500 यूनिट से ऊपर का उपभोग	6.00 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 150 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह

मध्यम औधोगिक श्रेणी (एल टी–6 और एच टी–3)

मौजूदा टैरिफ – विशिष्टियॉं	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अनुमोदित टैरिफ – विशिष्टियॉं	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
मध्यम औधोगिक सेवा (एल.टी–6)	7.00 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 130 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड का 255 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	मध्यम औधोगिक सेवा (एल.टी–6)	6.50 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 150 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड का 275 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह
मध्यम औधोगिक सेवा (एच.टी–3)	7.00 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 255 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	मध्यम औधोगिक सेवा (एच.टी–3)	6.50रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 275 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह

मिक्स लोड श्रेणी बल्क सप्लाई (एल टी–7 और एच टी–4)

मौजूदा टैरिफ – विशिष्टियॉं	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अनुमोदित टैरिफ – विशिष्टियॉं	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
मिक्स लोड सेवा (एल.टी–7)	8.05 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 115 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड का 240 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	मिक्स लोड सेवा (एल.टी–7)	7.50 रू प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 150 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह या बिलिंग डिमाण्ड का 300 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह
मिक्स लोड सेवा (एच.टी–4)	8.05 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 240 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	मिक्स लोड सेवा (एच.टी–4)	7.50 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 300 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह

वृहद औघोगिक श्रेणी (एच टी–5)

मौजूदा टैरिफ – विशिष्टियॉं	ऊर्जा प्रभार (कुल उपभोग पर)	स्थाई प्रभार	अनुमोदित टैरिफ – विशिष्टियॉं	ऊर्जा प्रभार (कुल उपभोग पर)	स्थाई प्रभार
(A) स्वीकृत संबद्व भार 150 एच.पी. से अधिक और/ या अधिकतम अनुबंधित/अधिकतम मांग 125 के.वी.ए. से ऊपर	7.30 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 300 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह	(A) स्वीकृत संबद्व भार 150 एच.पी. से अधिक और/ या अधिकतम अनुबंधित/अधिकतम मांग 125 के.वी.ए. से ऊपर	6.50 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 380 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह
(B) ऐसे उपभोक्ता जिनकी बिलिंग डिमांड 1 एम.वी.ए. अथवा उससे अधिक है और लोड फेक्टर 50 प्रतिशत या उससे अधिक है	6.30 रू प्रति यूनिट	बिलिंग डिमाण्ड का 300 रू प्रति के.वी.ए. प्रतिमाह			

वृहद् औद्योगिक श्रेणी के लिये वोल्टेज वार अनुमोदित टैरिफ*

मौजूदा टैरिफ (स्वीकृत सम्बद्ध भार 150 एचपी से ऊपर या 125 कवीए से अधिक अनुबंधित / अधिकतम मांग वाले उपभोक्ताओं के लिए वोल्टेज वार *) – वोल्टेज स्तर	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अनुमोदित टैरिफ (स्वीकृत सम्बद्ध भार 150 एचपी से ऊपर या 125 कवीए से अधिक अनुबंधित / अधिकतम मांग वाले उपभोक्ताओं के लिए वोल्टेज वार *) – वोल्टेज स्तर	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
11 केवी	7.300 रू प्रति यूनिट	बिलिंग मांग का 300 रू. प्रति केवीए प्रति माह	11 केवी	6.50 रू प्रति यूनिट*	बिलिंग मांग का 380 रू. प्रति केवीए प्रति माह
33 केवी	7.081 रू प्रति यूनिट				
132 केवी	7.008 रू प्रति यूनिट				
220 केवी	6.935 रू प्रति यूनिट				
ऐसे उपभोक्ता जिनकी बिलिंग डिमांड 1 एम.वी.ए. अथवा उससे अधिक है और लोड फेक्टर 50 प्रतिशत या उससे अधिक है, के लिए वोल्टेज वार *					
वोल्टेज स्तर	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार			
11 केवी	6.300 रू प्रति यूनिट	बिलिंग मांग का 300 रू. प्रति केवीए प्रति माह			
33 केवी	6.111 रू प्रति यूनिट				
132 केवी	6.048 रू प्रति यूनिट				
220 केवी	5.985 रू प्रति यूनिट				

* वृहद औघोगिक श्रेणी के लिये कोई अन्य वॉल्टेज छूट प्रयोज्य नहीं होगी।

- अनुमोदित टैरिफ पर वोल्टेज छूट वित्त वर्ष 2025–26 के लिए टैरिफ आदेश दिनांक 3.10.2025 में दिए गए विवरण के अनुसार लागू होगी।

वॉल्टेज छूटः– 11 केवी पर आपूर्ति के लिए अनुबंधित मांग–आधारित टैरिफ लागू है। यदि बड़े औद्योगिक श्रेणी सहित कोई भी उपभोक्ता नीचे उल्लेखित वोल्टेज पर आपूर्ति लेता है या देता है, तो उसे मासिक ऊर्जा शुल्क पर निम्नलिखित छूट दी जाएगी।

वोल्टेज स्तर	वॉल्टेज छूट
33 केवी	3%
132 केवी	4%
220 केवी	5%

न्यूनतम ऊर्जा प्रभार

मौजूदा टैरिफ – विशिष्टियॉं: वोल्टेज स्तर	ऊर्जा प्रभार	अनुमोदित टैरिफ – विशिष्टियॉं: वोल्टेज स्तर	ऊर्जा प्रभार
11 केवी	6.00 रू प्रति यूनिट	11 केवी	6.00रू प्रति यूनिट
33 केवी	5.82रू प्रति यूनिट	33 केवी	
132 केवी	5.76रू प्रति यूनिट	132 केवी	
220 केवी	5.70रू प्रति यूनिट	220 केवी	

विद्युत चलित वाहनों हेतु चार्जिंग स्टेशन (एल टी –8 और एच टी –6)

मौजूदा टैरिफ – श्रेणी	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अनुमोदित टैरिफ – श्रेणी	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
सार्वजनिक चार्जिग स्टेशन (एल टी –8)	6.00 रू. प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 45 रू प्रति एच.पी. प्रतिमाह	सार्वजनिक चार्जिग स्टेशन (एल टी –8)	6.00 रू. प्रति यूनिट	स्वीकृत सम्बंद्ध भार का 45 रु प्रति एच.पी. प्रतिमाह
सार्वजनिक चार्जिग स्टेशन (एच टी –6)	6.00 रू. प्रति यूनिट	150 रू. प्रति केवीए प्रति माह	सार्वजनिक चार्जिग स्टेशन (एच टी –6)	6.00 रू. प्रति यूनिट	150 रू. प्रति केवीए प्रति माह

ट्रैक्शन लोड (एच टी–7)

मौजूदा टैरिफ – श्रेणी	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार	अनुमोदित टैरिफ – श्रेणी	ऊर्जा प्रभार	स्थाई प्रभार
ट्रैक्शन लोड (एच टी–7)	5.70 रू. प्रति यूनिट	बिलिंग मांग का 150 रू. प्रति केवीए प्रति माह	ट्रैक्शन लोड (एच टी–7)	5.70 रू. प्रति यूनिट	बिलिंग मांग का 150 रू. प्रति केवीए प्रति माह

टाइम ऑफ डे (TOD) छूट और अधिभार (कृषि उपभोक्ताओं को छोड़कर 10 किलोवाट से अधिक लोड वाले सभी उपभोक्ताओं पर लागू)

स्लॉट्स	6:00 AM से 8:00 AM (2 घंटे) ऊर्जा शुल्क पर अधिभार	12:00 PM से 4:00 PM (4 घंटे) ऊर्जा शुल्क पर छूट	6:00 PM से 10:00 PM (4 घंटे) ऊर्जा शुल्क पर अधिभार
टाइम ऑफ डे (TOD)	5%	10%	10%

अन्य टैरिफ:

(अ) व्हीलिंग शुल्क

वोल्टेज स्तर	मौजूदा टैरिफ(रू./यूनिट)	अनुमोदित टैरिफ(रू./यूनिट)
132 केवी और उससे ऊपर	0.01	0.01
33 केवी	0.13	0.12
11 केवी	0.74	0.62

(ब) क्रॉस सब्सिडी प्रभार

ओपन एक्सेस उपभोक्ता श्रेणी	वोल्टेज	मौजूदा टैरिफ (रू./यूनिट)	अनुमोदित क्रॉस सब्सिडी प्रभार (रू./यूनिट)
अघरेलू	11 केवी.	1.59	1.58
	33 केवी.	1.59	1.58
	132 केवी. और उससे ऊपर	1.59	1.58
मिक्स लोड/बल्क सप्लाई	11 केवी.	1.59	1.58
	33 केवी.	1.59	1.58
	132 केवी. और उससे ऊपर	1.59	1.58
वृहद् उद्योग	11 केवी.	1.59	1.58
	33 केवी.	1.59	1.58
	132 केवी. और उससे ऊपर	1.59	1.58

(स) अतिरिक्त सरचार्ज

अतिरिक्त सरचार्ज	मौजूदा टैरिफ(रू./यूनिट)	अनुमोदित (रू./यूनिट)
	0.53	0.72

(द) हरित टैरिफ

हरित टैरिफ (Green Tariff)	मौजूदा टैरिफ(रू./यूनिट) सामान्य टैरिफ से अधिक	अनुमोदित (रू./यूनिट) सामान्य टैरिफ से अधिक
	0.21	0.05

प्रभारी मंत्री ने मेताली शिविर का किया औचक निरीक्षण

डूंगरपुर, (निसं)। जिला प्रभारी मंत्री एवं जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग मंत्री बाबूलाल खराडी ने गुरुवार को मिताली में चल रहे ग्रामीण सेवा शिविर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में मौजूद ग्राम वासियों से सीधा संवाद कर योजनाओं से लाभान्वित होने की जानकारी ली। उन्होंने शिविर प्रभारी से शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं प्रगति की जानकारी ली।

इस दौरान उन्होंने उपस्थित जन को सरकार द्वारा चलाई जा रही श्रमिक कार्ड योजना, सिकल सेल स्क्रीनिंग अभियान, फसल बीमा योजना, 1962 पशुओं के लिए एंबुलेंस, मंगल पशु बीमा योजना, बैलों से खेती में सहयोग राशि योजना, धरती अंबा अभियान आदि अनेक जनकल्याण योजनाओं की जानकारी दी तथा लोगों से जागरूक रहकर पात्रता अनुसार योजनाओं से लाभान्वित होने की बात कहीं। उन्होंने अधिकारियों को ग्राम वासियों को योजनाओं की पूरी जानकारी देने और अधिक से अधिक पात्र लोगों को लाभान्वित करने के निर्देशदिए। शिविर में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पहाडियों ने शिविर प्रगति की जानकारी देते हुए शिविर में फार्मर रजिस्ट्री 36, किसान एप डाउनलोड122, 136 केस में तामील करवाने, आपसी सहमति से बंटवारा दो, नामांकरण 15, स्वामित्व पट्टे वितरण, मूल निवास दो, शुद्धिकरण 21, मंगल पशु बीमा 25, आत्मनिर्भर भारत गरीबी मुक्त अभियान में परिवारों के सर्वे स्वच्छ भारत मिशन में शौचालय हेतुआवेदन, वृक्षारोपण आदि की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि फसल खराब में भी सरकार द्वारा नियम अनुसार सहायता प्रदान की जाएगी क्योंकि किसानों की पीडा हमारी पीडा है। उन्होंने सिकल सेल स्क्रीनिंग के भौतिक सत्यापन के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने बरसात में मकान गिरने एवं जानमाल की हानि आदि की जानकारी ली जिस पर तहसीलदार ने मकान गिरने की एक मामले में रिपोर्ट आने तथा प्रक्रिया में होने की जानकारी दी। प्रभारी मंत्री खराडी ने आईसीडीएस विभाग के माध्यम से गोद भराई करवाई तथा परिसर में वृक्षारोपण कर हरियालो राजस्थान का संदेश दिया।कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री बाबूलाल खराडी ने पालनहार योजना के अंतर्गत मोगरीध्देवीलाल पटेल आपको पालनहार योजना के अंतर्गत स्वीकृत पत्र देकर लाभान्वित किया वहीं बबीता देवी कटारा, जीजा कटारा, हुकी देवी पटेल, सरिता पटेल,सूर्या देवी, संगीता,हकरी कलासुआ, फुलकीदेवी, पानू कलासुआ, कमला देवी कटारा को मंगल पशु बीमा पॉलिसी वितरण कर लाभांवित किया। इस अवसर पर सरपंच काजल देवी, तहसीलदार कमलेश कुमार मीणा, नायब तहसीलदार जिया उर रहमान, विकास अधिकारी डूंगरपुर,समाजसेवी कांतिलाल खराडी, सूर्यवीर सिंह चौहान, बाबूलालप्रजापत, गट्टू भाई, मोहन भाई, नाथूराम वार्ड पंच, सहित समस्त अधिकारी गण एवं बडी संख्या में ग्राम वासी मौजूद रहे। वमासा गुरुवार को ग्राम पंचायत वमासा में आयोजित शिविर में पहुंचे प्रार्थी कांतीलाल उपाध्याय ने शिविर प्रभारी को पीएम फसल बीमा योजना के तहत लाभ नहीं मिलना के बारे में अवगत कराया।

इस पर शिविर प्रभारी द्वारा तत्काल कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों से तथ्यात्मक जानकारी ली तथा नियम अनुसार कार्रवाई करते हुए प्रार्थी की खरीफ -2०25 में हुए फसल खराबें के लिए बीमा पोलिसी वितरित की गयी।इसी प्रकार शिविर में पहुंचे प्रार्थी प्रभु पुत्र लालू मीणा ने शिविर प्रभारी को अवगत कराया कि राजस्व रिकॉर्ड में पिछले 2० वर्षो से प्रार्थी का नाम प्रभु पुत्र लालू की जगह धुला पुत्र लालू दर्ज है तथा शुद्धि के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। इस पर शिविर प्रभारी ने पटवारी हल्का वमासा, भू अभिलेख निरीक्षक सरोदा को नियमानुसार रिकॉर्ड की जांच करने के निर्देश प्रदान किए एवं नायब तहसीलदार निखिल व्यास द्वारा भी रिकॉर्ड परीक्षण किया गया।

पटवारी और एवं भू-अभिलेख निरीक्षक द्वारा सेटलमेंट जमाबंदी से लेकर वर्तमान जमा बंदियों एवं प्राप्ति के संपूर्ण दस्तावेजों का अवलोकन किया गया, जिसमें पाया गया कि प्रार्थी का संपूर्ण दस्तावेजों में नाम प्रभु पुत्र लालू होना पाया गया जिस पर तहसीलदार द्वारा तुरंत कार्यवाही कर आदेश जारी कर नामांतरण दर्ज करवा कर जमाबंदी की प्रतिलिपि दी गई। ग्रामीण सेवा शिविर काश्तकार का 2० वर्षो से चल रही राजस्व अशुद्धि का समाधान किया गया। इस पर प्रार्थी द्वारा राजस्व टीम का आभार व्यक्त किया गया तथा सरकार को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

नकदी व जेवरात चोरी, मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। सविना थाना क्षेत्र में स्थित दो अलग अलग मकानों के ताले तोड़ कर चोर जेवरात व नकदी चुरा ले गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित बड़ा सागवाड़ा डूंगरपुर हाल गितांजली चिकित्सालय परिसर क्वार्टर निवासी ललित पाटीदार ने सविना पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि 7 अक्टूबर दोपहर में आए अज्ञात चोर मकान का ताला तोड़ कर सोन की अंगूठी, चेन व करीब 20 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए। वारदात का पताचलने पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। इसी तरह केजड़ सराड़ा हाल समता विहार तितरड़ी निवासी मणीलाल कलाल ने प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि 8 अक्टूबर को मकान पर ताला लगा गांव गया था।

हाइवे व ब्रिज बनाने वाली जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट्स कंपनी पर आयकर का छापा

उदयपुर,(कासं)। आयकर विभाग की अन्वेषण शाखा ने नेशनल हाइवे और ब्रिज बनाने वाली नामी और बड़ी ठेकेदार कंपनी उदयपुर की जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट्स कंपनी पर गुरूवार सुबह छापेमारी की है।

जानकारी के अनुसार सुबह छह बजे आयकर विभाग की करीब 40 से अधिक टीमों ने एक साथ जीआर इंफ्रा के राजस्थान में उदयपुर, जोधपुर, जयपुर सहित दिल्ली, गुजरात, यूपीए एमपी और हरियाणा स्थिति 40 ठिकानों पर एक सर्च ऑपरेशन शुरू किया। अलसुबह हुई कार्रवाई से जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट्स कंपनी से जुडी दूसरी बड़ी कंपनियों, व्यवसायियों और अधिकारियों में हड़कंप मचा हुआ है। यह पूरी कार्रवाई राजस्थान आयकर विभाग की अन्वेषण शाखा के संयुक्त निदेशक अवधेश कुमार के नेतृत्व में चल रही है। जानकारी के अनुसार इस सर्च ऑपरेशन में 200 से अधिक आयकर अधिकारी और कर्मचारी लगे हुए हैं। कंपनी के प्रबंधकों और निदेशकों से दस्तावेजों के बारे में पूछताछ की जा रही है। आयकर विभाग सर्च ऑपरेशन के दौरान कई दस्तावेज और डिजीटल डॉक्यूमेंट बरामद किए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। बड़े स्तर पर अघोषित संपत्ति के खुलासे की संभावना है।

कार्यालय नगर परिषद् सलूम्बर,जिला सलूम्बर (राज.)

क्रमांक:-न.प.स./तामीर/ 2025-26/1549 दिनांक : 8/10 /2025

-:उजरदारी सूचना:-

(राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 194 के तहत)

सर्व साधारण एवं आम-खास को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित आवेदको द्वारा व्यावसायिक/मिश्रित भुखण्ड पर ऑनलाईन तामीर स्वीकृति चाही गई है। जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	नाम आवेदनकर्ता	भुखण्ड के पडौस
01	श्री विवेक जैन पिता श्री महिपाल जी जैन निवासी गाँधी चौक सलुम्बर भूखण्ड का स्थान:-राजस्व ग्राम करगेटा सलूम्बर	पूर्व-श्री प्रकाश चन्द्र कचोरिया का भूखण्ड पश्चिम-कॉलोनी का आम रास्ता उत्तर-रास्ता एवं सावरिया स्टोन। दक्षिण-उदयपुर-सलूम्बर मुख्य मार्ग
02	श्रीमति कोमल मीण्डा पत्नि श्री विवेक मीण्डा निवासी सलूम्बर भूखण्ड का स्थान:-राजस्व ग्राम करगेटा सलूम्बर	पूर्व-अन्य का मकान पश्चिम-श्री जाकिर हुसैन खेडावाला का मकान व दुकान उत्तर-मुख्य मार्ग उदयपुर-सलूम्बर दक्षिण-आम रास्ता 20 फिट

अत: उक्त व्यक्तियों के नाम आवेदन अनुसार नगर परिषद् द्वारा ऑनलाईन तामीर स्वीकृती की कार्यवाही की जा रही है। इस संबंध में किसी भी व्यक्ति की कोई भी आपत्ति/उजरदारी हो तो प्रकाशन तिथि से 7 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में अपनी आपत्ति लिखित में प्रस्तुत करें। बाद मियाद किसी भी प्रकार की उजरदारी/आपत्ती मान्य नहीं होगी।

आयुक्त
नगरपरिषद् सलूम्बर

मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। विवाहिता के साथ दुष्कर्म करने वाले रिसोर्ट संचालक के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। जानकारी के अनुसार पीडिता ने आरोपी स्वर्णगढ रिसोर्ट संचालक हर्षवर्धन के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया।

कार्यालय उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)

क्रमांक: F.12( )Sales/Allot/2025/1145 **आम-सूचना** दिनांक:- 09/10/2025

आवेदनकर्ताओं द्वारा अपने भूखण्डों का प्रस्तुत वारिसाना/विक्रय पत्रों के आधार पर अपने नाम नामान्तरण/लीजडीड किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है:-

क्र. सं.	भुखण्ड संख्या	क्षेत्रफल वर्गफीट	योजना का नाम/ब्लॉक	आवेदक का नाम /पिता का नाम	आवंटन पत्र
1.	439 Block-B	968.40 वर्गफीट	श्याम नगर योजना	श्री कन्हैयालाल कलाल पिता स्व. श्री तुलसीराम कलाल, श्रीमती रूकमणी बाई पत्नी स्व. श्री तुलसीराम कलाल, श्री रमेश चौधरी पिता स्व. श्री तुलसीराम कलाल, भावना चौधरी पुत्री स्व. श्री तुलसीराम कलाल	आवंटन पत्र दिनांक 20.07.2009 को श्री श्री तुलसीराम कलाल के नाम जारी किया गया। श्री तुलसीराम कलाल का स्वर्गवास दिनांक 11.08.2015 को हो जाने से इनके विधिक वारिसान श्रीमती रूकमणी बाई (पत्नी), श्री कन्हैयालाल एवं श्री रमेश चौधरी (पुत्र) एवं भावना चौधरी (पुत्री) है। वारिसान के आधार पर अपने नाम नामान्तरण कराने का निवेदन किया गया है।

अत: उपरोक्तानुसार उक्त भूखण्डों का प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर नामान्तरण पत्र/लीजडीड जारी करने के संबंध मे यदि किसी भी प्रकार की कोई भी आपत्ति हो तो वो अपनी मय आधारों सहित इस सार्वजनिक सूचना पत्र के प्रकाशन से 10 दिवस की अवधि में इस कार्यालय में संबंधित शाखा के लिपिक को प्रस्तुत करावें। अन्यथा बाद गुजरने मयाद आवेदक के नाम पर उक्त भूखण्ड का नामान्तरण / लीजडीड जारी की जा सकेगी। (शैलेश सुरेवा R.A.S.) प्राधिकृत अधिकारी, बिक्री शाखा, उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर

अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता (प.व.स.)

विद्युत भवन, पटेल सर्कल, उदयपुर (राज.) - 313001

क्रमांक :- अविविनिलि/अ.अ./पवस/उदय./पत्रा.//2025-26/प्री.287 दिनांक :- 24/09/2025

सूचना

श्री अजय रावत पुत्र स्व. श्री रामलाल मीणा, पद-वाणिज्यिक सहायक-द्वितीय (प्रोबेशन ट्रेनी), कार्यालय सहायक अभियंता (पवस), अविविनिलि, सवीना, स्थायी पता-6-A-36, वीआईपी कॉलोनी, सेक्टर-9, उदयपुर (राज.) को सूचित किया जाता है कि वह बिना किसी सूचना या सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किये अपने कार्यस्थल से दिनांक 14.11.2023 से निरंतर अनुपस्थित चल रहे है। उनके द्वारा दिनांक 23.11.2023 को अवकाश हेतु प्रार्थना पत्र, अस्पताल की पर्ची एवं एक्स-रे रिपोर्ट की प्रति कार्यालय में भिजवायी गयी थी लेकिन वह अपने कार्यस्थल पर उपस्थित नहीं हुए। जिसके बाद उनके विरूद्ध राजस्थान राज्य विद्युत मण्डल कर्मचारी सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमन-1962 के नियम 6 के अंतर्गत अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू कर इस कार्यालय के ज्ञापन संख्या 280 दिनांक 29.12.2023 द्वारा आरोप पत्र एवं आरोप विवरण पत्र जारी किये गये है। जिसके अनुसार उनके विरूद्ध मुख्य आरोप यह है कि वे बिना पूर्व सूचना के एवं बिना किसी सक्षम अधिकारी से अवकाश स्वीकृत कराये स्वेच्छा से दिनांक 14.11.2023 से निरंतर कार्यालय से अनुपस्थित चल रहे है। तत्पश्चात् कार्यालय सहायक अभियंता(पवस), अविविनिलि,सवीना के कार्यालय पत्र क्रमांक 2792/23.02.2024, 2897/13.03.2024, 925/14.05.2024 एवं इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 372/27.02.2024, 416/28.03.2024, 70/21.05.2024, 163/11.07.2024 के द्वारा उन्हें कार्यालय में उपस्थित होने हेतू सूचित कराया गया। लेकिन वे कार्यालय में उपस्थित नहीं हुए। अतः श्री अजय रावत, वाणिज्यिक सहायक-द्वितीय (प्रोबेशन ट्रेनी) को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वे सूचना प्रकाशित होने की तिथि से 15 दिवस के अंदर अधीक्षण अभियंता (पवस),अविविनिलि,उदयपुर के कार्यालय में उपस्थित होकर उक्त आरोप पत्र के संबंध में अपना लिखित अभिकथन प्रस्तुत कर दे। यदि उक्त अवधि के अंदर कार्यालय में उपस्थित होकर उनका लिखित अभिकथन प्राप्त नहीं होता है तो यह समझा जायेगा कि उन्हें इस विषय में कुछ भी नहीं कहना है और बिना अन्य किसी सूचना के एक तरफा कार्यवाही प्रारंभ कर उचित आदेश प्रसारित कर दिये जायेंगें।

अधीक्षण अभियंता (पवस)
अविविनिलि, उदयपुर

राज.संवाद/सी/25/11768

एमपीयूएटी कम्युनिटी रेडियो स्टेशन आरम्भ करने वाला प्रदेश का पहला विवि बना

उदयपुर,०(कासं)। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय स्वयं का कम्युनिटी रेडियो स्टेशन आरम्भ करने वाला प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। प्रसार शिक्षा निदेशालय परिसर में करीब ढाई वर्ष में बनकर तैयार हुए रेडियो स्टेशन का लोकार्पण कुलगुरू डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक ने किया। आमजन एमपीयूएटी प्रताप रेडियो 90.4 एफ.एम. पर प्रतिदिन प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों को सुन सकेंगे। कम्युनिटी रेडियो पर खासकर उदयपुर जिले के सुदूर आदिवासी क्षेत्रों के लिए किसानोपयोगी कार्यक्रम, फसलों में की बीमारी की जानकारी व उपाय, पशुपालन, उद्यानिकी, शूकर पालन,खेती-बाडी के साथ-साथ मनोरंजन, शिक्षा, समाजोत्थान के कार्यक्रम प्रस्तुत किए जायेंगे। मुख्य अतिथि शहर विधायक ताराचन्द जैन ऑनलाइन जुडते हुए कहा कि यह सस्ता, सुलभ और सार्वभौमिक माध्यम है जो सूचना, शिक्षा और मनोरंजन को जन-जन तक पहुंचाता है।

यह उन समुदायों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। विधायक जैन ने एमपीयूएटी में कम्युनिटी रेडियो स्टेशन आरंभ होने पर खुशी व्यक्त की। अध्यक्ष कुलगुरू डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक ने कहा कि बदलते दौर में रेडियो की प्रासंगिकता कम नहीं हुई है बल्कि सच्चाई यह है कि गांवों से ज्यादा शहर में लोग रेडियो सुनते हैं। रेडियो तनाव को खत्म करने में सहायक है वहीं कृषि के क्षेत्र में इसकी उपादेयता बनी हुई है। किसानों की आय में वृद्धि व बच्चों के स्वस्थ्य मनोरंजन की दिशा में यह रेडियो स्टेशन मील का पत्थर साबित होगा। विशिष्ट अतिथि निदेशक अनुसंधान डॉ. अरविन्द वर्मा व पुर्व प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.ए. कौशिक ने कहा कि कम्युनिटी रेडियो स्टेशन से 25 किलोमीटर परिक्षेत्र में सीमावर्ती दूरदराज क्षेत्र के गांवों में प्रसारण हो सकेगा। आरंभ में प्रसार शिक्षा निदेशक, डॉ. आर.एल. सोनी ने कहा कि कुलगुरू डॉ. कर्नाटक की दूरदृष्टि व कुशल नेतृत्व प्रबन्धन के कारण ही कम्युनिटी रेडियो स्टेशन यहां स्थापित हो पाया। कार्यक्रम में प्रसार शिक्षा निदेशालय के अधीन कार्यरत सभी आठ कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रमुख एवं कृषि वैज्ञानिक डॉ. योगेश कनोजिया, डॉ. सी.एम. यादव, डॉ. रतन लाल सोलंकी, डॉ. दीपा इंदोरिया, डॉ. सुनील जोशी, डॉ. लतिका व्यास, डॉ. सी.एम. बलाई, डॉ. बी.एस. भाटी, डॉ. बी.एल. रोत, डॉ. पी.सी. रेगर, डॉ. मनीराम आदि उपस्थित थे।

एमबी अस्पताल में मॉकड्रिल, मिली कई खामियां

उदयपुर,(कासं)। जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल में आग से मरीजों की मौत के बाद राजस्थान के सभी हॉस्प्टिल में मॉक ड्रिल की जा रही है। उदयपुर में भी एमबी अस्पताल में फायर फाइटिंग सिस्टम और स्टाफ की अलर्टनेस के लिए गुरुवार को मॉक ड्रिल हुई।

मॉक ड्रिल के दौरान सुपर स्पेशिलिटी विंग के चौथे फ्लोर से मरीजों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया। मौके पर नगर निगम की तीन फायर ब्रिगेड की गाडयों ने आग को कंट्रोल करने की प्रेक्टिस की।

हॉस्पिटल में कुछ देर तक अफरा तफरी मचने के बाद माहौल शांत हुआ। अधिकारियों ने पूरे ऑपरेशन का जायजा लिया और मौके पर मौजूद कर्मचारियों को समय पर कार्रवाई और समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए।

इस दौरान पूरे परिसर में एक काल्पनिक स्थिति तैयार कर मरीज और स्टाफ को आग के समय सुरक्षित बाहर निकालने की प्रक्रिया की गई। इससे फायर बिग्रेड,हॉस्प्टिल स्टाफ, क्यूआरटी और पुलिस की मुस्तैदी चेक की गई।

प्रारूप-13 (नियम-13 (2) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद,राजसमन्द

सं. 5457 दिनांक: 7/10/2025

लोक-सूचना

अधोहस्ताक्षरी की जानकारी में आया है कि राजस्व ग्राम आसोटिया खसरा सं.9 रकबा 0.0405 हैक्टेयर में स्थित भूमि या पूर्व की कालावधि से गैर-कृषिक प्रयोजन के लिए उपयोग किया जा रहा है/ किया गया है और इस लिए उक्त भूमि या उसके भाग में व्यक्तियों के अधिकार/हित राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क की उप-धारा (8) के अधीन पर्यवसित किये जाने के दायी है।

अत: उक्त भूमि में हित रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिन के भीतर-भीतर कारण बतायें कि क्यों न उक्त भूमि पर उसके अधिकारों और हित को पर्यवसित कर दिया जाये और इसलिए क्यों न भूमि को राज्य सरकार में समस्त विल्लमंगो से मुक्त निहित किया जा सके।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 7/10/25 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगर परिषद, राजसमन्द

राशमी ग्राम पंचायत सरपंच ने तीन लाख की रिश्वत मांगी, मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो चित्तौड़गढ़ ने ग्राम पंचायत राशमी सरपंच के खिलाफ तीन लाख रूपये रिश्वत मांगने का प्रकरण दर्ज किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी रेंज उदयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस प्रहलाद सिंह कृष्णिया के सुपरविजन में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों चित्तौड़गढ़ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रमसिंह द्वारा कार्यवाही करते हुए राशमी जिला चित्तौड़गढ़ के सरपंच बंशीलाल रेगर के खिलाफ तीन लाख रूपये की रिश्वत मागने का प्रकरण दर्ज किया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो चित्तौड़गढ़ पर 13 अगस्त को परिवादी ने रिपोर्ट दी, जिसमें बताया कि मेरे व मेरे भाई के निवासरत मकान के भुखण्ड एवं मेरे स्वर्गीय दादाजी के कब्जेशुदा भुखण्ड का पट्टा बनवाने के लिए हमारी ग्राम पंचायत राशमी के सरपंच बंशीलाल रेगर से संपर्क किया। इस पर उन्होंने पट्टे बनाने के लिए छह लाख रूपये रिश्वत की मांग की है। जिसका सत्यापन कराया गया तो राशमी ग्राम पंचायत के सरपंच बंशीलाल रेगर द्वारा परिवादी से 3 लाख रूपये रिश्वत मांगने एवं 1 लाख 50 हजार रूपये प्रथम किश्त के लेने की सहमत होने की पुष्टि हुई। जिस पर 15 अगस्त 2025 को नियमानुसार ट्रेप कार्यवाही के लिए परिवादी को 1 लाख 50 हजार रूपये लेकर देने के लिए बंशीलाल रेगर के राशमी मकान पर भेजा। इस दौरान भनक लगने पर सरपंच मकान पर ताला लगा परिवार सहित गायब हो गया तथा अपना मोबाइल स्वीच ऑफ कर दिया। कार्यवाही पूरी नहीं हो पाई थी। मामले में ब्यूरो मुख्यालय पर रिपोर्ट दी। इस पर ग्राम पंचायत राशमी चित्तौड़गढ़ के सरपंच बंशीलाल रेगर के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया। मामले की जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो प्रतापगड़ विक्रमसिंह परमार को सौंपी है।

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)

NO-F-15( ) Hudco/2025/750 दिनांक: 9.10.25

आम सूचना

सर्व साधारण को इस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया जाता है कि प्रार्थी श्री रजनीश कुमार सुथार पिता श्री गजेन्द्र कुमार सुथार ने प्राधिकरण की हूडको शाखा में दिनांक 18.09.2025 को क्वार्टर संख्या F1-465 दक्षिण विस्तार योजना, उदयपुर (राज.) की लीज डीड जारी कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। इस बाबत किसी को कोई उजर या एतराज हो तो अन्दर मयाद 7 दिवस में प्राधिकरण कार्यालय में मय दस्तावेज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा बाद मयाद गुजरने उक्त क्वार्टर की प्राधिकरण आलेखों में श्री रजनीश कुमार सुथार पिता श्री गजेन्द्र कुमार सुथार के नाम पर लीज डीड जारी करने की कार्यवाही की जावेगी।

प्रभारी अधिकारी
हुडको शाखा
उदयपुर विकास प्राधिकरण ,उदयपुर

कार्यालय उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)

क्रमांक: F.11( )/Regin-I/2025/1293 दिनांक : 9/10/25

आम - सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्व ग्राम शोभागपुरा के खसरा नम्बर 372/2 किता 1 रकबा 0.0300 हेक्टर भूमि के अनुमोदित योजना प्लान में स्थित भूखण्ड संख्या 01 क्षेत्रफल 2805 वर्गफीट के आवंटन/पट्टा जारी करने हेतु श्री दिनेश डांगी, श्री शंकरलाल डांगी पिता स्व. श्री रूपलाल डांगी, निवासी-शोभागपुरा, उदयपुर (राज.) द्वारा प्रार्थना-पत्र दिनांक 01/05/2025 एवं 19/09/2025 के साथ मृत्यु प्रमाण-पत्र, पंजीकृत हकत्याग-पत्र की प्रति प्रस्तुत की गई है। वर्णित आराजियात के राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क के तहत पुनर्ग्रहण आदेश दिनांक 04/02/2016 से श्री रूपलाल पिता श्री भैरूलाल डांगी के नाम पारित किये गये है। वर्णित आराजी भूमि वर्तमान में राजस्व आलेखों में प्राधिकरण के नाम दर्ज है।

श्री रूपलाल पिता श्री भैरूलाल डांगी की मृत्यु दिनांक 27/08/2019 को हो जाने से इनके विधिक वारिसानों श्रीमती हरकु बाई पत्नी स्व. श्री रूपलाल डांगी, श्रीमती पुष्पा डांगी पुत्री स्व. श्री रूपलाल डांगी (पत्नी श्री हिरालाल डांगी) एवं श्रीमती मधु पुत्री स्व. श्री रूपलाल डांगी (पत्नी श्री तुलसीराम) द्वारा जरिये पंजीकृत हकत्याग-पत्र (रिलीज डीड) दिनांक 28/09/2022 से उक्त भूखण्ड श्री दिनेश डांगी, श्री शंकरलाल डांगी पिता स्व. श्री रूपलाल डांगी के पक्ष में निष्पादित किया गया है।

अतः वर्णित भूखण्ड का पट्टा - विलेख आवेदक श्री दिनेश डांगी, श्री शंकरलाल डांगी पिता स्व. श्री रूपलाल डांगी के पक्ष में किये जाने के संबंध में यदि किसी संस्था/व्यक्ति / फर्म इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 10 दिवस की अवधि में इस कार्यालय को प्रस्तुत करावें, अन्यथा इस अवधि उपरान्त पट्टा विलेख आवेदक के पक्ष में जारी किया जावेगा।

(सुरेन्द्र बी. पाटीदार) उपायुक्त
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर

लाखों का अवैध डीजल बरामद

उदयपुर, (कासं)। हाईवे पर आने वाले वाहनों से डीजल चोरी कर स्टॉक करने की सूचना पर पुलिस ने दबीश देकर अठ्ठाईस ड्रम अवैध डीजल जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर रिमाण्ड पर लिया।जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उपाधीक्षक सूर्यवीर सिंह के सुपरविजन में गोवर्धन विलास थानाधिकारी दिलीप सिंह झाला के नेतृत्व में एएसआई मनोहरसिंह मय टीम ने हाइवे पर आने वाले वाहनों से डीजल चोरी कर उसका भण्डारण करने की सूचना मिलने पर ट्रांसपोर्ट नगर स्थित गोदाम पर पहुंचे। तलाशी के दौरान 28 ड्रमों में डीजल भरा हुआ पड़ा था। वहां मौजूद नारायणाल निवासी महुआवाड़ा ढाका किया परसाद सलूम्बर व लोकेश खराड़ी निवासी नालियावाडा परसाद को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दो दिन का पुलिस रिमाण्ड लिया हैं जिनसे पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक अनुसधान में किराणा कारोबारी परसाद सलूम्बर हाल ट्रांसपोर्ट नगर बलीचा निवासी पुष्पराज जैन द्वारा कारोबार करने की जानकारी सामने आई

कार्यालय नगर पालिका नाथद्वारा जिला-राजसमन्द (राज.)

Email:np_ntd@yahoo.co.in, nagarpalikanathdwara@gmail.com Ph.02953-233526

क्रमांक/न.पा.नाथ/भूमि/25/12819 दिनांक : 8/10/2025

-:आपत्ती सूचना:-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्ति द्वारा स्वायत्त शासन विभाग के ऑनलाईन पोर्टल पर पंजीकृत दस्तावेजों के आधार पर निम्नांकित भूखण्ड का उपविभाजन/एकीकरण स्वीकृति हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन में वर्णित सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो सूचना प्रकाशन के तीन दिवस में नगर पालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए भवन निर्माण स्वीकृति की कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र. सं.	नाम आवेदक मय पता	आवेदित सम्पत्ति का विवरण	पडौस का विवरण: पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1	श्रीमती भगवती देवी पत्नी श्री मोहन लाल पालीवाल निवासी बागोल नाथद्वारा,	श्रीनाथ कॉलोनी पावटी रोड भू.सं.1, क्षै.-1662.50 वर्गफिट में से भू.सं.बी, क्षै.831.25 वर्गफिट	अन्य कृषि भूमि	30 फिट रोड	अन्य भूखण्ड	शेष भूखण्ड सं.-ए
2	श्री यशवंत बागोरा पिता श्री सुरेशचन्द्र बागौरा निवासी नया बाजार नाथद्वारा,	श्रीनाथ कॉलोनी पावटी रोड भू.सं.1, क्षै.-1662.50 वर्गफिट में से भू.सं.ए, क्षै.831.25 वर्गफिट	अन्य कृषि भूमि	30 फिट रोड	शेष भूखण्ड सं.-बी	30 फिट रोड

आयुक्त
नगर पालिका नाथद्वारा

नये एचटी-उद्योग छूट और वृद्धीशील उपभोग छूट

नये उद्योग छूट	मौजूदा (रु./यूनिट)	प्रस्तावित (रु./यूनिट)
एमआईपी एचटी	0.55 (रू./यूनिट)	0.20 (रू./यूनिट)
वृहद	0.85 (रू./यूनिट)	0.30 (रू./यूनिट)

वृद्धीशील उपभोग छूट	मौजूदा (रु./यूनिट)	प्रस्तावित (रु./यूनिट)
एमआईपी एचटी	0.55 (रू./यूनिट)	0.20 (रू./यूनिट)
वृहद	0.85 (रू./यूनिट)	0.30 (रू./यूनिट)

एचटी सीपीपी (Co-Located) उपभोक्ताओं पर लगाए जाने वाले पीओसी शुल्क निम्नानुसार हैं:-

सीपीपी प्रकार	पीओसी शुल्क (रू./केवीए/माह)
परम्परागत सीपीपी	रु. 27.237/केवीए/माह सीपीपी की स्थापित क्षमता का
अक्षय ऊर्जा सीपीपी	रु. 11.90/केवीए/माह सीपीपी की स्थापित क्षमता का
हाइब्रिड सयंत्र	उपर्युक्त दोनों परम्परागत और अक्षय ऊर्जा के अनुपात में

1. नेट मीटरिंग और ग्रॉस मीटरिंग के अंतर्गत रूफटॉप सौर संयंत्रों को समानांतर संचालन शुल्क (पीओसी) से बाहर रखा जाएगा।
2. समानांतर संचालन शुल्क केवल ऑन-साइट/**co-located** लोड द्वारा खपत की गई बिजली तक ही सीमित होगा, ऑफसाइट सीपीपी पर नहीं और यह जनरेटर की शुद्ध क्षमता (**total capacity- open access capacity**) पर लागू होगा।
3. **Co-located** संयंत्रों पर, चाहे उनकी कैप्टिव स्थिति कुछ भी हो, पीओसी शुल्क **Co-located** भार के लिए उपयोग की गई क्षमता तक लागू होंगे। डिस्कॉम द्वारा सीपीपी के साथ किए गए विद्युत क्रय समझौतों (पीपीए) पर कोई पीओसी शुल्क लागू नहीं होगा।

विनियामक अधिभार, ईंधन और बिजली खरीद समायोजन अधिभार (एफपीपीएएस) सहित निम्नानुसार अनुमोदित किया गया है।

विवरण	(रू./यूनिट)
100 यूनिट/माह तक खपत वाले घरेलू उपभोक्ता	0.70
बचे हुए घरेलू और अन्य श्रेणी के उपभोक्ताओं पे लागू होगा।	1.00

- उपरोक्त नियामक अधिभार मय ईंधन और बिजली खरीद समायोजन अधिभार (एफपीपीएएस) आरईआरसी टैरिफ विनियम 2025 के विनियम 87 के अनुसार लगाया जाएगा।
- माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में डिस्कॉम द्वारा change in law के कारण उत्पन्न अतिरिक्त लागत की वसूली के लिए आयोग द्वारा दिनांक 01.09.2022 के अपने आदेश के माध्यम से अनुमत 0.07 रुपये/यूनिट के विशेष एफएसए पर अलग से लिया जाएगा।

नोट :- वर्तमान में वह सभी प्रावधान जो कि इस आदेश में संशोधित नही किये गये है, लागू रहेंगे।

जेपीआर 3065(2025)
राज.संवाद/सी/25/11809

अधीक्षण अभियंता (रेगूलेशन)
जयपुर/अजमेर/जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

Area Sales Manager: Mahendra Singh Chouhan, M: 9928774630, Zonal Sales Manager: Pankaj Mittal, M: 9838572233

Sales Officer: Narendra Singh, M: 9829371726, Pankaj Pareek, M: 9667738497

Authorised Distributors: Kantilal Sohanlal & Brothers (Banswara) M: 9950646558 • Adarsh Marketing (Chittorgarh) M: 9414734516 • Prakash Traders (Nimbahera) M: 9057234715 • Dishant Trading Co. (Chittorgarh) M: 9414100151 • Food Plaza (Dungarpur) M: 9414266653 • Hare Krishna Trading Company (Dungarpur) M: 9950493737 • Suman Papad Bhandar (Kankroli) M: 9414316889 • Abhinay Trading Company (Amet) M: 7014240420 • Bholenath Colddrink (Bhim) M: 9602470575 • Mahaveer General Stores (Nathdwara) M: 9414343052 • Jai Kishan Agencies (Udaipur) M: 9414167216 • Balaji Traders (Udaipur) M: 9352567760 • Sachdev Enterprises (Udaipur) M: 9166718652 • Tejas Enterprises (Udaipur) M: 8003483303

www.bikaji.com • 'Bikaji Online' App | Follow us on:

3BF/BK/43-25

BHUJIA • NAMKEEN • SWEETS • PAPAD • SNACKS

विचार बिन्दु

धीरज सारे आनंदों और शक्तियों का मूल है। -फ्रैंकलिन

समान नागरिक संहिता लागू करना राज्य का संवैधानिक दायित्व है

दिनांक 03.10.2025 के अतिथि सम्पादकीय में लेखक ने यह कहा था कि कई ऐसे विषय हैं जहाँ पर सभी राजनीतिक पार्टियों ने जिनका शासन रहा है संविधान की अवज्ञा की है। प्रथम विषय उदाहरण के हेतु था "शिक्षा का अधिाकर मानव का सर्वोच्च मूल अधिकार है।" लेखक का मूल उद्देश्य था कि 6 वर्ष तक के बालकों का शिक्षा का मूल अधिकार संविधान संशोधन से छीना गया है, जबकि शिक्षा का यह अधिकार दिनांक 25.01.1960 तक बालक को आठवीं कक्षा तक पूरा किया जाना था।

संविधान के अनुच्छेद 44 में, जो राज्य की नीति के निदेशक तत्वों का एक अनुच्छेद है, यह निर्देश है कि "राज्य भारत के समस्त राज्य क्षेत्र में नागरिकों के लिये समान नागरिक संहिता निर्धारित करने का प्रयास करेगा"। इस अवधारणा का आधार था कि धर्म और व्यक्तिगत कानून (स्वंय विधि) का कोई संबंध सभ्य समाज में नहीं है। निदेशक तत्वों द्वारा यह घोषणा की गई है कि राज्य ऐसी सामाजिक व्यवस्था, जिसमें सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक न्याय राष्ट्रीय जीवन की सभी संस्थाओं को अनुप्राणित करे, भरसक प्रभाव रूप से स्थापना और संरक्षक करके लोक कल्याण की अभिवृद्धि करेगा। ये तत्व देश के शासन के मूलाधार है और निश्चित ही विधि बनाने में इन सिद्धान्तों को लागू करना राज्य का कर्त्तव्य होगा। डा.अम्बेड़कर के शब्दों में ये तत्व केवल पूज्यनीय घोषणायें नहीं हैं अपितु अनुदेशों के दस्तावेज हैं। इस प्रकार समान नागरिक संहिता लागू करना संवैधानिक दायित्व है।

आजादी के 78 वर्ष बाद भारत की प्रगति को देखते हुये, "यह नहीं कहा जा सकता कि राज्य यह कहे कि नीति निदेशक सिद्धान्त प्रवर्तनशील नहीं है। संविधान के चेप्टर-III व IV के प्रावधान जहां राजनैतिक, सामाजिक व आर्थिक अधिकारों को परिभाषित करते हैं वहीं ये मानवीय अधिकार भी हैं जब वे मानव अधिकार हैं तो फिर ये प्रवर्तनशील हैं। राज्य में समान सिविल संहिता लागू होगी यह निर्णय संविधान निर्मात्री सभा 1950 से पूर्व ले चुकी है और 26 जनवरी 1950 से अनुच्छेद 44 में यह व्यवस्था है। विधान निर्मात्री सभा ने पूर्ण चर्चा के बाद इसे पारित किया था। इस प्रकार यह प्रश्न आज नहीं उठाया जा सकता कि समान नागरिक संहिता लागू हो या नहीं?

सन् 1985 में सर्वोच्च न्यायालय ने शाहबानो व श्रीमती जोर्डेन डेंगदेह के केसेज में समान नागरिक संहिता लागू करने का उल्लोख किया इसके 10 वर्ष बाद सरला मुदगल के केस में इसे लागू करने पर जोर दिया और स्पष्ट किया कि सभ्य समाज में धर्म व वैयक्तिक कानून में काई संबंध नहीं है। बहु विवाह लोक नीति के विरूद्ध है और समाज की उन बुराइयों व कुप्रथाओं के रूप में माना जाना चाहिये जैसे सती व मानव बलि जैसे प्रथायें थीं। न्यायालय ने दो राष्ट्रों के सिद्धान्तों को नकारते हुये इसे स्पष्ट किया कि देश एक है और सभी के हेतु समान नागरिक संहिता होनी चाहिये। इसके बाद 2003 में पुनः माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने जॉन वेलभट्टन के केस में उपरोक्त सिद्धान्तों को पुनः दोहराया। स्पष्ट इंगित किया कि शादी, उत्तराधिकार के मामले धर्म निरपेक्ष हैं, इनका कोई संबंध धर्म से उन मूल अधिकारों से नहीं है जिनका उल्लेख अनुच्छेद 25 में किया गया है। संविधान निर्मात्री सभा में अनुच्छेद 44 के बाबत वार्ता में के.एम. मुंशी ने इस विषय पर बोलते हुये आपत्तियों का जोरदार खण्डन किया था। इसका समर्थन करते हुये डा.अम्बेडकर ने बताया था कि 1935 से पूर्व भारत के उत्तर पश्चिम भाग में उत्तराधिकार के मामले शरीयत से तय नहीं होकर, हिन्दू सक्सेशन लॉ से गवर्नर होते थे।

देश की कुछ राज्य सरकारों ने समान नागरिक संहिता पर अपने राज्यों में कानून बनाये हैं। उत्तराखण्ड राज्य देश का पहला राज्य है जिसने समान नागरिक संहिता कानून लागू किया है। गोवा में तो पहले ही से समान नागरिक संहिता लागू है। राज्य ने संविधान की अवज्ञा बहुत कर ली किन्तु समय की पुकार है कि सम्पूर्ण देश पर समान नागरिक संहिता लागू हो। हमें यह मानकर चलना होगा कि समान नागरिक संहिता लागू करना राज्य का संवैधानिक दायित्व है और इस पर गम्भीरता से अमल करना चाहिये।

ट्रिपल तलाक की प्रथा जो 1400 वर्षों से चली आ रही थी सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ का निर्णय अल्पमत व बहुमत के निर्णय का आशय है कि ट्रिपल तलाक की प्रक्रिया अवैध व विवेकशून्य तथा इसमें मानवीय अधिकारों पर क्रूर प्रहार है। निर्णय का सार है कि मुस्लिम महिला दिनांक 22.08.2017 के निर्णय की तारीख से ट्रिपल तलाक के अभिशाप से मुक्त हो चुकी है अर्थात् तलाक-ए-बिद्दत देश में समाप्त है।

शरीयत आचार शास्त्र है, इसके सिद्धान्त के स्त्रोत हैं पवित्र कुरान जो खुदा की वाणी है तथा हादिस खुदा के फरमान हैं। जो पवित्र कुरान में बुरा है वह शरियत में अच्छा नहीं हो सकता। अतः जो धर्म शास्त्र में गलत है वह कानून में भी गलत है। इसी बात को जस्टिस कुरियन जोसफ ने बहुमत के अपने निर्णय में भलीं भांति समझाया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि "जब तुम किसी महिला को तलाक देते हैं तो उसका आधार विवेकपूर्ण होना चाहिये।" बहुमत से माननीय सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस खेहर ने अल्पमत के निर्णय को जिसमें अनुच्छेद 25 का लाभ दिया है उसे धर्म का अभिन्न अंग मानने से इन्कार किया है अर्थात् भिन्न मत अभिव्यक्त किया है और तलाक की प्रथा को कुरान के विरूद्ध माना है।

लेख के प्रारम्भिक भाग में सर्वोच्च न्यायालय के अनुच्छेद 44 के संबंध में दिये गये निर्णयों की ओर ध्यान आकर्षित किया है जिनमें सरला, मुदगल, शाहबानों, श्रीमती जार्डन डेंग देह व 2003 के जान वेलभट्टन के केसेज का उल्लेख है। इन सब में स्पष्ट किया है कि सभ्य समाज में धर्म व वैयक्तिक कानून में कोई संबंध नहीं है। देश एक है, देश के नागरिक सब समान हैं और समता, समरसता व समानता के हेतु समान नागरिक संहिता होनी चाहिए। आप शादी को संस्कार अथवा कान्ट्रेक्ट कुछ भी माने, प्रत्येक व्यक्ति अपने धर्म के रीति रिवाजों के अनुसार शादी की प्रक्रिया पूरी कर सकता है, किन्तु शादी का पवित्र बंधन में बंधे जोडे के लिए खुशहाली का जीवन प्यार के साथ चलता रहे और यदि जीवन असाध्य हो जावे, सुलह के रास्ते बंद हो तो विवाह का बंधन गरिमा पूर्ण तरीके से टूटे और सभी के हेतु समान कानून इस हेतु बने। समान नागरिक संहिता का जो उल्लेख संविधान के नीति निदेशक तत्वों के चेप्टर में है, उसकी पूर्ण पालना हो।

यहाँ यह लिखना उचित होगा कि विधानसभा निर्मात्री सभा के समक्ष जब चर्चा चल रही थी तो एक माननीय सदस्य मोहम्मद इस्माईल साहब ने अनुच्छेद 44 में (जो पूर्व में अनुच्छेद 35 था) एक संशोधन प्रस्तावित किया, वह इस प्रकार था, "किन्तु किसी ग्रुप, सेक्शन अथवा कम्यूनिटी की यह सोच बाध्यकारी नहीं होगी, जिसका अपना पर्सनल कानून हो"। इस संशोधन पर बहस के बाद इसे नकार दिया गया। डॉ.अम्बेडकर ने इस संशोधन का विरोध करते हुए कहा था कि सन् 1935 तक नोर्थ वेस्ट फ्रंटीयर प्रोविन्स में सक्सेशन आदि के संबंध में हिन्दू लॉ लागू होता था और 1937 तक शेष भारत के कई भागों में जैसे यू.पी., सेन्ट्रल प्रोविन्स, बम्बई में अधिकांश मुस्लिम सक्सेशन के मामलों में हिन्दू विधि से शासित होते थे।

सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस गजेन्द्र गड़कर ने अपने एक भाषणा में कहा था, "अनुच्छेद 44 को लागू नहीं करना भारतीय डेमोक्रेसी की विफलता है"। जस्टिस हेगड़े ने अपने विचार अभिव्यक्त करते हुए कहा था कि "सोसाइटी को यदि विभिन्न कानूनों के द्वारा भिन्न-भिन्न कम्पार्टमेण्ट में बांट दिया गया तो वह कभी भी एक रूप नहीं हो सकती"। धर्म के आधार पर पर्सनल लॉ मध्यकाल की बात है। जस्टिस छागला ने कहा था कि देश को प्रत्येक नागरिक को नीति निदेशक तत्वों के दर्शन को मानना चाहिए।

हम यदि भारतीय समाज की बात करें अथवा अन्य मुस्लिम देशों की जैसे टर्की, ट्यूनेशिया, सीरिया, मोरक्को, मिश्र, पाकिस्तान, ईरान आदि की बात करें तो स्पष्ट है कि इन देशों ने अपने आचरण से यह स्वीकार कर लिया है कि मुस्लिम विधि अब अभेदनीय अथवा अखण्डनीय नहीं है।

देश की कुछ राज्य सरकारों ने समान नागरिक संहिता पर अपने राज्यों में कानून बनाये हैं। उत्तराखण्ड राज्य देश का पहला राज्य है जिसने समान नागरिक संहिता कानून लागू किया है। गोवा में तो पहले ही से समान नागरिक संहिता लागू है। राज्य ने संविधान की अवज्ञा बहुत कर ली किन्तु समय की पुकार है कि सम्पूर्ण देश पर समान नागरिक संहिता लागू हो। हमें यह मानकर चलना होगा कि समान नागरिक संहिता लागू करना राज्य का संवैधानिक दायित्व है और इस पर गम्भीरता से अमल करना चाहिये। यह देश हित में है समता, समानता व बन्धुत्व की भावना को शक्तिशाली धरातल देने के लिये आवश्यक है। अनुच्छेद 25 धर्म के आचरण के सम्बन्ध में स्वतंत्रता देता है वहीं अनुच्छेद 44 सामाजिक सम्बन्धों व वैयक्तिक कानूनों को धर्म से अलग रखता है।

"सबको सन्मति दे भगवान् - ईश्वर अल्लाह तेरो नाम"।

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

राजस्थान औद्योगिक प्रगति की ओर : प्लग एंड प्ले की नई शुरुआत

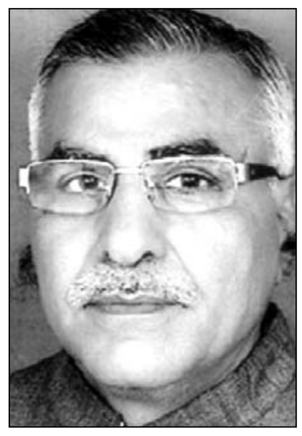

गुलाब बत्रा

राजस्थान अब इतिहास, संस्कृति और पर्यटन का पर्याय होने के साथ ही औद्योगिक प्रगति का नया केंद्र बनकर उभर रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार दूरदर्शी औद्योगिक नीति से पारंपरिक ढांचे को तोड़ते हुए आधुनिक औद्योगिक युग की दिशा में निर्णायक कदम उठा रही है। इन्हीं में से एक ऐतिहासिक पहल 'प्लग एंड प्ले फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स' उद्योगों के नए युग का सूत्रपात कर रही है। यह परियोजना राजस्थान के युवाओं के उद्यमशील सपनों को जमीन देने वाली नीति दृष्टि का परिणाम है। इसमें न केवल निवेश आकर्षण का लक्ष्य है, बल्कि रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता की दिशा में भी यह एक सशक्त कदम है। भजनलाल शर्मा सरकार ने यह साबित किया है कि इच्छाशक्ति और प्रतिबद्धता से बजट घोषणाओं और विभिन्न योजनाओं को समयबद्ध रूप से धरातल पर उतारा जा सकता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में खैरथल-तिजारा और जयपुर जिले में 'प्लग एंड प्ले' कॉम्प्लेक्स की घोषणा के कुछ ही महीनों में इसका क्रियान्वयन शुरू हो जाना इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार नीतियों के साथ-साथ परिणामों पर भी उतना ही ध्यान दे रही है।

जयपुर के सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र में लगभग 4000 वर्गमीटर भूमि पर करीब 25 करोड़ रुपये की लागत से फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स का निर्माण पूरा किया गया है। इसमें 33 रेडी-टू-यूज़ मॉड्यूल्स तैयार हैं। इनमें उद्यिमयों को बस प्रवेश कर व्यवसाय आरंभ कर देना है। यह मॉडल इस बात का जीवंत उदाहरण है कि यदि सरकार ठोस नीयत और तत्परता से कार्य करे तो औद्योगिक परियोजनाएं वर्षों नहीं, महीनों में साकार हो सकती हैं। राज्य सरकार ने इस परियोजना को केवल जयपुर तक सीमित नहीं रखा है। अलवर जिले के चोपांकी औद्योगिक क्षेत्र में 10,046 वर्गमीटर भूमि पर इसी तरह के कॉम्प्लेक्स की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की है। सालारपुर औद्योगिक क्षेत्र में 13,235 वर्गमीटर भूमि इस योजना के लिए चिन्हित की गई है। यह दर्शाता है कि सरकार औद्योगिक विकास को क्षेत्रीय संतुलन के साथ आगे बढ़ाना चाहती है, ताकि विकास केवल शहरी केंद्रों तक सीमित न रहे, बल्कि छोटे शहरों और पिछड़े क्षेत्रों तक पहुंचे। जोधपुर का आरआईआईसीओ बोरनाडा फेज़ तृतीय अब इस नई औद्योगिक दृष्टि का अहम केंद्र बन गया है। ई-ऑक्शन के माध्यम से 4 सितम्बर 2023 को 9000 वर्गमीटर भूमि अयोध्या इंडस्ट्रियल पार्क को आवंटित की गई। आवंटन के तुरंत बाद निर्माण कार्य का प्रारंभ होना यह साबित करता है कि सरकार की औद्योगिक प्रक्रियाएं पारदर्शी और समयबद्ध हो गई हैं। इसी प्रकार, एग्रो फूड पार्क बोरनाडा में भी लगभग 4000 वर्गमीटर भूमि इसी योजना के अंतर्गत विकसित की जा रही है। यह दर्शाता है कि राज्य सरकार उद्योगों में विविधता पर भी ध्यान दे रही है।

राजस्थान का पश्चिमी मरुस्थलीय क्षेत्र लंबे समय तक औद्योगिक दृष्टि से उपेक्षित रहा है, लेकिन अब बालोतरा जिले के बोड़वास कलावा औद्योगिक क्षेत्र को 'प्लग एंड प्ले' योजना से जोड़ा गया है। यहाँ चार भूखंड इस परियोजना के लिए नियोजित किए गए हैं। इनमें से दो पर निर्माण प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। यह पहल न केवल क्षेत्रीय असमानता को घटाएगी, बल्कि पश्चिम राजस्थान को औद्योगिक पहचान देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम साबित होगी। आज की युवा पीढ़ी तेज़ी से बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा में समय की कीमत समझती है। पारंपरिक फैक्ट्री स्थापित करने की लंबी प्रक्रिया, अनुमति संबंधी अड़चनें और भारी निवेश युवा उद्यिमयों के लिए बड़ी बाधा बनते हैं।

'प्लग एंड प्ले' मॉडल इन तमाम जटिलताओं से मुक्त है। इसमें तैयार इंफ्रास्ट्रक्चर, बिजली, जल, संचार और प्रशासनिक स्वीकृतियां पहले से उपलब्ध होती हैं। उद्यमी को बस उत्पादन शुरू करना होता है। यह मॉडल एमएसएमइ सेक्टर और स्टार्टअप्स के लिए विशेष रूप से वरदान साबित हो रहा है। इनमें उद्यमी न्यूनतम पूंजी और समय में अपना उद्यम खड़ा कर सकते हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्पष्ट रूप से कहा है कि राज्य की औद्योगिक प्रगति तभी संभव है जब हम युवा उद्यिमयों को सुविधा, विश्वास और अवसर एक साथ दें। यह सोच ही इस योजना की आत्मा है।राजस्थान सरकार की नीतियों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। सरल ऑनलाइन प्रक्रियाएं, एकल खिड़की प्रणाली, पारदर्शी भू-आवंटन और प्रोत्साहन पैकेजों ने निवेश माहौल को और सुदृढ़ किया है।

राज्य में लगने वाले इन 'प्लग एंड प्ले' कॉम्प्लेक्सों से हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। साथ ही, स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा। राजस्थान का औद्योगिक उत्पादन और निर्यात क्षमता दोनों में वृद्धि होगी। यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में राज्य का योगदान भी है। आज राजस्थान जिस तेज़ी से उद्योग, निवेश और अवसंरचना के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, वह आने वाले दशक में राजस्थान को उत्तर भारत का प्रमुख औद्योगिक स्थल बना देगा।

प्लग एंड प्ले की नई शुरुआत इस बात का प्रतीक है कि राज्य सरकार केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि परिणाम देने वाली शासन प्रणाली पर विश्वास करती है। यह पहल सुशासन, पारदर्शिता और प्रगतिशील सोच का जीवंत उदाहरण है। राजस्थान की यह औद्योगिक यात्रा केवल नई फैक्ट्रियों की कहानी नहीं, बल्कि एक नई सोच का उदय है। यहां सरकार निवेशकों की साझेदार, युवाओं की सहयोगी और जनता की भागीदार बनकर काम कर रही है। निश्चय ही, यह पहल आने वाले वर्षों में राजस्थान को पर्यटन, संस्कृति और खनिज संपदा के साथ-साथ भारत के औद्योगिक मानचित्र पर भी अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करेगी।

गुलाब बत्रा, वरिष्ट पत्रकार।

ग्रामीण सेवा शिविर - 2025 : जनता के काम, जनता के द्वार की अवधारणा हो रही साकार

राजस्व अभिलेखों में त्वरित और पारदर्शी प्रक्रिया से मारुफ को मिली बड़ी राहत

सविता सिंह

राज्य सरकार द्वारा आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर ने एक बार फिर साबित किया है कि यह पहल ग्रामीणों की वर्षों पुरानी समस्याओं का त्वरित समाधान करने में मील का पत्थर साबित हो रही है। बाड़मेर जिले की ठााम पंचायत इटादा, तहसील धनाऊ निवासी मारुफ पुत्र अमीर को लंबे समय से राजस्व अभिलेखों में हिस्सा सही दर्ज न होने के कारण सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

समस्या के समाधान के लिए मारुफ एवं उनके सहखातेदारों ने धनाऊ में आयोजित ठाामीण सेवा शिविर में सहमति शुद्धि के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। मामले की गंभीरता को समझते हुए प्रभारी तहसीलदार धनाऊ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भू-अभिलेख निरीक्षक आलमसर और पटवारी इटादा को दस्तावेजों की जांच के आदेश दिए। अधिकारियों ने मौके पर ही दस्तावेजों का मुआयना कर शुद्धि प्रस्ताव तैयार किया। विशेष बात यह रही कि प्रस्ताव तैयार होने के तुरंत बाद शिविर स्थल पर ही इसे स्वीकृत कर दिया गया तथा राजस्व रिकॉर्ड में आवश्यक नामांकन की कार्यवाही भी पूर्ण कर दी गई। इस त्वरित और पारदर्शी प्रक्रिया से मारुफ पुत्र अमीर और उनके परिवार को बड़ी राहत मिली।

मारुफ ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार एवं स्थानीय प्रशासन का आभार जताया और कहा कि इस प्रकार के शिविरों से अब आमजन को दफ्तरों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं रहती। यह सफलता की कहानी इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि ग्रामीण सेवा शिविरों के माध्यम से सरकार जनता के काम, जनता के द्वार की अवधारणा को साकार कर रही है और सुदूर क्षेत्रों के किसानों व ग्रामीणों तक सरकारी सेवाएं सरलता एवं त्वरित गति से पहुंच रही हैं।

ग्रामीण सेवा शिविर में मिला भूमि का स्वामित्व

मातादीन और जगदीश के भविष्य की मजबूत हुई बुनियाद-

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेशभर में चल रहे ग्रामीण सेवा शिविर लोगों के लिए संबल का माध्यम बन रहे है। इन शिविरों में ना केवल वर्षों से अटकी समस्याओं का निस्तारण किया है, बल्कि ग्रामीण परिवारों को आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा भी प्रदान की जा रही है। धौलपुर जिले के बाड़ी उपखण्ड के एक छोटे से गांव जमूरा का अड्डा में विशेष रूप से घुमंतू-अद्धर्घुमंतू मोगिया समुदाय निवास करता है। यहां रहने वाले मातादीन पुत्र बंशी, जगदीश पुत्र हरिसिंह अपने परिवार के साथ सरकारी जमीन पर झोपड़ी बनाकर जीवनयापन कर रहे थे। जीवन की कठिनाईयां, आर्थिक तंगी और छत के अभाव में वह लगातार संघर्ष कर रहे थे। पक्की छत नहीं होने से बारिश हो या तेज धूप, उनके लिए कोई राहत नहीं होती।

गांव में हुए आवासी पटटे के सर्वे के दौरान मातादीन एवं जगदीश को जब बताया गया कि उन्हें भी इसका लाभ मिल सकता है, तब पहले तो उन्होंने विश्वास नहीं हुआ। लेकिन ग्राम पंचायत नकसौदा के ग्रामीणों एवं स्थानीय प्रशासन की मदद से उन्होंने आवेदन किया। काफी इंतजार और प्रक्रिया के बाद उनको आवासीय पट्टा भूमि का स्वामित्व मिला।

सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना और भूमि पट्टा वितरण योजना ने उनकी जिदंगी में नया उजाला ला दिया। जब उन्हें ग्राम पंचायत नकसौदा में ग्रामीण सेवा शिविर में पट्टा मिला तो उनके चेहरे पर जो मुस्कान थी वह उनके वर्षो के संघर्ष की गवाही दे रही थी। अब वे ना सिर्फ अपने लिए घर बना सकते है, बल्कि अगली पीढ़ी को भी बेहतर जीवन दे सकते है। शिविर प्रभारी उपखण्ड अधिकारी भगवत शरण त्यागी एवं तहसीलदार उत्तम चंद बंसल को उन्होंने धन्यवाद देते हुए कहा कि यदि योजनाएं सही तरीके से जरूरतमंदो तक पहुंचे तो जिदंगी बदल सकती है। पट्टा सिर्फ एक कागज का टुकड़ा नहीं यह उनके आत्मसम्मान और भविष्य की बुनियाद बन गया है।

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत सीगड़ा की मोनिका को मिला लाभ-

प्रदेश में आयोजित हो रहे ग्रामीण सेवा शिविर आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण करने एवं राज्य सरकार की योजनाओं को लाभार्थी तक पहुँचाने का सफल प्रयास साबित हो रहे है। इसी कड़ी में झुंझुनूं जिले की ग्राम पंचायत सीगड़ा में आयोजित शिविर के दौरान मोनिका पत्नी सुदेश कुमार को प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान किया गया।

शिविर में मोनिका की दूसरी बेटी के जन्म पर पोषण ट्रैकर पर उसका ऑनलाइन पंजीकरण किया गया तथा योजना के तहत आवेदन फॉर्म भरा गया। आवेदन प्रक्रिया पूर्ण होने पर उसे 6000 रूपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई, जिससे उसके परिवार को आर्थिक सहयोग प्राप्त हुआ। शिविर के दौरान मोनिका की बेटी का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया गया। यह कार्यक्रम एक सौहार्दपूर्ण माहौल में आयोजित हुआ, जिसमें क्षेत्र के अधिकारी एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अपनी बेटी के अन्नप्राशन और योजना से लाभ प्राप्त कर मोनिका ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा उपस्थित अधिकारियों एवं कार्मिकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह राशि उनके परिवार के लिए बहुत सहायक सिद्ध होगी और इस योजना ने मातृत्व काल में उन्हें सशक्त बनाया है। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर उनके स्वास्थ्य और पोषण में सुधार लाना है। सीगड़ा शिविर में मोनिका को मिला यह लाभ ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की एक प्रेरणादायी मिसाल प्रस्तुत करता है।

-सविता सिंह,
एपीआरओ, राजस्थान सरकार

सुहागिनों का त्योहार "करवा चौथ"

डॉ. मोनिका ओझा खत्री

करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की सलामती, अपने वैवाहिक जीवन में सुख-समृद्धि और लम्बी उम्र के लिए उपवास रखती है। यह व्रत कुंवारी लड़कियां भी रखती हैं। सुहागिनों का सबसे खास पर्व करवा चौथ कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। करवा चौथ पर्व इस साल 1 0 अक्टूबर, शुक्रवार को है। पंचाग के मुताबिक करवाचौथ पर पूजा का शुभ समय शाम 5:57 मिनट से शुरू होगा जो 7:11 बजे तक रहेगा। यानि पूजा का शुभ मुहूर्त एक घंटे 14 मिनट का होगा। चंद्रोदय शाम 7 बजकर 42 मिनट पर रहेगा।

इस दिन महिलाएं रात को चांद देखकर उसे अर्घ्य देकर व्रत खोलती हैं। इस व्रत की शुरुआत सावित्री के त्याग और फल से हुई थी। पौराणिक कथा अनुसार सावित्री अन्न-जल त्याग कर यमराज से अपने पति को वापस लाई थी। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चंद्रमा दर्शन के बाद संपूर्ण होता है। यह व्रत अच्छे गृहस्थ जीवन के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। स्त्री किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की हो, सबको इस व्रत को करने का अधिकार है। इस दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं। सोलह श्रृंगार में माथे पर लंबी सिंदूर अवश्य हो क्योंकि यह पति की लंबी उम्र का प्रतीक है। मंगलसूत्र, मांग टीका, बिंदिया, काजल, नथनी, कर्णफूल, मेहंदी, कंगन, लाल रंग की चुनरी, बिछिया, पायल, कमरबंद, अंगूठी, बाजूबंद और गजरा ये 16 श्रृंगार में आते हैं। इस दिन सुहागिन स्त्रियां निर्जल व्रत कर चौथ माता से अपने पति की लम्बी उम्र की कामना करती है।

इस व्रत को उत्तर भारत में बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। व्रत में चौथ माता के पूजन का महत्व सर्वाधिक है। इस दिन महिलाएं सजी थाली से पूजा करना शुभ मानती हैं। करवा चौथ के व्रत में चौथ माता की पूजा करना जरूरी होता है। थाली में सिंदूर, रोली, जल और सूखे मेवे रखते हैं। करवा चौथ के व्रत और पूजा में इस थाली का खासा महत्व होता है। करवा चौथ पर भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की पूजा होती है। पूजा में शाम को सभी व्रती महिलाएं एक साथ बैठ व्रत कथा कहती हैं। सबसे पहले चौथ माता की स्थापित मूर्ती पर फूल-माला और कलावा चढाया जाता है और उनके प्रतिमा के आगे करवा में जल भर कर रखा जाता है। करवा चौथ के दिन चंद्रमा उदय होने का समय सभी महिलाओं के लिए बहुत महत्व का है क्योंकि वे अपने पति की लम्बी उम्र के लिये पूरे दिन (बिना पानी के) व्रत रखती हैं। वे केवल उगते हुये पूरे चाँद को देखने के बाद ही पानी पीती हैं। यह माना जाता है कि चाँद देखे बिना व्रत अधूरा है। इस दिन महिलाएं शिव, पावर्ती और कार्तिक की पूजा-अर्चना करती हैं फिर शाम को छलनी से चंद्रमा और पति को देखते हुए पूजा करती हैं। पूजा के समय ही करवा चौथ की कथा सुनी जाती है. चन्द्रमा को छलनी से देखा जाना चाहिए। फिर अंत में पति के हाथों से जल पीकर व्रत समाप्त हो जाता है अंत में चांद का दीदार करने के बाद महिलाएं पति के हाथों पानी पीकर अपना व्रत तोड़ती हैं। यह माना जाता है कि अगर छलनी में चंद्रमा देखते हुए पति का चेहरा देखना शुभ माना जाता है।

-डॉ. मोनिका ओझा खत्री
(लेखक पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर के बीबीए की विभागाध्यक्ष है।)

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 10 अक्टूबर, 2025

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, कृत्तिका नक्षत्र सायं 5:31 तक, सिद्धि योग सायं 5:41 तक, बव करण प्रातः 9:17 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-वृष, मंगल-तुला, बुध-तुला, गुरू-मिथुन, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज यमघट योग सायं 5:31 से सूर्योदय तक है। कुमार योग 7:39 से सूर्योदय तक है। आज करवा चौथ (करक) व्रत है। चन्द्रोदय जयपुर में 8:25 पर होगा। आज दशरथ चतुरथी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:54 तक, लाभ-अमृत 7:54 से 10:47 तक, शुभ 12:14 से 1:41 तक, चर 4:34 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:27, सूर्यास्त 6:01

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों पर नियंत्रण रखें।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कर्क
आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आज घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

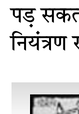

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

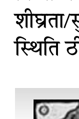

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

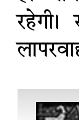

धनु
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में आज उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

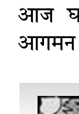

मकर
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

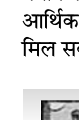

कुंभ
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

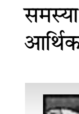

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

आमजन देखेंगे सेना के शौर्य और बलिदान की गाथा : भजनलाल शर्मा

आर्मी-डे परेड की तैयारियां कार्ययोजना के अनुरूप पूर्ण करें : मुख्यमंत्री

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आगामी 15 जनवरी को भारतीय सेना द्वारा जयपुर में आर्मी-डे परेड का आयोजन किया जाएगा। इस सम्पूर्ण आयोजन के माध्यम से आमजन को भारतीय सेना के शौर्य और बलिदान के गौरवशाली इतिहास को जानने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि आर्मी-डे परेड का आयोजन भव्य और व्यापक रूप से किया जाएगा।

शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आर्मी-डे परेड की तैयारियों को लेकर भारतीय थल सेना एवं राज्य सरकार के उच्चाधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह परेड भारतीय सेना और वीर सैनिकों के पराक्रम और वीरता को प्रदर्शित करेगी। प्रशासन और अधिकारी इस आयोजन से संबंधित सभी तैयारियों को समय से पूर्ण करने के लिए सैन्य अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें। मुख्यमंत्री ने जिला कलक्टर जयपुर को जगतपुरा के महल रोड पर आर्मी-डे परेड से संबंधित सभी तैयारियां समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस परेड में शामिल होने वाले विशिष्ट गणमान्य, सैन्य अधिकारी और शहीदों के परिजनों के लिए जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित हों। उन्होंने पुलिस आयुक्त, जयपुर को परेड स्थल पर पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था के उचित प्रबंधन के लिए भी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस परेड और इससे संबंधित अन्य आयोजनों को देखकर विशेष रूप से युवाओं में देश भक्ति की भावना और अधिक प्रबल होगी। दक्षिण पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने बैठक में बताया कि 8 से 15 जनवरी तक उपकरण प्रदर्शन होगा। साथ ही, 15 जनवरी को ही आर्मी-डे परेड एवं सवाई मानसिंह स्टेडियम में शौर्य संध्या कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान सांस्कृतिक विविधता और शौर्य गाथा से संबंधित ड्रोन शो का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आगामी 7 दिसम्बर को जेएलएन मार्ग पर ऑनर रन का भी आयोजन होगा।बैठक में मुख्यमंत्री को प्रस्तुतिकरण के माध्यम से आर्मी-डे परेड की तैयारियों को लेकर जानकारी दी गई। इस दौरान पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित भारतीय थल सेना एवं राज्य सरकार के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को आर्मी-डे परेड की तैयारियों को लेकर भारतीय थल सेना एवं राज्य सरकार के उच्चाधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित बैठक की अध्यक्षता की।

- 15 जनवरी को भारतीय थल सेना द्वारा जयपुर में आर्मी-डे परेड का आयोजन किया जायेगा
- इससे पूर्व 8 से 15 जनवरी तक उपकरण प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी

सांसद हरीश मीणा के बेटे हनुमंत मीणा का हृदयाघात से निधन

- आदर्श नगर स्थित मोक्षधाम में गमगीन माहौल में हुआ अंतिम संस्कार
- बताया जा रहा है कि हनुमंत मीणा को 2 दिन पहले सीने में दर्द के बाद निजी अस्पताल भर्ती कराया गया था

जयपुर (कासं)। टोंक-सवाई माधोपुर से कांग्रेस सांसद व पूर्व डी.जी.पी. हरीश मीणा के इकलौते बेटे हनुमंत मीणा (35) की हार्टअटैक (हृदयाघात) से मौत हो गई। 2 दिन पहले सीने में दर्द की शिकायत होने पर उनको जयपुर के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हनुमंत मीणा को जनरल वार्ड में भर्ती कर जांचें की गई, जो एकदम ठीक आई थी। आज उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिलने वाली थी। दोपहर करीब 3 बजे हनुमंत मीणा को हार्टअटैक आ गया। इस दौरान डॉक्टर भी वार्ड में ही थे। डॉक्टर ने तुरंत हनुमंत मीणा को संभाला, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। सूचना मिलने पर हरीश मीणा टोंक में कांग्रेस की बैठक रद्द करके जयपुर लौटे। गुरूवार शाम को आदर्श नगर स्थित श्मशान घाट में गमगीन माहौल के बीच हनुमंत मीणा का अंतिम संस्कार किया गया।

मात्र 35 वर्षीय हनुमंत एक व्यवसायी थे और जयपुर में अपना व्यवसाय संभालते थे। हनुमंत मीणा के निधन की खबर से उनके परिवार में गहरा शोक है। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। इस दुखद घटना के बाद राजस्थान के राजनीतिक हलकों में भी शोक की लहर दौड़ गई है। हनुमंत के पिता, सांसद हरीश चंद्र मीणा, 1976 बैच के आईपीएस अधिकारी रह चुके हैं, और वर्तमान में टोंक-सवाई माधोपुर से कांग्रेस सांसद है।बताया जा रहा है कि, कांग्रेस सांसद हरीश मीणा गुरूवार सुबह बेटे हनुमंत मीणा से अस्पताल में मिले थे। इसके बाद वह सवाई माधोपुर में कांग्रेस की बैठक में शामिल होने के लिए निकल गए थे। सवाई माधोपुर के बाद वह टोंक में कांग्रेस की बैठक में जा रहे थे। रास्ते में उनको बेटे की मौत की सूचना मिली तो वे टोंक बाइपास से सीधे जयपुर लौट गए। हनुमंत मीणा बिजनेसमैन थे, उनके एक बेटा और एक बेटी है।टोंक में कांग्रेस की बैठक स्थगित सूचना के बाद कांग्रेसियों में भी शोक की लहर दौड़ गई। ए.आई.सी.सी. महासचिव और टोंक विधायक सचिन पायलट समेत कई नेताओं ने हनुमंत मीणा की मौत पर दु:ख जताया। हनुमंत मीणा के निधन की सूचना मिलने के बाद टोंक कांग्रेस जिलाध्यक्ष बनाने के लिए कांग्रेस ऑफिस में रखी गई बैठक भी स्थगित कर दी गई।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में चचेरी बहन और अभियुक्त को 20 साल की सजा

अदालत ने दोनों अभियुक्तों पर 1.80 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया

जयपुर । पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-3 महानगर प्रथम ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म से जुड़े मामले में पीड़िता की चचेरी बहन और उसके परिचित अभियुक्त धीरज को 20 साल की सजा सुनाई है। पीठासीन अधिकारी अलका बंसल ने दोनों अभियुक्तों पर 1.80 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। इसके साथ ही अदालत ने पीड़ित प्रतिकर स्कीम, 2011 के तहत पीडिता को क्षितपूर्ति दिलाने के लिए प्रकरण को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में भेजा है।अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक रचना मान ने अदालत को बताया कि पीडिता ने 26 अक्टूबर, 2023 को सांगानेर सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी चचेरी बहन उसे अपने दोस्त के निवास पर कार्यक्रम का कहकर ले गई थी। जब वह मौके पर पहुंची तो कोई कार्यक्रम नहीं था और सिर्फ अभियुक्त वहां मिला। इस दौरान चचेरी बहन उसके साथ रात को रुक गई। जहां अभियुक्त ने उसके साथ दुष्कर्म किया। जिसके चलते अगले दिन उसने अनाज में रखने वाली कीडे मारने की गोली खा ली थी, लेकिन गोली पुरानी होने के कारण उसकी जान बच गई। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को 4 अक्टूबर और चचेरी बहन को 5 दिसंबर को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। पुलिस जांच में पता चला कि चचेरी बहन पीडिता को कार्यक्रम का बहाना कर अपने साथ ले गई थी। रात के वक्त तीनों एक ही कमरे में सोए थे। जहां अभियुक्त ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया था। वहीं दूसरी ओर बचाव पक्ष की ओर से कहा गया कि उसे प्रकरण में फंसाया जा रहा है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त और पीड़िता की चचेरी बहन को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

बीसीआर चुनाव के नामांकन की फीस बढ़ाने और कमेटी गठन को चुनौती

जयपुर । प्रदेश के अधिवक्ताओं की नियामक संस्था बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के चुनाव के नामांकन की फीस 10 हजार से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपए करने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका में चुनाव कराने की जिम्मेदारी देने के लिए कमेटी गठित करने को भी चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट बार के पूर्व अध्यक्ष और बीसीआर का चुनाव लडने वाले अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा की ओर से दायर इस याचिका पर अदालत 10 अक्टूबर को सुनवाई करेगी। याचिका में बार कौंसिल ऑफ इंडिया के सचिव और बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के सचिव को पक्षकार बनाया गया है।

याचिका में कहा गया कि बार कौंसिल ऑफ इंडिया नियम, 1961 के नियम 3 में प्रावधान है कि राज्य बार कौंसिल का सचिव रिटर्निंग ऑफिसर होगा और उसकी ही चुनाव कराने की जिम्मेदारी रहेगी। वहीं बीसीआर चुनाव नियम,1968 के नियम 8 में हुए संशोधन में प्रावधान है कि नामांकन फीस दस हजार रुपए रहेगी। इसके बावजूद भी बार कौंसिल ऑफ इंडिया ने गत 25 सितंबर को आदेश जारी कर बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के चुनाव कराने के लिए सात अधिवक्ताओं की कमेटी का गठन कर दिया। इसके अलावा प्रत्याशियों से नामांकन फीस के तौर पर दस हजार रुपए के स्थान पर 1.25 लाख रुपए लेने का प्रावधान किया। याचिका में कहा गया कि राज्य बार कौंसिल के चुनाव को लेकर बीसीआई को दिशा-निर्देश जारी करने का अधिकार ही नहीं है। इसके अलावा नियमों के विपरीत जाकर भी बीसीआई आदेश जारी नहीं कर सकती।

'राजस्थान में भाजपा सरकार के 20 माह, कांग्रेस के 5 वर्षों पर भारी'

- भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने प्रैस कॉफ्रेंस कर कांग्रेस पर हमला बोला

जयपुर । भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने राजस्थान में भजनलाल शर्मा सरकार के 20 महीनों के कार्यकाल को कांग्रेस सरकार के 5 सालों की तुलना में कहीं अधिक प्रभावी और परिणामदायक बताया।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि सरकार का पूरा कार्यकाल सेवा, विकास और पारदर्शिता के संकल्प पर केंद्रित रहा है। उन्होंने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार में जहां निष्क्रियता और केवल घोषणाओं की राजनीति हावी थी, वहीं वर्तमान सरकार ने अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुँचाने का संकल्प लेकर जनसंपर्क अभियान को सफलतापूर्वक संचालित किया है। ग्रामीण और शहरी सेवा शिविरों के माध्यम से लाखों लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया।

डॉ. चतुर्वेदी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई थी, लेकिन भाजपा सरकार ने प्रशासन में जवाबदेही और पारदर्शिता लाकर इस स्थिति को सुधारा है। सेवा पखवाड़े के रूप में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाए गए शिविरों में भूमि विवाद, नामांतरण, प्रमाण पत्र, पेंशन और जन आधार से जुड़ी समस्याओं का तुरंत निपटारा किया गया। इसके साथ ही सहकारी सदस्यता अभियान के माध्यम से सहकारिता क्षेत्र में आम नागरिकों की भागीदारी को बढ़ावा मिला है, जो पहले कुछ गुटों के नियंत्रण में था।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि भाजपा सरकार ने 20 महीनों में जो काम किए हैं, वे कांग्रेस सरकार पूरे 5 वर्षों में नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों, महिलाओं, युवाओं और आम नागरिकों के हित में अनेक ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। उन्होंने बताया कि कृषि, सिंचाई, ऊर्जा, सड़कों, आवास और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भाजपा सरकार की उपलब्धियाँ कहीं अधिक हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों को समर्पित रहते हुए खेतों की तारबंदी, फार्म पॉन्ड निर्माण, पाइपलाइन वितरण और बीज मिनी किट के माध्यम से उन्हें राहत दी है। सहकारी बैंकों के माध्यम से रिकार्ड ऋण वितरण किया गया है। डॉ. बैरवा ने यह भी कहा कि भाजपा सरकार ने बिजली उत्पादन, नवकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं और सड़क निर्माण के क्षेत्र में भी कांग्रेस से कहीं अधिक कार्य किया है। विद्यार्थियों को टैबलेट और लैपटॉप वितरण की योजना के माध्यम से शिक्षा में डिजिटल क्रांति लाई गई है। सरकार की कोशिश रही है कि बजट घोषणाएं केवल कागज़ों तक सीमित न रहें, बल्कि हर योजना का लाभ वास्तविक जरूरतमंद तक पहुंचे।

भाजपा विधायक कुलदीप धनखड़ ने कहा कि भाजपा सरकार ने 12 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू की हैं जो लाखों लोगों को राहत देंगी। किसानों को दिन में बिजली देने की व्यवस्था की, पीएम कुसुम योजना के तहत सौर ऊर्जा के माध्यम से विद्युत उत्पादन को बढ़ावा दिया और बड़ी संख्या में कृषि कनेक्शन जारी किए। वृक्षारोपण के क्षेत्र में करोड़ों पौधे लगाकर कीर्तिमान रचा।

धनखड़ ने कहा कि खाद्य सुरक्षा योजनाओं में कांग्रेस सरकार के समय भारी गड़बड़ियां थीं, लेकिन भाजपा सरकार ने 32 लाख अपात्र नाम हटाकर 59 लाख नए पात्र लाभार्थियों को जोड़ा है, जिससे योजनाओं का लाभ वास्तव में ज़रूरतमंदों को मिला है। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सरकार ने साइकिल वितरण, प्रशिक्षण कार्यक्रम, लखपति दीदी योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना, पीएम मातृ वंदना योजना जैसे अनेक कदम उठाए हैं, जिनसे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सफलता मिली है। उन्होंने यह भी बताया कि युवाओं के लिए नए शिक्षण संस्थानों की स्थापना, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर सुनिश्चित करने के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। इसके साथ ही सरकार ने मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, राजस्व न्यायालयों में प्रकरणों के त्वरित निस्तारण और 21 नवीन नीतियों के माध्यम से निवेश को प्रोत्साहन देने जैसे कार्य किए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में नारी सशक्तिकरण को नई उडान

हर क्षेत्र में महिलाओं को मिल रहे समान अवसर, योजनाओं से बन रही आत्मनिर्भर

- शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और उद्यिमता के क्षेत्र में उठाए गए अभूतपूर्व कदम

जयपुर । राज्य में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में सरकार द्वारा लगातार प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिणक और तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री का मानना है कि "आधी आबादी" की भागीदारी के बिना विकसित राजस्थान की कल्पना अधूरी है, इसी सोच के साथ सरकार ने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक पहल की हैं। महिलाएं खेती से लेकर उद्योग और आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों तक में अपनी अहम भूमिका निभा रही हैं।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, मातृत्व पोषण योजना, नि:शुल्क सैनिटरी नेपकिन वितरण, गर्भवती महिलाओं को सोनोग्राफी कूपन जैसे कदमों से महिलाओं को सीधा लाभ मिला है।

राज्य सरकार ने बालिकाओं को उच्च शिक्षा से जोड़ने के लिए गार्गी पुरस्कार, कालीबाई स्कूटी योजना, देवनारायण छात्रा स्कूटी योजना जैसी योजनाएं चलाई हैं, जिनके अंतर्गत अब तक 39 हजार से अधिक स्कूटियां वितरित की गई हैं। सरकारी महाविद्यालयों में छात्राओं के लिए 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण लागू किया गया है।

महिला सुरक्षा के लिए 181 हेल्पलाइन, 500 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट और महिला सलाह केंद्र जैसे ठोस प्रयास किए गए हैं।

महिला उद्यिमता को बढ़ावा देने के लिए महिला निधि के तहत 31,053 स्वयं सहायता समूहों को ऋण दिया गया।

'लखपति दीदी' योजना में 18.25 लाख महिलाओं को प्रशिक्षण मिला, जिनमें से 11 लाख से अधिक महिलाएं आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। ड्रोन प्रशिक्षण, अमृता हाट, वन धन विकास केंद्र जैसे नवाचारों से ग्रामीण व जनजातीय क्षेत्रों की महिलाएं भी विकास की मुख्यधारा से जुड़ रही हैं।

जर्जर स्कूल भवनों और छात्रसंघ चुनाव पर सुनवाई टली

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश के जर्जर स्कूल भवनों और राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव कराने के लिए दायर याचिका पर 15 अक्टूबर तक सुनवाई टाल दी।जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस अशोक कुमार जैन की अदालत में महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद की ओर से कहा गया कि उनकी ओर से जर्जर स्कूल भवनों के संबंध में मांगी गई जानकारी तैयार की जा चुकी है, लेकिन प्रमुख शिक्षा सचिव बीते तीन दिन से मौजूद नहीं हैं। ऐसे में मामले की सुनवाई टाली जाए। वहीं एएसजी भरत व्यास की ओर से कहा गया कि उनकी ओर से एएसजी पद का कार्यभार हाल ही में ग्रहण किया गया है। दोनों को सुनकर अदालत ने स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई टाल दी। इसी तरह जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ में राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव कराने को लेकर दायर याचिका में अधिवक्ता अभिनव शर्मा की ओर से सुप्रीम कोर्ट के प्रकरणों का हवाला देते हुए छात्रसंघ चुनाव कराने की गुहार की गई।

4 साल की पीडिता के बयान पर हुई अभियुक्त को सजा

जयपुर । पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम 1 महानगर प्रथम ने चार साल की पीडिता के बयान के आधार पर पॉक्सो प्रकरण के अपराधी रोहित मलाह को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 22 वर्षीय इस अभियुक्त पर बीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी मीना अवस्थी ने अपने आदेश में कहा कि प्रकरण में पीड़ित बालिका की साक्ष्य पूर्णत: विश्वास करने योग्य है।

पीडिता न केवल अपने बयानों पर कायम रही, बल्कि प्रति परीक्षा में भी उसके बयानों में विरोधाभास नहीं रहा। प्रकरण में साढ़े तीन साल की पीडिता ने ऐसी पीड़ा को झेला, जिसका वर्णन करना भी मुश्किल है। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक सुरेन्द्र सिंह राजावत ने बताया कि घटना को लेकर पीडिता की बुआ ने 24 मई, 2024 को जवाहर नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

रिपोर्ट में कहा गया कि तीन दिन पहले रात के समय वह अपने पति के साथ नीचे वाले कमरे में सो रही थी और पीडिता व उसकी बेटी छत पर सो रही थी। छत पर बने पोर्शन में अभियुक्त अपने परिवार के साथ किराए पर रहता था।

रात करीब साढ़े 11 बजे पीड़िता के रोने की आवाज आई। जब पीडिता को संभाला को उसने पेट दर्द होने की बात कही। अगले दिन भी पीडिता ने अपनी दादी को दर्द की शिकायत कर डॉक्टर को दिखाने की बात कही, लेकिन उसकी मां ने ध्यान नहीं दिया। बीती रात करीब एक बजे बच्ची ने रोते हुए फिर से दर्द होने की शिकायत की।

इस पर ध्यान से देखा तो उसके प्राइवेट पार्ट पर सूजन आ रखी थी। पूछने पर पीडिता ने बताया कि अभियुक्त ने वहां अपनी अंगुली डाली थी।

रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीडिता ने अदालत के सामने घटना को दोहराया।

वहीं बचाव पक्ष की ओर से कहा गया कि उसका परिवार पीड़िता की बुआ के घर रहता है और वह मकान खाली कराने के लिए उसे झूठा फंसा रही है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

650 किलो मिल्क केक नष्ट कराया, 5000 किलो खाद्य सामग्री सीज

स्वास्थ्य विभाग ने खो-नागोरियान में पकड़ा मिलावटी मिल्क केक का अवैध कारखाना

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । खाद्य विभाग की टीम ने गुरूवार को जयपुर के खोह नागोरियान क्षेत्र में मिलावटी केक की अवैध फैक्ट्री पकड़ी। टीम ने 650 किलो मिल्क केक नष्ट कराया और 5000 किलो खाद्य सामग्री भी सीज की है। यह फैक्ट्री बिना किसी फूड लाइसेंस खो नागोरियान क्षेत्र की ढींगा वाली ढाणी में चल रही थी।

ज्ञात रहे कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर पूरे राजस्थान में अभियान जारी है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान डॉ. टी.शुभमंगला के निर्देश पर ज्वाइंट कमिश्नर खाद्य सुरक्षा डॉक्टर वी.पी.शर्मा एवं सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉक्टर मनीष मित्तल के नेतृत्व में टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। सीएमएचओ डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि दीपावली के त्यौहार के मध्यनजर अलग-अलग टीमें बनाकर सघन अभियान के रूप में जयपुर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य सामग्री विशेषकर घी, तेल, मसाले, पनीर, मावा और मिठाइयों की निर्माण इकाइयों एवं विक्रेताओं पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

टीम ने गुरुवार दोपहर खो-नागोरियान में ढींगा वाली ढाणी स्थित मिल्क केक के एक कारखाने पर कार्यवाही करते हुए 600 किलो मिलावटी केक नष्ट करवाया। संचालक मनोज जैन, अवैध रूप से बिना फूड लाइसेंस के कारखाना चला रहा था। मौके पर सूजी, मिल्क पाउडर, रिफाइंड सोयाबीन तेल, लिक्विड ग्लूकोज और फिटकरी डालकर मिलावटी मिल्क केक बना रहा था। आरोपी मनोज जैन ने बताया कि आगरा रोड, नाई की थड़ी, दिल्ली रोड, जामडोली, रामगढ़ रोड के मिठाई विक्रेताओं को 250 रुपये किलो बेचता है। दुकानदार इसे 400 रुपए किलो बेचते है।

डॉ. मित्तल ने बताया कि मौके पर 2300 किलो चीनी, 1150 किलो सूजी, 90 किलो मिल्क पाउडर, 600 किलो लिक्विड ग्लूकोज, 21 टीन रिफाइंड सोयाबीन तेल 2 किलो फिटकरी जप्त की गई। दीपावली पर लगभग 10 हजार किलो मिलावटी मिल्क केक बनाकर बेचने की तैयारी थी। मौके पर मिल्क केक के नमूने लेकर पैकेटों में रखा 600 किलो मिलावटी मिल्क केक, लगभग 400 किलो पैकिंग के लिए रखा मिलावटी मिल्क केक, लगभग 100 किलो तैयार घोल, 100 किलो सूजी मिल्क पाउडर का मिश्रण नष्ट करवाया गया। मौके पर उपस्थित अधिकारियों के निर्देशानुसार अवैध कारखाना बंद करवाया गया। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी,विनोद थारवान एवं राजेश नागर शामिल रहे।

खाद्य विभाग और जयपुर सीएमएचओ द्वितीय की टीम ने गुरूवार को खो-नागोरियान क्षेत्र में मिलावटी केक की अवैध फैक्ट्री पर छापेमारी करके 650 किलो मिल्क केक नष्ट कराया।

'अंग प्रत्यारोपण का विश्व स्तर का केन्द्र बना जयपुर'

जयपुर । अंग प्रत्यारोपण के क्षेत्र में जयपुर वैश्विक नेतृत्व की ओर कदम बढ़ा रहा है। शहर में इंडियन ऑर्गन ट्रांसप्लांट सोसाइटी का 35वां वार्षिक सम्मेलन, 9 से 12 अक्टूबर तक नोवोटेल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होगा। इसमें 20 से अधिक देशों के 150 विशेषज्ञ शामिल होकर नवाचार, शोध और वैश्विक सहयोग पर चर्चा करेंगे। राज्य की कीर्तिमानों को देखते हुए विदेशी वक्ताओं ने माना कि जयपुर अब अंग प्रत्यारोपण के मामले में विश्व स्तर का केंद्र बन गया है।

सम्मेलन का उद्घाटन 11 अक्टूबर को सुबह 11 बजे होगा। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े करेंगे, जबकि मुख्य अतिथि सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले तथा विशिष्ट अतिथि डायरेक्टर जनरल हेल्थ सर्विसेज डॉ. सुनीता शर्मा भी शामिल होंगे। आयोजन की जिम्मेदारी महात्मा गांधी मेडिकल यूनिवर्सिटी के संस्थापक तथा 35वी कांफ्रेंस के ऑर्गेनाइजिंग चेयरपर्सन डॉ एम.एल.स्वर्णकार, आयोजन सचिव डॉ. सूरज गोदारा, सोसाइटी की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अर्पिता रायचौधरी, महासचिव डॉ. मनीष बालवानी के नेतृत्व में की जा रही है।

डॉ. सूरज गोदारा के अनुसार, सम्मेलन में पहली बार बड़ी संख्या में विश्व विख्यात विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं इनमें प्रो. रॉबर्ट मॉन्टगोमेरी, प्रो. जॉन फंग, प्रो फादी इस्सा, प्रोफ. काजुनारी तनाबे (जापान) और प्रो. मोहम्मद रेला (भारत/)। भारतीय विशेषज्ञों की टीम में डॉ. विवेक कूटे, डॉ. नारायण प्रसाद, डॉ. संजय कोलटे और अन्य प्रमुख डॉक्टर शामिल हैं, जो एबो-इनकंपिटिबल प्रत्यारोपण, रोबोटिक सर्जरी और पैर्ड किडनी एक्सचेंज पर अपने अनुभव साझा करेंगे।

सार-समाचार

ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन

राजसमंद, (निसं)। सेवा पखवाड़ा-2025 के तहत ग्राम पंचायत नरदास का गुड़ा में ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का निरीक्षण जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा एवं जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी बृजमोहन बैरवा द्वारा किया गया। विकास अधिकारी गुलाब गुर्जर ने बताया कि जिला कलक्टर ने शिविर में पहुंचते ही सर्वप्रथम ई-मित्र काउंटर का अवलोकन किया तथा संचालकों से दिनभर किए गए कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इसके पश्चात उन्होंने प्रत्येक विभागीय काउंटर का निरीक्षण करते हुए विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों से शिविर में सम्मिलित विभिन्न योजनाओं की जानकारी ली तथा उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में की जा रही प्रगति को और अधिक प्रभावी बनाया जाए तथा सभी विभागीय कार्यों की प्रगति को ग्रामीण सेवा सिविल पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज कराया जाए। शिविर के दौरान जिला कलक्टर द्वारा 10 आवासीय पट्टों, 10 मंगला पशु बीमा पॉलिसियों, 02 प्रधानमंत्री फसल बीमा पॉलिसियों, 06 सॉइल हेल्थ कार्ड तथा 02 टीबी मरीजों को पोषण किट का वितरण किया गया।

पोस्टर का विमोचन

राजसमंद, (निसं)।पीपली आचार्यान ग्राम पंचायत एमड़ी के गांव नांदोली में चारण माता मन्दिर के स्वर्ण कलश प्रतिष्ठा एवं श्रीमद् भागवत कथा कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन गुरुवार को बार एसोसिएशन राजसमंद के अध्यक्ष रामलाल जाट में किया।। गांव के कैलाश पूर्बिया ने बताया कि आगामी 26 अक्टूबर से 2 नवंबर तक आयोजित महोत्सव इमें बहुत सारे साधु संत पधारेंगे जिनके द्वारा कलश की स्थापना की जाएगी। कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन बार अध्यक्ष जाट के साथ ही पारस बुआ की ओर से भी किया गया। इस दौरान जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष मोहन कुमावत, पार्षद चम्पालाल कुमावत, पूर्व पार्षद खुशकमल कुमावत, टु व्हीलर मेकेनिकल एसोसिएशन, बालाजी महाराज मित्र मंडल (बजरंग चौराया), कांकरोली खाद्यान्न मंडल, टैक्स बार एसोसिएशन, आर्टिकल नक्शा घर एसोसिएशन एवं सर्राफा यूनियन के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

शिविर में 112 यूनिट रक्तदान

मंडफिया, (निसं)। भदेसर उपखंड क्षेत्र के आसावरा माता धार्मिक स्थल पर समता युवा संघ आसावरा माता एवं साधु मार्गी जैन संघ आसावरा माता के तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में रिकॉर्ड 112 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ। समता युवा संघ आसावरा माता के अध्यक्ष रवि कुमार भंसाली एवं साधु मार्गी जैन संघ के अध्यक्ष अरुण कुमार पटवा ने जानकारी देते हुए बताया कि आचार्य श्री नानेश के स्मृति दिवस एवं आचार्य श्री रामेश के 26 वे आचार्य पधरोहण दिवस के अवसर पर पूरे भारतवर्ष में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है इसी क्रम में आसावरा माता समता युवा संघ के द्वारा भी पहली बार रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में आसावरा माता सहित भदेसर, निकुंभ, चिकारड़ा, मंगलवाड, मंडफिया (सांवलिया जी) आदि क्षेत्र के युवा साथियों ने बढ़-चद कर हिस्सा लेकर रक्तदान शिविर में सहयोग किया।

कांशीराम का परिनिर्वाण दिवस मनाय

मंडफिया, (निसं)। कपासन विधानसभा क्षेत्र के मंडफिया सांवरिया जी में बहुजन समाज पार्टी संस्थापक मान्यवर कांशीराम जी का 19वां परिनिर्वाण दिवस पुष्पांजलि अर्पित कर मनाया गया। बसपा जिला प्रभारी बालू नायक मोखमपुरा ने बताया कि सविधान निर्माता डॉ भीम राव अम्बेडकर जी के इतिहास को जिंदा कर लोगो तक पहुंचाने का काम मान्यवर काशीराम जी ने किया ओर बामसेफ डीएस फोर का गठन कर बहुजन समाज पार्टी बनाई। यूपी में कानून का राज लाए बहुजन को हुक्माराम बनने का अवसर मिला और नारा दिया वोट हमारा राज तुम्हारा नहीं चलेगा नहीं चलेगा। कार्यक्रम में बालू नायक मोखमपुरा, आरव नायक, सदाम हुसैन, बंशी सरगरा, अनिल कुमार नायक राजू नायक, विजय सिंह राव, महिला विंग पूजा नायक, आराध्या नायक सहित कई बहुजन समाज कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ

कपासन, (निसं)। ग्राम पंचायत गोरा जी का निंबाड़ा विद्यालय ठाांउड में सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ हुआ मुख्य अतिथि ठाामीण मंडल अध्यक्ष दिनेश पाराशर ने खेल को खेल की भावना से खेलने की जानकारी दी तथा प्रतियोगिता के शुभारंभ की घोषणा की विशिष्ट अतिथि पंचायत समिति सदस्य शंभू लाल जाट ने खिलाड़ियों से चर्चा करते हुए बताया कि खेल में हार जीत दो पहलू है हारने वाले को सबक लेकर कड़ी तैयारी करनी चाहिए निराश नहीं होना चाहिए ग्रामीण मंडल महामंत्री एवं ग्रामीण मंडल कार्यक्रम संयोजक कैलाश सुखवाल ने कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का आभार ग्राम पंचायत निंबाहेड़ा संयोजक राज सुवालका ने अतिथियों का स्वागत किया तथा खेल प्रतियोगिता को सुचारू रूप से संपन्न करवाया इस अवसर पर सहसंयोजक सीपी जाट, बुत अध्यक्ष विष्णु सुथार विद्यालय प्राचार्य सुनीता बाघमार , विद्यालय स्टाफ ग्रामवासी एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे। कार्यक्रम कासंचालन सविता पाराशर ने किया

पालना गृहों का किया निरीक्षण

बांसवाड़ा, (निसं)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अपर जिला न्यायाधीश कौशल सिंह ने जिले में स्थित पालना गृहों का आकस्मिक निरीक्षण कर पालना गृहों की व्यवस्थाओं की जांच की। प्राधिकरण सचिव सिंह ने महात्मा गांधी चिकित्सालय परिसर स्थित पालना गृह का आकस्मिक निरीक्षण किया गया एवं पालना गृह की व्यवस्थाओं की जांच की गई।

भारतीय ज्ञान परंपरा विश्व में अद्भुत : प्रो. सारंगदेवोत

भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित प्रदर्शनी का प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत व अतिथियों ने शुभारंभ किया।

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान विद्यापीठ के संघटक लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के बी.ए.-बी.एड. एवं बी.एससी.-बी.एड. विभाग के विद्यार्थियों की ओर से भारतीय ज्ञान तंत्र आधारित थीम पर ड्रामा, आर्ट एंड एस्थेटिक्स की प्रदर्शनी का शुभारंभ कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत, कुलाधिपति भंवर लाल गुर्जर, प्राचार्य प्रो. सरोज गर्ग, डॉ. रचना राठौड, डॉ. बलिदान जैन, डॉ. अमी राठौड़ ने फीता काट कर किया।

प्रदर्शनी में चतुर्थ वर्ष के छात्र-अध्यापकों ने भारतीय संस्कृति, विज्ञान

■ **भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ**

और अध्यात्म के समन्वय को अपने रचनात्मक कार्यो के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जिसमें अष्टांग योग, मूल चक्र, पंचांग तिथि, तिलक के प्रकार और उनके प्रभाव, वेद चिन्ह, ओम् का महत्व, स्वस्तिक निर्माण पद्धति, दस महाविद्या एवं सोलह संस्कार जैसे विषयों को वैज्ञानिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से दर्शाया गया। साथ ही विद्यार्थियों ने मंडला आर्ट, क्विलिंग आर्ट, मिरर वर्क और हैंडमेड आर्टवर्क के माध्यम से भारतीय सौंदर्यबोध को दर्शाया गया। पर्यावरण संरक्षण के संदेश को साकार करते हुए विद्यार्थियों ने कॉटन बैग्स पर हस्तनिर्मित चित्रांकन कर 'पर्यावरण बचाओ' का संदेश दिया।

प्रो. सारंगदेवोत ने विद्यार्थियों का आव्हान किया कि भारतीय ज्ञान परम्परा विश्व में अद्भूत है इसे आने वाली पीढ़ी में रूपांतरित करने की जिम्मेदारी आप सभी की है। संयोजन डॉ. इंदु बाला आचार्य, डॉ. लक्ष्मण रेवाड़ी के निर्देशन में विद्यार्थियों के सहयोग से किया गया। इस मौके पर डॉ. भूरालाल श्रीमाली, डॉ. नीतू व्यास, डॉ. रजनी धाबाई, डॉ. अनुपम सुथार, डॉ. उषा शर्मा, नरपत सिंह चुंडावत, डॉ. इंदु बाला आचार्य, डॉ. लक्ष्मण रेवाड़ी, भारत कुशवाहा, कृष्णकांत कुमावत, यशवंत राव , महेश चंद्र पालीवाल, सवाराम डांगी सहित अकादमिक सदस्य मौजूद रहे।

बैठक 16 को

बांसवाड़ा, (निसं)। माही बजाज सागर वृहद सिंचाई परियोजना के कमाण्ड क्षेत्र में रबी सिंचाई 2025-26 के लिए नहरी तंत्र में जल संचालन के लिये कार्यक्रम तय करने एवं जल वितरण तथा उपयोगिता से संबंधित विभिन्न कार्यकलापों पर विचार-विमर्श के लिए संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में माही बजाज सागर वृहद् सिंचाई परियोजना की जल वितरण तथा उपयोगिता समिति की बैठक 16 अक्टूबर को अपरान्ह 3.30 बजे टीएडी भवन सभागार कलेक्ट्रेट परिसर में होगी।

चोरों ने नकदी व जेवरात चुराए

डूंगरपुर, (निसं)। शिवाजी नगर में एक सरकारी शिक्षक के घर बुधवार को दिन दहाडे चोरी की वारदात हुई। चोरों ने घर से 2.20लाख रुपए नकद और करीब 2.50 लाख रुपए के जेवर चुरा लिए। घटना का पता शाम को चलाए जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार शिवाजी नगर भू जल विभाग के पीछे रहने वाले उमेश त्रिवेदी सरकारी शिक्षक हैं और उनकी ड्यूटी डूंगरपुर एसडीएम कार्यालय में है। बुधवार को उमेश अपनी ड्यूटी पर थे, उनकी पत्नी एक निजी स्कूल में पढाने गई थीं, और बच्चे भी स्कूल गए हुए थे। दोपहर में कुछ देर के लिए घर आने के बाद उमेश वापस एसडीएम कार्यालय चले गए थे।इसी दौरान,सूने घर में चोर छत के रास्ते से दरवाजा खोलकर अंदर घुसे। चोरों ने अलमारी तोडकर उसमें रखे 2 लाख 20 हजार रुपए नकद और 2 तोला सोने के जेवर चुरा लिए। शाम को उमेश के घर लौटने पर उन्हें अलमारी खुली मिलीए जिससे चोरी का पता चला। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग जमा हो गए। कोतवाली थाने से एएसआई अशोक कुमार जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। पुलिस अब आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पडोसियों ने कुछ नकाबपोश युवकों को इलाके में घूमते देखा था, जिसके आधार पर पुलिस चोरों की तलाश कर रही है।

पाहेर विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का समापन

फोटो-1 पाहेर विवि में अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में प्रोफेसर, वैज्ञानिक तथा शोधार्थियों ने भाग लिया।

उदयपुर, (कासं)। पाहेर विवि, उदयपुर के स्नातकोत्तर अध्ययन एवं रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस सतत विकास में रसायन विज्ञान की भूमिका का समापन हुआ। सम्मेलन में देश-विदेश के वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों तथा शोधार्थियों ने भाग लिया और रसायन विज्ञान के विविध आयामों पर अपने

■ **अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंसः देश-विदेश के 300 से अधिक प्रोफेसर, वैज्ञानिक तथा शोधार्थियों ने भाग लिया**

अनुसंधान प्रस्तुत किए।

समापन सत्र में सोमैया विद्याविहार विवि, मुंबई के कुलपति प्रो. वी. एन. आर. पिल्लई उपस्थित रहे। पाहेर विवि के कुलपति प्रो. हेमंत कोठारी तथा विज्ञान एवं तकनीकी संकाय के अध्यक्ष प्रो. दिलेन्द्र हिरन ने भी सम्मेलन को संबोधित किया और सतत विकास में रसायन विज्ञान के योगदान पर अपने विचार साझा किए।

कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन मॉरिशस से आए प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रो. रामास्वामी ने एसडीजी प्राप्त करने में प्रायोगिक अनुसंधान को पूरक करने हेतु संगणनात्मक रसायन विज्ञान की भूमिका पर विशद प्रस्तुति दी। गोवा विवि की प्रो. प्रीतम बोरकर ने धातु डोपिंग स्वच्छ ऊर्जा एवं पर्यावरणीय अनुप्रयोगों के लिए बहु-कार्यात्मक नैनोमैटेरियल्स का एक मार्ग विषय पर अनुसंधान साझा किए। गुजरात की पाटन विवि की प्रो. संगीता शर्मा ने भारतीय ऋषियों की रासायनिक विज्ञान में स्वदेशी ज्ञान प्रणाली की भूमिका पर व्याख्यान दिया, जबकि चेन्नई से आए प्रो. एस. रविचंद्रन ने हरित रसायन शास्त्र के माध्यम से पर्यावरणीय सततता विषय पर प्रेरणादायक प्रस्तुति दी।

सार-समाचार

पंच गौरव की समीक्षा बैठक आयोजित

राजसमंद, (निसं)। जिला स्तरीय पंच गौरव समिति की द्वितीय त्रैमासिक समीक्षा बैठक का आयोजन गुरुवार को जिला कलक्टर श्री अरुण कुमार हसीजा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। बैठक में समिति के सदस्य सचिव एवं उप निदेशक, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग डॉ. पीयूष कुमार भंडारी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा राजसमंद जिले को पंच गौरव कार्यक्रम के तहत चयनित पाँच गौरवों जैसे-वनस्पति प्रजाति नीम, खेल हॉकी, उपज सीताफल, उत्पाद ठोनाइट एवं मार्बल, तथा पर्यटन स्थल कुंभलगढ़ हेतु बजट जारी किया गया है। इन पांचों गौरवों के प्रचार-प्रसार के लिए जिले को कुल 25 लाख रुपये (प्रति गौरव 5 लाख रुपए) की राशि स्वीकृत की गई है। बैठक में पंच गौरव कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन, बजट उपयोगिता एवं आगामी कार्ययोजना पर विभिन्न विभागाध्यक्षों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान जिला कलक्टर एवं समिति अध्यक्ष श्री अरुण कुमार हसीजा द्वारा दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।नीम के औषधीय गुणों एवं बहुपयोगी लाभों के बारे में आमजन को जागरूक करने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा जिले में अधिकाधिक नीम पौधों के वितरण एवं रोपण के लिए वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को निर्देशित किया गया। कुंभलगढ़ दुर्ग की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत की जानकारी पर्यटकों तक सहजता से पहुँचाने के लिए क्यूआर कोड आधारित निशुल्क मोबाइल ऑडियो गाइड प्रणाली विकसित करने तथा टिकट बुकिंग केंद्र के पास पर्यटक सहायता कियोस्क स्थापित करने के निर्देश पर्यटन विभाग एवं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को दिए गए।

आरोपी को आजीवन कारावास

कपासन, (निसं)। कपासन में अपर सेशन न्यायाधीश डॉ. महेंद्र सोलंकी ने सात साल पुराने हत्या के एक मामले में आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दोषी पर 50 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया है। यह मामला राशमी थाना क्षेत्र के गांव करजई से जुड़ा है। घटना 18 सितंबर 2018 की शाम की है, जब नानूराम पुत्र देवीलाल नायक, भेरूलाल पुत्र घीसा नायक और रतनलाल पुत्र ओंकार लाल ढोली एक साथ बैठे बातें कर रहे थे। बातों-बातों में रतनलाल ने भेरूलाल के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। जब भेरूलाल ने इसका विरोध करते हुए पूछा कि वह बेवजह गाली क्यों दे रहा है, तो रतनलाल उत्तेजित हो गया। इतना सुनते ही रतनलाल ने जान से मारने की नीयत से चाकू से भेरूलाल पर हमला कर दिया। उसने भेरूलाल के कंधे के पास सीने पर वार किया। नानूराम ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन रतनलाल ने दूसरा वार भी किया, जिसे भेरूलाल ने चाकू पकडकर रोका। इस हमले में भेरूलाल गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया। उसे तुरंत पंहुना अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे भीलवाड़ा रेफर कर दिया गया। भीलवाड़ा में इलाज के दौरान भेरूलाल ने दम तोड़ दिया।

विश्व डाक दिवस मनाया

बांसवाड़ा, (निसं)। अंकुर शिक्षण संस्थान में विश्व डाक दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को डाक विभाग के महत्व और उसकी कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने डाकघर का भ्रमण कर कार्यप्रणाली को नजदीक से समझा वहीं पत्र भेजने, पार्सल बुकिंग, मनीऑर्डर, स्पीड पोस्ट आदि प्रक्रियाओं को प्रत्यक्ष रूप से देखा और कर्मचारियों से जानकारी प्राप्त की। विद्यालय प्राचार्य ने बताया कि डाक विभाग देश के कोने-कोने को जोड़ने वाला एक सशक्त माध्यम है। विद्यार्थियों ने पोस्टर बनाकर, भाषण देकर और प्रश्नोत्तरी में भाग लेकर इस दिवस को सार्थक बनाया। डाकघर के अधिकारी मनमोहन मीणा व मनोज सिंह झाला ने बताया कि डाक विभाग हमारे संचार तंत्र की रीढ़ है। हमें पत्र लेखन की सुंदर परंपरा को जीवित रखना चाहिए और डाक सेवाओं का सम्मान करना चाहिए।

यात्रियों को धमकाने वाला गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। दोवड़ा थाना पुलिस ने डूंगरपुर से इंदौर जा रही एक ट्रैवल्स बस को रुकवाकर यात्रियों को धमकाने वाले ईको कार ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर बस यात्रियों को हथियारों से डराया और शराब पीने के लिए पैसे मांगे थे। पुलिस अब उसके अन्य साथियों की तलाश कर रही है। यह घटना मंगलवार देर शाम डूंगरपुर-आसपुर मार्ग पर पुनाली घाटा में हुई। अन्नपूर्णा ट्रैवल्स की बस डूंगरपुर से इंदौर जा रही थी, तभी ईको कार सवार बदमाशों ने फिल्मी अंदाज में बस को ओवरटेक कर रोक लिया। कार में सवार करीब सात से आठ युवक हाथों में लाठी और तलवार लेकर नीचे उतरे। बदमाशों ने बस में सवार यात्रियों को लाठी और हथियारों से डराया और शराब पीने के लिए पैसे मांगे। हालांकि, यात्रियों के शोर मचाने और हल्ला करने पर बदमाश अपनी ईको कार में सवार होकर मौके से फरार हो गए थे। दोवड़ा थाना एसआई ने बताया कि करण सिंह पुत्र दौलत सिंह डाबी ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। करण सिंह अन्नपूर्णा ट्रैवल्स के मैनेजर हैं। बस चालक देवकुमार मीणा ने बताया कि उनकी बस प्रतिदिन डूंगरपुर से इंदौर जाती है। पुलिस ने ईको कार के नंबर के आधार पर बदमाशों की तलाश शुरू की। जांच के बाद पुलिस ने कार चालक सोहनलाल उर्फ सोहन पुत्र शंकर परमार निवासी कांकरी को गिरफ्तार कर लिया। सोहन ने अपने साथियों के नाम भी बताए हैं, जिनकी तलाश में पुलिस टीमें जुटी हुई हैं।

मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित

बांसवाड़ा, (निसं)। राजकीय कन्या महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ, एवं गृह-विज्ञान विभाग की ओर से छात्राओं की रचानात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गयी। जिसमें साधना मीणा बीएससी तृतीय सेमेस्टर, कनिश्का सुथार बीए प्रथम सेमेस्टर, गायत्री बीएससी सेमेस्टर पांच ने क्रमषः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया।

रामकथा में राम नाम के तैरते पत्थरों के दर्शन कर भाव विभोर हुए श्रद्धालु

फोटो-4रामकथा में राम नाम के तैरते पत्थरों के दर्शन कर भाव विभौर हुए श्रद्धालु।

उदयपुर, (कासं)। हिरण मगरी सेक्टर 14 स्थित रुद्रेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण जेके ब्लॉक में संगीतमय रामकथा के सातवें दिन विविधि प्रंसगों का श्रवण करवाया।

कथा में पुष्करदास महाराज एवं रुद्रेश्वर महादेव विकास समिति के महेश त्रिवेदी,जमनालाल पालीवाल, नवीन राव, मनोज भट्ट, जगदीश व्यास, प्रवीण सिंह, पुष्पेंद्र शर्मा, मंजू कुंवर कृष्णा भाटी, गोविंद सिंह, राहुल सिंह सभी सदस्यों ओर भक्तों द्वारा राम सेतु में जिन तेरते पत्थरों को उपयोग में लिया था उसी में से दो पत्थर कथा प्रांगण में

■ **रामकथा के सातवें दिन विविधि प्रंसगों का श्रवण करवाया**

पानी में छोडे गए और पत्थर तैरने लगे । सभी भक्तों ने राम नाम की जयकार लगाई, रामकथा में सातवें दिन महाराज ने कहा जब सेतु बंध बनाया जा रहा था तब सभी वानर सेना पत्थरों को समुद्र में डाल रहे थे । भगवान राम ने सोचा मेरे नाम से पत्थर तेर रहे हे तो एक पत्थर में भी पानी में डालू, प्रभु ने पत्थर पानी में छोडा और वो तो डूब गया । पीछे हनुमान जी खडे थे भगवान राम ने हनुमान जी से पूछा मेरा नाम लिख कर पत्थर समुद्र में छोडे जा रहे हे और वो तेर रहे ओर मेने पत्थर पानी में छोडा तो वो डूब क्यूं गया हनुमान जी ने प्रभु के प्रश्न का जवाब देते हुए कहा भगवन आपके नाम से सभी तर जाते हैं और आप इस जीवन रूपी सागर से जिसको छोडते है वो तो इस भवसागर में डूबेगा ही डूबेगा।

आगे कहा भगवान राम के आदर्श को अपनाना है, भगवान राम बाल्य काल से ही माता, पिता, गुरु जनों को प्रणाम करते है आदर देते है। रामायण से यही सीख लेनी चाहिए हमें भी अपने बच्चों को संस्कार देने चाहिए। बच्चे माता, पिता को झुके, बहु सास, ससुर को प्रणाम करे, तभी घर घर में शांति प्राप्त होगी। हम जो भी सांस ले रहे, मुख से वाणी बोल रहे सब प्रभु की बदौलत है । सभी को समय मिला है समय का सदुपयोग करते हुए दान,पुण्य, तीर्थ, दर्शन, कर लेवे। समय चूक जाने के बाद कुछ भी करे उसका परिणाम नहीं आएगा। दीपक का अर्थ बताते हुए महाराज ने कहा जिस तरह मंदिर में दीपक की ज्योत जलती है उसी तरह हमारे घट में भी दीपक के प्रकाश की तरह उजाला होना चाहिए। परमात्मा की कृपा की बारिश तो सभी जगह बरस रही है जिसने अहंकार की छतरी ओढ रखी है वो इस बारिश में भीग नहीं सकता । विठ्ठल वैष्णव ने बताया कि गुरुवार को कथा में अतिथि भाजपा जिला उपायुक्त करणसिंह शक्तावत,पूर्व मंडल अध्यक्ष दीपक बोल्या, कन्हैया वैष्णव, पूर्व पार्षद चंद्रकला बोल्या, पूर्व महामंत्री हेमंत त्रिवेदी उपस्थित रहे।

'प्रतिभाओं को मंच देने की जरूरत'

बांसवाड़ा, (निसं)। जिला स्तरीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का समापन कस्तुरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय पीठ में सांसद राजकुमार रोत मुख्य आतिथ्य में हुआ। रोत ब्लॉक सीमलवाड़ा पहुंचकर कार्यकर्ताओं से मिले। इस दौरान उनका भव्य स्वागत किया। इसके उपरान्त सांसद रोत कस्तुरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय पीठ में आयोजित जिला स्तरीय खेल समापन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। विद्यालय प्रवेश द्वारा पर समस्त पीठ वासियों व विद्यालय स्टाफ ने भव्य स्वागत कर सांसद रोत का आभार जताया। विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। सांसद रोत ने कहा कि हमारे यहां प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है बस जरूरत है उन्हें उचित मंच देने की। साथ ही खेल और संस्कृति हमारे समाज की पहचान हैं और छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों में भी समान रूप से भाग लेना चाहिए। उन्होंने विजेता छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे भविष्य में जिले का नाम रोशन करें। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर समस्त शिक्षक, विद्यालय स्टाफ, बीसीसी प्रभारी कमलेश डिंडोर, जिला सदस्य जीवा भाई, मण्डल अध्यक्ष गणेश अहारी, पंचायत समिति सदस्य तेजल अहारी, हितेश पारगी, राजू दामा, शांतिलाल रोत, ईश्वरलाल रोत, हरीश कटारा, मण्डल अध्यक्ष वीरेंद्र नानोमा, मगन खराड़ी, शांतिलाल, उपसरपंच धुलेश्वर अहारी, पंकज भाई, अमृत

कपासन में हाईकोर्ट के आदेश पर अवैध निर्माण हटाया

कपासन में हाईकोर्ट के आदेश पर पुलिस जाप्ता व जेसीबी मशीन द्वारा अवैध निर्माण हटाया।

कपासन, (निसं)। कपासन में गुरुवार को राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेश पर एक अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया। यह कार्रवाई एक पारिवारिक संपत्ति विवाद से संबंधित थी, जिसमें कोर्ट के स्टे आदेश के बाद भी टीनशेड लगाकर रेस्टोरेंट वाले को किराये पर दे दिया था। साथ ही किराये पर दी गई दुकान को भी खाली करवाकर पूर्व की यथास्थिति में लाया गया।

यह मामला कपासन के पांच बत्ती चौक, रामद्वारा चौक क्षेत्र का है। लक्ष्मीनारायण व्यास की पैतृक संपत्ति पर पारिवारिक बंटवारे का विवाद लंबित है। राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर ने इस विवाद पर 10 फरवरी 2021 को स्थगन आदेश जारी किया था।हालांकि, स्टे आदेश के बावजूद श्यामा देवी और उनके परिजनों द्वारा उस संपत्ति पर अवैध निर्माण कार्य कराए जाने की शिकायत अदालत में पहुंची। उच्च न्यायालय ने इसे अपने आदेश की अवमानना माना और लक्ष्मीनारायण व्यास बनाम श्यामा देवी व अन्य अवमानना याचिका में निर्णय सुनाया।अदालत ने 23 सितंबर 2025 को आदेश जारी करते हुए याचिका कर्ता सहित चित्तौड़गढ़ जिला पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए थे। इन निर्देशों में याचिकाकर्ता के आवेदन पर स्थगन आदेश के बाद किए गए सभी अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने और कार्रवाई की रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत करने को कहा गया था। पुलिस बल की एक दिन की राशि 2,07,506 रुपए लक्ष्मीनारायण व्यास द्वारा पुलिस कार्यालय में जमा करवाई गई थी। आज गुरुवार को पुलिस जाप्ते ने इन आदेशों की पालना करते हुए कार्रवाई की। 2021 के स्टे आदेश के बाद हुए निर्माण को जेसीबी की सहायता से ध्वस्त कर दिया गया।

किसी ने मुझसे नहीं कहा कि टीम में तुम्हारे लिए कोई जगह नहीं है। सच्चाई ये है कि संन्यास का फैसला करने से पहले दो-तीन लोगों ने मुझे ऐसा करने से इनकार कर दिया था लेकिन मैंने अपना फैसला लिया। असल में वे चाहते थे कि मैं और खेलूं। - आर. अश्विन

पूर्व भारतीय गेंदबाज, अपने संन्यास को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ क्रिस्टियानो रोनाल्डो

दुनिया के बेहतरीन फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने इतिहास रच दिया है। वह दुनिया के ऐसे पहले फुटबॉलर बन गए हैं। जिन्होंने अरबपतियों की लिस्ट में जगह बनाई है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक उनकी मौजूदा संपत्ति 1.4 अरब डॉलर है। भारतीय रुपये में देखें तो ये धनराशि करीब 12,352 करोड़ रुपये के आस पास आती है। 40 वर्षीय रोनाल्डो ने 2002 से 2023 के बीच 550 मिलियन डॉलर से भी ज्यादा की कमाई की थी। ये धनराशि उन्हें मैनचेस्टर यूनाइटेड, रियल मैड्रिड और जुवेंटस जैसे बड़े यूरोपीय क्लबों के साथ खेलने और निवेश एंड एंडोर्समेंट से हासिल हुई थी।

क्या आप जानते हैं ?... वेस्टइंडीज़ दो बार लगातार (1975 और 1979) विश्व कप जीतने वाली पहली टीम थीं और वह लगातार तीन विश्व कप फाइनल (1975, 1979 और 1983) में खेली।

मैं भारत के लिए तीनों प्रारूपों में आईसीसी ट्रॉफियां जीतना चाहता हूं : शुभमन गिल

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि वह भारत के लिए तीनों प्रारूपों में आईसीसी ट्रॉफियां जीतना चाहते हैं। गिल ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पूर्वसंध्या पर गुरूवार को आज यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''लगातार तीनों प्रारुपों में खेलने से तो शारीरिक थकान तो एक बात है, लेकिन कई बार जब आप लगातार खेलते हो तो मानसिक थकान हो जाती है। मैं जब खेलता हूं तो स्वयं से मेरी कुछ अपेक्षाएं होती हैं और मेरा कुछ लक्ष्य होता है।

यह एक बहुत बड़ी चुनौती है जो कि मुझे पूरा करना होता है। मैं भारत के लिए तीनों प्रारूपों में खेलना चाहता हूं और सफल होना चाहता हूं। मैं आईसीसी ट्रॉफीज जीतना चाहता हूं। और अगर मुझे ऐसा करना है तो यह एक चुनौती है, जिसे मुझे पूरा करना है।'' टेस्ट टीम के कप्तान के रूप में इंग्लैंड में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले शुभमन गिल ने अब अंतरराष्ट्रीय टी-20 में ना सिर्फ वापसी की, बल्कि उन्हें उपकप्तानी भी मिली। इसके बाद वह घरेलू जमीन पर अपनी कप्तानी में पहला टेस्ट मैच जीत रहे थे तभी उन्हें एकदिवसीय टीम का भी कप्तान बना दिया गया।भारतीय टीम प्रबंधन अब भविष्य की ओर देख रहा है अब रोहित शर्मा टीम में बस एक खिलाड़ी के रूप में रह जाएंगे।

अगले साल भारत में होने वाले टी-20 विश्व कप के अलावा, वर्तमान में चल रहा 2027 का विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र और 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाला एकदिवसीय विश्व कप शामिल है। उन्होंने कहा, ''बेशक यह घोषणा अहमदाबाद टेस्ट के दौरान (के बाद) हुई, लेकिन मुझे एकदिवसीय कप्तानी मिलने के बारे में टेस्ट मैच से थोड़ा पहले ही पता चल गया था। यह एक बड़ी जिम्मेदारी और सम्मान है। मैं वनडे में भी अपने देश का कप्तानी करने के लिए उत्साहित हूं। पिछले कुछ महीने मेरे लिए बहुत बेहतरीन रहे हैं और मैं आगे की ओर देख रहा हूं। मैं वर्तमान में रहना चाहता हूं और ज्यादा पीछे नहीं देखना चाहता। मैं बस भविष्य की ओर देख रहा हूं और आने वाले महीनों में जो भी मैच आए, उन्हें जीतना चाहता हूं।'' गिल ने इस बात से इनकार कर दिया कि रोहित और विराट उनके 2027 की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि इन दोनों अनुभवी खिलाड़ियों ने टेस्ट और टी-20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया है, लेकिन एकदिवसीय क्रिकेट अभी भी खेल रहे हैं। गिल ने तो यह भी कहा कि वह रोहित की कप्तानी से बहुत कुछ अपनी कप्तानी में उतार भी रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''रोहित और कोहली के पास जिस तरह का अनुभव है, जिस तरह से उन्होंने भारत को मैच जिताए हैं, ऐसे बहुत ही कम खिलाड़ी होंगे। उनकी क्षमता, कौशल और अनुभव के खिलाड़ी दुनिया में भी बहुत कम है। ये सब देखते हुए हम निश्चित रूप से उनकी ओर देख रहे हैं। इसके अलावा रोहित (शर्मा) भाई जिस तरह से शांत रहते हैं और जिस तरह से वह खिलाड़ियों के साथ संबंध बनाते हैं, वह सब उनसे सीखने लायक है।''

भारतीय टीम का कैलेंडर आने वाले समय में बहुत व्यस्त है। टेस्ट सीरीज समाप्त होने के तुरंत बाद भारतीय टीम दिल्ली से ही पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) के लिए रवाना हो जाएगी, जहां उन्हें तीन एकदिवसीय और पांच अंतरराष्ट्रीय टी20 खेलने है। इसके बाद भारतीय टीम को तुरंत ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज खेलनी है। गिल की तीनों प्रारूपों में भूमिका का मतलब है कि उन्हें अब लगातार क्रिकेट खेलना है।

भारत की संभावित एकादश:- शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा और मो. सिराज।

वेस्टइंडीज की संभावित एकादश:- रोस्टन चेज (कप्तान), तेजनारायण चंद्रपॉल, जॉन कैंपबेल, एलिक अथानाज, ब्रैंडन किंग, शाई होप (विकेटकीपर), जस्टिन ग्रीव्स, जोमेल वारिकन, खारी पियरे, जोहान लेने और जेडेन सील्स।

38 वर्षों से दिल्ली में अपराजित है भारत

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। भारतीय टीम पिछले 38 वर्षों से दिल्ली में अपराजित है जहां उसका वेस्ट इंडीज के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच शुक्रवार से शुरू होगा। भारत ने दिल्ली में आखिरी बार 1987 में वेस्टइंडीज के खिलाफ (5 विकेट से) टेस्ट गंवाया था। तब से, उन्होंने इस मैदान पर 11 टेस्ट जीते हैं और दो ड्रॉ रहे हैं।

विमेंस वर्ल्डकप : दक्षिण अफ्रीका की भारत पर लगातार तीसरी जीत

काम न आई ऋचा घोष की पारी

विशाखापटट्नम, 9 अक्टूबर। भारतीय टीम को विमेंस वनडे वर्ल्ड कप 2025 में पहली हार झेलनी पड़ी है। उसे साउथ अफ्रीका ने 3 विकेट से हराया। गुरुवार को विशाखापट्टनम में साउथ अफ्रीका ने 252 रन का टारगेट 48.5 ओवर में 7 विकेट खोकर चेज कर लिया। नदिन डी क्लर्क 84 रन बनाकर नाबाद लौटीं। उन्होंने क्लो ट्रायोन के साथ 60 बॉल पर 69 रन की साझेदारी की।

साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम 49.5 ओवर में 251 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। एक समय भारत के 6 विकेट 102 रन पर गिर गए थे। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने 77 गेंदों पर 94 रन की पारी खेलकर टीम को संभाला। ऋचा जब बल्लेबाजी करने उतरीं तब भारत अपने छह विकेट 102 रन पर गंवाकर संघर्ष कर रहा था। लेकिन ऋचा ने 77 गेंदों की अपनी पारी में 11 चौके और चार छक्के लगाकर भारत को लडने लायक स्कोर तक पहुंचा दिया। ऋचा ने अमनजोत कौर के साथ सातवें विकेट के लिए 51 रन और स्नेह राणा के साथ आठवें विकेट के लिए 88 रन जोड़े।

अमनजोत ने 13 और स्नेह राणा ने 24 गेंदों में छह चौकों की मदद से 33 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। भारत के स्कोर में 24 वाइड सहित 25 अतिरिक्त रनों का भी अहम योगदान रहा। एक समय लग रहा था कि भारत 200 के आसपास भी नहीं पहुंच पाएगा क्योंकि ट्राइऑन और म्लाबा के दोहरे झटकों की बदौलत भारत 102 के स्कोर पर अपने छह विकेट गंवा चुका था। लेकिन यहां से ऋचा घोष और अमनजोत ने भारत की पारी को संभाला और फिर स्नेह राणा और घोष के बीच 88 रनों की साझेदारी हुई। घोष ने 94 रनों की यादगार पारी खेली जो आने वाले लंबे समय तक याद रखी जाएगी।

अंडर-16 ट्रॉफी : जयपुर 8 विकेट से जीती

जयपुर, 9 अक्टूबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआईकी आगामी राष्ट्रिय अंदर 16 ट्रॉफी के संभावितों के चयन हेतु आरसीए द्वारा आयोजित की जा रही राज्य स्तरीय अंडर 16 ट्रॉफी के आज जयपुर में खेले गए मैचों का परिणाम :- सवाई माधोपुर - श्रीगंगानगर मैच श्रीगंगानगर 7 विकेट से जीती, झुंझनू - हनुमागढ़ मैच - मैदान गीला होने कारण स्थगित, भरतपुर - झालावाड़- भरतपुर 153 रन से जीती, बांसवाड़ा - बाड़मेर- बाड़मेर 7 विकेट से जीती, सीकर - प्रतापगढ़ -सीकर 349 रन से जीती, करौली - जयपुर जयपुर 8 विकेट से जीती, जैसलमेर - दौसा जैसलमेर 153 रन से जीती, पाली - नागौर- पाली 13 रन से जीती, डूंगरपुर - बारां- डूंगरपुर 114 रन से जीती, उदयपुर - अलवर - उदयपुर 40 रन से जीती, बीकानेर - चित्तोड़ - बीकानेर 152 रन से जीती, अजमेर - जोधपुर - अजमेर 81 रन से जीती, भीलवाड़ा - धौलपुर - भीलवाड़ा 41 रन से जीती, सिरोही - बूंदी - सिरोही 88 रन से जीती, चूरू - कोटा - चूरू 60 रन से जीती, जालोर - राजसमंद - राजसमंद 6 विकेट से जीती।

ब्लैक डायमंड व गुलमोहर क्लब जीती

जयपुर, 9 अक्टूबर। नरेन्दर मेमोरियल फाउन्डेशन के तत्वावधान में एस.एम.एस. स्टेडियम के एस्ट्रोटर्क पर खेली जा रहीं गुर इकबाल सिंह, भुल्लर स्मृति सिक्स-- ए- साइड पुरुष हाकी प्रतियोगिता'' एवं '' नरेन्दर कौर भुल्लर स्मृति

सिक्स-ए-साइड महिला हॉकी प्रतियोगिता में आज तीन मैच खेले गये। पुरुष वर्ग में आज का पहला चुकाबला भगतसिंह क्लब एवं राजपुताना क्लन के मध्य खेला गया, जो बेहद रोचक रहा तथा 3-3 गोल से बराबरी पर छुटा। मध्यांतर तक भगतसिंह क्लब 2-0 से आगे थी तथा उत्तरार्द्ध में भी तीसरा गोल भगतसिंह क्लब ने कर 3-0 स्कोर कर दिया। किन्तु रजपुताना क्लब ने पलटवार करते हुये तीन गोल कर स्कोर कर 3-3 से बराबर कर लिया। भगतसिंह क्लब के लिये लकी, देवासुरावत एवं रुद्रप्रताप ने गोल किये, जबकि राजपुताना के लिये रजत और बबलू ने एक गोल किया। पुरुष वर्ग का आज का दूसरा मुकाबला ''ब्लैक डायमंड व वारियर्स क्लन'' के मध्य खेला गया। जिसमें ''ब्लैक डायमंड 4-0 से विजेता रही। विजेता टीम ब्लैक डायमंड के लिये रविन्द्र ने 2 गोल जबकि प्रक्षण और सनप्रीत ने एक-एक गोल किये। महिला वर्ग की प्रतियोगिता में ''गुलमोहर क्लब'' ने ''सनसिटी क्लन'' को 2-1 से पराजित किया। गुलमोहर के लिये दोनों गोल रिया ने किये जबकि पराजित टीम के लिये एकमात्र गोल पूनम कंवर ने किया। आज की विशिष्ट अतिथि पूर्व राष्ट्रीय हॉकी महिला खिलाड़ियों यथा प्रीति सप्रे, मोना कालिया और भारती चौहान थी, जिन्होंने उपरोक्त मुकाबलों में क्रमश: खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उन्हें प्रोत्साहित किया।

खेलो क्रिएटर्स लीग की धमाकेदार शुरुआत : सितारों, संगीत और खेल के रंग में रंगा जयपुर

जयपुर, 9 अक्टूबर। जयपुर में खेलो क्रिएटर्स लीग (केसीएल) एक ऐसी लीग का आज आगाज़ हुआ जिसमें कंटेंट क्रिएटर्स सिर्फ कैमरे के सामने नहीं, बल्कि मैदान में अपनी टीम को रिप्रेजेंट कर रहे है। डिजिटल दुनिया के स्टार क्रिएटर्स और इन्फ्लुएंसर्स मैदान पर नज़र आये, तो माहौल तालियों और जोश से गूंज उठा। यह लीग 9 से 11 अक्टूबर तक जयपुर के सीतापुरा स्थित ज़ी स्टूडियोज़ में खेली जा रही है। इस अनोखी पहल का मकसद है - डिजिटल दुनिया की रचनात्मकता को खेल की ऊर्जा से जोड़ना। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रिंसिपल सेक्रेटरी, यूथ अफेयर्स और स्पोर्ट्स डेवलपमेंट, नीरज के. पवन ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उन्होंने कहा, यह शानदार पहल है, जो दिखाती है कि आज के डिजिटल क्रिएटर्स कितने ऊर्जावान और बहुमुखी हैं। यह सिर्फ खेल नहीं, एक नई सोच है। उद्घाटन समारोह किसी फिल्मी सीन से कम नहीं था। लाल परी फेम सिंगर सिमर कौर ने जब मंच संभाला, तो हर कोई झूम उठा। उनका लाइव कॉन्सर्ट पूरे माहौल में जोश और मस्ती भर गया, जिसने लीग की शुरुआत को और भी धमाकेदार बना दिया।

स्टार क्रिकेटर रिंकू सिंह पर अंडरवर्ल्ड की बुरी नजर

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। मध्यक्रम के बल्लेबाज और एक बेहतरीन आउटफील्डर, रिंकू सिंह ने उस समय सभी को चौंका दिया जब उन्होंने आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स को पांच गेंदों में 28 रनों की जरूरत के समय यश दयाल की गेंद पर लगातार पांच छक्के लगाए। तब से वह काफी ज्यादा मशहूर हो गये। इस बार मामला रिंकू सिंह की बल्लेबाजी का नहीं बल्कि कुछ और है। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह को अंडरवर्ल्ड गैंग डी-कंपनी से 5 करोड़ की फिरौती की धमकी मिली है। यह चिंताजनक घटना भारत में हाई-प्रोफाइल सार्वजनिक हस्तियों के सामने बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों को उजागर करती है।

रिंकू सिंह को कथित तौर पर अंडरवर्ल्ड से धमकी मिली

मुंबई क्राइम ब्रांच के मुताबिक, जांच में पता चला कि कुख्यात दाऊद इब्राहिम गिरोह, जिसे डी-कंपनी के नाम से जाना जाता है, ने फरवरी और अप्रैल 2025 के बीच रिंकू सिंह की प्रचार टीम को तीन फिरौती की मांगें भेजीं, जिसमें 5 करोड़ की मांग की गई। पुलिस ने मामले से जुड़े दो संदिग्धों मोहम्मद दिलशाद और मोहम्मद नवीद को गिरफ्तार किया है, जिन्हें वेस्ट इंडीज में पकड़ा गया था और 1 अगस्त को भारतीय अधिकारियों को सौंप दिया गया था।

स्मृति मंधाना एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बनी

विशाखापटट्नम, 9 अक्टूबर। भारतीय महिला टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे वर्ल्ड कप मुकाबले के दौरान एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। दरअसल, मंधाना एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की पूर्व क्रिकेटर बेलिंडा क्लार्क का 28 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया है। गुरुवार को अफ्रीका के खिलाफ मंधाना का बल्ला नहीं चला। वह 32 गेंद में 23 रन ही बना पाई। स्मृति मंधाना अफ्रीका के खिलाफ अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदल नहीं सकी। उन्होंने 32 गेंद में एक चौके और इतने ही छक्के की मदद से 23 रन बनाए।

एमसीए चुनाव 12 नवंबर को

मुंबई, 9 अक्टूबर। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने घोषणा की है कि पदाधिकारियों, शीर्ष परिषद के सदस्यों और टी20 मुंबई लीग गवर्निंग काउंसिल के सदस्यों के चुनाव 12 नवंबर को होंगे। शीर्ष परिषद ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य सचिव और पूर्व राज्य चुनाव आयुक्त जेएस सहारिया को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है।

टीम से बाहर होने पर मो. शमी ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। उन्होंने आखिरी बार 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के लिए खेला था। इसके बाद से वह टीम से बाहर चल रहे हैं। हालांकि, शमी ने आईपीएल में हिस्सा लिया और घरेलू क्रिकेट में बंगाल के लिए लगातार खेलते रहे हैं फिर भी बीसीसीआई चयनकर्ताओं ने उन्हें पहले वेस्टइंडीज और फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए नजरअंदाज किया है।ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए घोषित वनडे और टी20 टीम में भी शमी को शामिल नहीं किया गया है। ये दौरा 19 अक्तूबर से शुरू हो रहा है। इस मामले में शमी ने पहली बार कुछ कहा है। उन्होंने कहा कि, मैं पूरी तरह फिट हूं और लगातार खेल भी रहा हूं फिर भी मुझे नहीं चुना गया। इसका कारण मुझे अब तक नहीं बताया गया है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चयन नहीं होने पर शमी ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि, बहुत सारी अफवाहें और मीम्स चल रही हैं। लोग जानना चाहते हैं कि मैं ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए चयन को लेकर क्या सोचता हूं। मैं बस इतना ही कहूंगा कि चयन मेरे हाथ में नहीं है। ये चयन समिति, कोच और कप्तान का काम है। शमी ने आगे कहा कि, मेरी फिटनेस भी अच्छी है। मैं हमेशा बेहतर करने की कोशिश करता हूं क्योंकि जब आप मैदान से दूर रहते हैं तो खुद को मोटिवेटेड रखना बहुत जरूरी होता है। मैंने दलीप ट्रॉफी में भी हिस्सा लिया था, जहां मैंने लगभग 35 ओवर डाले और मेरी रफ्तार और लय दोनों ही अच्छी थीं। मुझे अपनी फिटनेस को लेकर कोई दिक्कत नहीं है।

महिला वाटर पोलो क्वार्टर फाइनल में चीन से भारतीय टीम हारी

अहमदाबाद, 9 अक्टूबर। 11वीं एशियाई एक्वेटिक्स चैंपियनशिप के छठे दिन गुरुवार को वाटर पोलो स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में भारतीय महिला टीम को चीन ने 6-34 से हार का सामना करना पड़ा। आज यहां वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में मुकाबले में चीन ने शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और पहले क्वार्टर में ही बढ़त बना ली और महिला क्वार्टर फ़ाइनल में भारत पर 34-6 से शानदार जीत हासिल की। ली पेयांग, ली लिनयुन और ली जियान्यु ने सात-सात गोल दागे और पूरे मैच में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। हान वेन ने छह गोल किए, जबकि वांग शिन ने तीन गोल किए।

पद्मनाभ सिंह और लियोरेंट चमके

जयपुर, 9 अक्टूबर। रामबाग पोलो ग्राउंड पर जयपुर पोलो ओर ट्रोजंस पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें जयपुर पोलो टीम ने ट्रोजंस पोलो टीम को 4 के मुकाबले 10 गोलों से हराया। ट्रोजंस पोलो टीम की ओर से हुर्र अली ने 2 गोल ओर कुलदीप सिंह ने 2 गोल किये। जयपुर पोलो टीम की ओर सेवंदित गोलछा ने 3, लांस वाटसन ने 2 गोल, महाराज पद्मनाभ सिंहने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए 5 गोल कर अपनी टीम को जीत दिलाई। रामबाग पोलो ग्राउंड पर दूसरा मैच डायनामिक्स अचीवर्सओर सुहाना ऑल स्टार पोलो टीम के बीच खेला गया जिसमें ऑल स्टार पोलो टीम ने डायनामिक अचीवर्स को 6 के मुकाबले 8 गोल से हराया। सुहाना ऑल स्टार पोलो टीम की ओर से ध्रुवपाल गोदारा ने 3 गोल ओरलियोरेट ने अपनी टीम के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 गोल किये। डायनामिक अचीवर्स की ओर से डेनियल ओटमेडी ने 3 गोल किए जबकि शमशीर अली ने अपनी टीम के लिए 3 गोल किए।

Government of India

Ministry of Environment, Forest and Climate Change

Regional Office, Gandhinagar, 3rd Block, 5th Floor, F2, Sector-10a, Karmyogi Bhawan, Gandhinagar (Gujarat)- 382010 Email: lro.gandhingr-mefcc@gov.in, Tel No. +9179-29613951

Online Proposal No.: FP/RJ/ROAD/445138/2023 Dated: 03/06/2025

To,

Principal Secretary (Forest and Environment),
Department of Forest and Wildlife
Government of Rajasthan,
Vaniki Path, Near Secretariat Jaipur-302005 (Rajasthan)

Subject: Proposal for diversion of 5.32 ha of Reserved Forest land for the construction of approach road to Pachpahar in the State of Rajasthan in favour of the Executive Engineer, Public Works Department Rajasthan (Proposal No. FP/RJ/ROAD/445138/2023).

Sir/Madam,

I am directed to refer to the online proposal no. FP/RJ/ROAD/445138/2023 dated 20/09/2023 on the above-mentioned subject seeking prior approval of the Central Government in accordance with section '2' of the Van (Sanrakshan Evam Samvardhan) Adhiniyam, 1980 and to say that the proposal has been examined by Regional Empowered Committee in its 25th Meeting held on 30.05.2025.

After careful consideration and approval of the proposal by the 25th REC, I am directed to convey the "In-Principle/ Stage-I" approval of the Central Government under section '2' of the Van (Sanrakshan Evam Samvardhan) Adhiniyam. 1980 for the proposal for non-forestry use of 5.32 ha of Reserved Forest land for the construction of approach road to Pachpahar in the State of Rajasthan in favour of the Executive Engineer, Public Works Department Rajasthan subject to the fulfillment of the following general, standard and specific conditions:

1. General Conditions

S.No	Conditions
1.1	Legal status of the diverted forest land shall remain unchanged
1.2	The non-forest land identified for raising compensatory afforestation shall be transferred and mutated in favour of the State Forest Department before issue of the Stage-II clearance
1.3	The non-forest land transferred and mutated in favour of the State Forest Department shall be notified by the State Government as RF under Section-4 or PF under Section-29 of the Indian Forest Act, 1927 or under the relevant Section(s) of the local Forest Act, 1927 latest within a period of six months from the date of issue of Stage--II approval. The Nodal Officer shall report compliance in this regard along with a copy of the original notification declaring the non-forest land under Section 4 or Section 29 of the Indian Forest Act, 1927, as the case may be, within the stipulated period to the Central Government for information and record
1.4	The land identified for the purpose of CA shall be clearly depicted on a Survey of India toposheet of 1:50,000 scale
1.5	The User Agency shall transfer the cost of raising and maintaining the compensatory afforestation, at the current wage rate, to the State Forest Department. The scheme may include appropriate provision for anticipated cost increase for works scheduled for subsequent years
1.6	The State Government shall charge the Net Present Value (NPV) of the forest land being diverted under this proposal from the User Agency as per the orders of the Hon'ble Supreme Court of India dated 28.03.2008, 24.04.2008 and 09.05.2008 in Writ Petition (Civil) No. 202/1995 and the guidelines issued by this Ministry vide its letter No. 5-3/2007-FC dated 05.02.2009 in this regard
1.7	At the time of payment of the Net Present Value (NPV) at the then prevailing rate, the User Agency shall furnish an undertaking to pay the additional amount of NPV, if so determined, as per the final decision of the Hon'ble Supreme Court of India
1.8	All the funds received from the user agency under the project, except the funds realized for regeneration/ demarcation of safety zone, shall be transferred to Ad-hoc CAMPA in the Savings Bank Account pertaining to the State concerned
1.9	The User Agency shall obtain the Environment Clearance as per the provisions of the Environmental (Protection) Act, 1986, if required
1.10	The boundary of the diverted forest land, shall be demarcated on ground at the project cost, by erecting four feet high reinforced cement concrete pillars, each inscribed with its serial number, forward and back bearing and distance from pillar to pillar
1.11	The User agency, if required, will undertake comprehensive soil conservation measures in the area being diverted at the project cost in consultation with the State Forest Department. A scheme of the same may be submitted along with the compliance report
1.12	No labour camp shall be established on the forest land
1.13	The User Agency shall provide fuels preferably alternate fuels to the labourers and the staff working at the site so as to avoid any damage and pressure on the nearby forest areas
1.14	The forest land shall not be used for any purpose other than that specified in the proposal
1.15	The layout plan of the proposal shall not be changed without the prior approval of the Central Government
1.16	The forest land proposed to be diverted shall under no circumstances be transferred to any other agency, department or person without prior approval of the Central Government
1.17	No damage to the flora and fauna of the adjoining area shall be caused
1.18	The State Government shall complete settlement of rights, in terms of the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006, if any, on the forest land to be diverted in accordance with the relevant guidelines issued by the MoEF
1.19	The State Government shall monitor compliance of conditions of Forest Clearance and shall submit in this regard yearly report as on 31st December of every year
1.20	The User Agency shall submit six monthly self-compliance reports as on 1st January and 1st July of every year to this office as well as to the Nodal Officer of the State
1.21	Any other condition that the concerned Regional Office of this Ministry may stipulate, from time to time, in the interest of conservation, protection and development of forests & wildlife
1.22	The User Agency and the State Government shall ensure compliance to provisions of the all Acts, Rules, Regulations and Guidelines, for the time being in force, as applicable to the project
1.23	Grant of working permission to the extant proposal may be considered by the State Government in accordance with the provisions as contained in the MoEF&CC's Guidelines dated 28.08.2015
1.24	No tree felling shall be involved in the implementation of this project..
1.25	Compensatory afforestation shall be taken up by the Forest Department over 10.64 ha Degraded forest land, Survey No. 218, 219, 226, 227, 229, 230, 235, Village- Kota Municipal Area, Tehsil-Ladpura, Range- Ladpura, District- Kota of Rajasthan at the cost of the user agency. As far as possible, a mixture of local indigenous species shall be planted and mono-culture of any species may be avoided.
1.26	Compensatory afforestation shall be taken up by the Forest Department over 5.32 ha non- forest land, Survey No. 138. Village- Kudet, Tehsil- Sangod, Range- Kanwas, District- Kota of Rajasthan at the cost of the user agency. As far as possible, a mixture of local indigenous species shall be planted and mono-culture of any species may be avoided.

2. Standard conditions

S.No	Conditions
2.1	The user agency shall arrange to raise strip plantation on either side of the road and central verge at project cost, as per IRC specification, with maintenance of 7-10 years. The user agency shall also submit design of providing at least 2-3 rows of long rotation indigenous trees, as per provision of IRC-SP-21-2009 (Guidelines on landscaping & tree plantation), on either side of the road before final clearance.
2.2	The reclamation of quarry should be done under the supervision of the State Forest Department. The quarry shall be reclaimed and afforested completely before the project is closed.
2.3	Overburden shall not be dumped outside the width of the road. The muck generated in the earth cuttings will be disposed of at the designated dumping sites and in no case the muck/debris will be allowed to roll down the hill slopes.
2.4	The user agency will provide retaining walls, breast walls and drainage as per requirement to make the slope stable.
2.5	The User agency will undertake comprehensive soil conservation measures at the project cost in consultation with the State Forest Department. A scheme of the same shall be submitted to the Regional Office along with the Stage-1 compliance report;
2.6	The designing of culverts/bridges, if any, over the natural streams/rivers/canals should be done in such a manner that it does not hamper the natural course of water, does not give rise to water-logging, and also does not hamper movement of wild animals

3. Specific Conditions

S.No	Conditions
3.1	The User Agency shall construct 6 feet high wall along the boundaries of the Non-forest land and Degraded-forest land proposed for CA.
3.2	User Agency shall provide at its cost the required number of Solar Pumps as given by the Forest Department for irrigating the CA plantation.
3.3	The User Agency shall construct underpasses of 5-meter height and 5 meters wide at every 500 meters along the length of the road in forest land for safe passage of the animals or required numbers as per local conditions, to be approved by the CWLW
3.4	The User Agency shall also plant 1000 trees of Ficus species/Indigenous species on both sides of the road at its cost.

After receipt of compliance report on fulfillment of all the above conditions from the State Government, proposal will be considered for final approval under section '2' of the Van (Sanrakshan Evam Samvardhan) Adhiniyam, 1980. The User Agency shall take up the work as per the guidelines in force and after ensuring that all necessary clearances for the entire stretch are in place. Working permission, if any issued, shall be intimated to RO, Gandhinagar. Transfer of forest land shall not be affected till final approval is granted by the Central Government in this regard. Further, it may also be noted that this In-principle/Stage-I approval shall be valid for a period of 2 years from the date of issue of this letter. In the event of non-compliance of the above conditions, this In-principle approval shall be revoked after two (02) years.

Your's faithfully
(Shrawan Kumar Verma)
Regional Officer/Head of Department
Regional Office, Gandhinagar
MoEF&CC, Govt of India

DIPR/C/14655/2025

अमित शाह 13 को जयपुर में कलैक्टर -एसपी कॉन्फ्रेंस में भी भाग लेंगे

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय गृह मंत्री के दौरे की तैयारियों की समीक्षा की

जयपुर, 9 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के प्रस्तावित जयपुर दौरे (13 अक्टूबर) की तैयारियों को लेकर गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम के लागू होने के बाद, आपराधिक न्याय प्रणाली में सकारात्मक बदलाव आया है। इन तीन नवीन कानूनों के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में, जेईसीसी, सीतापुरा में आयोजित होने वाली छह दिवसीय राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन 13 अक्टूबर को केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह करेंगे।

शर्मा ने कहा कि इस अवसर पर केन्द्रीय गृहमंत्री "राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024" के तहत प्राप्त निवेश प्रस्तावों की ग्राउण्ड ब्रेकिंग के साथ ही, विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही, प्रदेश के विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म एवं दुग्ध उत्पादकों को दूध सब्सिडी राशि का हस्तान्तरण तथा 150 यूनिट मुफ्त बिजली योजना के तहत रजिस्ट्रेशन का शुभारम्भ किया जाएगा। एफ.एस.एल. हेतु वाहनों एवं महिला सुरक्षा सम्बन्धी पेट्रोलिंग की स्कूटियों एवं मोटरसाइकिलों का फ्लैगऑफ भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के प्रस्तावित जयपुर दौरे की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक ली।

- **गृह मंत्री अमित शाह जयपुर प्रवास के दौरान तीन नये कानून के एक वर्ष पूर्ण होने पर सीतापुर में आयोजित 6 दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे तथा राइज़िंग राजस्थान के निवेश प्रस्तावों की ग्राउण्ड ब्रेकिंग, दूध सब्सिडी की राशि का हस्तांतरण भी करेंगे।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 13 अक्टूबर से जयपुर में जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक कॉन्फ्रेन्स का आयोजन करने जा रही है। इस दौरान कानून व्यवस्था, भूप्रबंधन, सुशासन, सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र से संबंधित विभिन्न बिन्दुओं की समीक्षा की जाएगी। इस कॉन्फ्रेन्स के उद्घाटन सत्र में केन्द्रीय गृहमंत्री भी शामिल होंगे।

इस दौरान, मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बिहार की एसआईआर प्रक्रिया पूर्ण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सूची को एक समेकित रूप में जारी करने के बजाय, 90,000 अलग-अलग इमेज फाइलों में जारी किया है। कांग्रेस का सवाल है - चुनाव आयोग मतदाता सूची को विश्लेषण के लिए सुगम बनाने में क्यों हिचक रहा है? आखिर उसे डर किस बात का है?

कांग्रेस पार्टी ने बिहार मतदाता सूची के प्रारंभिक विश्लेषण के बाद ईसीआई से नीचे दिए गए सवाल पूछे हैं -

1. लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान बिहार में 7.72 करोड़ पंजीकृत मतदाता थे। अब विधानसभा चुनावों के लिए यह संख्या घटकर 7.42 करोड़ रह गई है, यानी लगभग 30 लाख मतदाता सूची से गायब हैं।

ये 30 लाख लोग कौन हैं?

इनमें से कितने लोगों ने 2024 के लोकसभा चुनाव में मतदान किया था?

2. ईसीआई का दावा है कि 21.53 लाख नए मतदाता जोड़े गए, लेकिन फॉर्म 6 केवल 16.93 लाख के लिए उपलब्ध है।

बाकी 4.6 लाख फॉर्म कहाँ हैं?

क्या इन मतदाताओं को बिना उचित प्रक्रिया के जोड़ा गया?

3. एसआईआर प्रक्रिया के तहत कुल 67.3 लाख मतदाताओं को हटाया गया, जिनमें से एक-दसवां हिस्सा सिर्फ 15 विधानसभा क्षेत्रों में ही है। चुनाव आयोग ने अब तक सभी हटाए गए मतदाताओं की अंतिम सूची (बूथ व कैटगरी अनुसार) क्यों सार्वजनिक नहीं की?

4. कांग्रेस के विश्लेषण के अनुसार, अंतिम प्रकाशित सूची में अब भी 5 लाख से अधिक डुप्लिकेट मतदाता (जिनका नाम, रिश्तेदार का नाम, उम्र, लिंग और पता समान है) मौजूद हैं।

जब इतने डुप्लिकेट अब भी हैं, तो एसआईआर का उद्देश्य क्या था?

अब आयोग इन्हें सत्यापित और साफ कैसे करेगा?

कांग्रेस ने यह भी कहा कि सीईसी ने यह अनुमति दी है कि नामांकन की अंतिम तिथि से 10 दिन पहले तक ही नए नाम शामिल किए जा सकते हैं। इसके बाद मतदाता सूची को फ्रीज़ किया जाना चाहिए, और किसी भी पूरक सूची से मूल मतदाता आधार में बदलाव नहीं होना चाहिए।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार मतदाता सूची में अनियमितताओं और इसके जरिए चुनावी परिणामों में कथित हेरफेर की ओर इशारा करते रहे हैं। पार्टी ने मतदाता सूचियों को पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के सभी प्रयासों का स्वागत किया है।

कांग्रेस का कहना है कि ऊपर दिए गए सवालों के स्पष्ट उत्तर देना चुनाव आयोग के लिए जनता का भरोसा जीतने और मतदाता सूची की साख व पारदर्शिता साबित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

'हर परिवार को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नौकरी पाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस व्यवस्था को लागू करने के लिए सरकार बनने के 20 दिनों के अन्दर विधेयक (कानून) लाया जाएगा। उन्होंने कहा, "बिहार में ऐसा कोई घर नहीं रहेगा जिसमें नौकरी न हो।"

तेजस्वी ने कहा, "हम आज एक ऐतिहासिक घोषणा करने जा रहे हैं। बहुत से लोग जानना चाहते थे कि हम बिहार को कैसे आगे ले जाना चाहते हैं। बीते 20 वर्षों में इस जर्जर सरकार ने कभी यह महसूस ही नहीं किया कि बेरोजगारी ही सबसे बड़ा मुद्दा है।" उन्होंने कहा कि एनडीए के घटक दल -जेडीयू और भाजपा नौकरियों का वादा नहीं कर रहे हैं, बल्कि केवल बेरोजगारी भत्ता देने की बात कर रहे हैं। तेजस्वी ने कहा, बिहार का कोई भी परिवार जिसके पास सरकारी नौकरी नहीं है, उसे एक नई विधायी व्यवस्था के तहत नौकरी दी जाएगी। सरकार बनने के 20 दिनों के अंदर यह कानून लाया जाएगा, और 20 महीनों के भीतर हम सुनिश्चित करेंगे कि बिहार में कोई ऐसा घर न बचे जिसमें सरकारी नौकरी न हो।

एसएमएस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एसएमएस अस्पताल के एचओडी डॉ. मनीष अग्रवाल के खिलाफ परिवादी ने एसीबी को शिकायत दी कि वह न्यूरो सर्जरी विभाग में काम आने वाले ब्रेन कॉइल सप्लाई करता है। लेकिन डॉ. मनीष अग्रवाल इनके बिलों पर काउंटर सिग्नेचर करने के एवज में रिश्वत की मांग कर रहे हैं। शिकायत के बाद एसीबी की टीम ने मामले का सत्यापन करवाया, जिसमें शिकायत सच पाई गई। फिर एचओडी डॉ. मनीष अग्रवाल को ट्रैप करने के लिए जाल बिछाया और गुरुवार की देर शाम डॉ मनीष अग्रवाल को एक लाख रुपये रिश्वत लेते ट्रैप किया गया।

'अपने सामान के साथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है कि जैसे-जैसे शटडाउन लंबा खिंचता है तो समयपालन (पंक्चुअलिटी) प्रभावित हो सकती है। ओएजी एविएशन के वरिष्ठ विश्लेषक जॉन ग्रांट कहते हैं, "हवाई यातायात सटीकता और मनोबल पर चलता है। अनिश्चितता और बिना वेतन पर दक्षता बनाए नहीं रखी जा सकती।"

क्रूज़ यात्रा पर अभी तक इसका असर अपेक्षाकृत कम है। तटरक्षक बल (कोस्ट गार्ड) और सीमा शुल्क एजेंट जैसे जरूरी संघीय कर्मचारी काम कर रहे हैं, हालांकि उन्हें भी वेतन नहीं मिल रहा। लेकिन अगर यह गतिरोध लंबा चला, तो बंदरगाहों और सीमा शुल्क संचालन पर भी असर पड़ सकता है।

जमीन पर स्थिति और भी खराब है। अमेरिका के नैशनल पार्क, जो आमतौर पर पतझड़ के मौसम में पर्यटकों से भरे रहते हैं, अब प्रशासनिक जड़ता में फंसे हुए हैं। योसेमाइट, यैलो स्टोन, और स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी जैसे स्थान खुले तो हैं, लेकिन वहां के विज़िटर सैंटर, शौचालय और स्मारक जैसे सुविधायें बंद हैं। नेशनल पार्क सर्विस (एनपीएस) ने लगभग 64 प्रतिशत कर्मचारियों - यानी करीब 9,300 लोगों - को अवैतनिक अवकाश पर भेज दिया है, जिससे कई पार्क बिना निगरानी के रह गए हैं।

नेशनल पार्क्स कंज़र्वेशन एसोसिएशन (एनपीसीए) ने चेताया है कि स्थिति खतरनाक हो रही है। एनपीसीए की अध्यक्ष थेरेसा पिएर्नो कहती हैं, "ग्रेट फॉल्स में आगंतुकों ने अवैध रूप से गाड़ियाँ पार्क कीं और अंदर जाने के लिए बैरिकेड्स लांघे। गेटवे में भीड़ समुद्र तटों पर उमड़ पड़ी जबकि वहां कोई स्टाफ मौजूद नहीं था - यह गंभीर सुरक्षा जोखिम है।" उन्होंने कहा कि पार्कों पर दबाव बढ़ रहा है और इस शटडाउन को उन्होंने "नैशनल पार्क्स के सिस्टम्स के लिए अब तक के सबसे बड़े खतरों में से एक" बताया।

शहरी यात्रियों को भी राहत नहीं है। वॉशिंगटन डी.सी. में पर्यटकों को नेशनल आर्काइव्स, वॉशिंगटन मॉन्यूमेंट और लाइब्रेरी ऑफ कॉन्ग्रेस जैसी जगहों से वापस भेजा जा रहा है, जो अनिश्चितकाल के लिए बंद हैं। एक ब्रिटिश यात्री ने रैडिट पर लिखा, "हम लंदन से "डिक्लेरेशन ऑफ इनडिपैंस" देखने आए थे, लेकिन अब अंदर जा ही नहीं सकते।"

फिर भी सांस्कृतिक जीवन पूरी तरह ठप नहीं हुआ है। जॉन एफ. कैनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स जैसे थिएटर और संगीत हॉल अभी भी सीमित स्टाफ के साथ कार्यक्रम जारी रखे हुए हैं - जो लोगों के लिए इस असामान्य माहौल में सामान्यता की एक झलक है।

इस बीच, वीज़ा स्वीकृति या आप्रवासन प्रक्रिया का इंतजार कर रहे विदेशी यात्रियों को नई अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकन इमिग्रेशन काउंसिल ने चेतावनी दी है कि दूतावासों में सीमित स्टाफ के कारण आवेदनों में हफ्तों की देरी हो सकती है। बयान में कहा गया, "जरूरी सेवाएं जारी रहेंगी, लेकिन लंबी प्रतीक्षा की उम्मीद करें।"

फिलहाल अधिकांश उड़ानें संचालित हो रही हैं और क्रूज़ जहाज रवाना हो रहे हैं। लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि असली चिंता साख की है। एटमॉस्फीयर रिसर्च ग्रुप के यात्रा अर्थशास्त्री हेनरी हार्टवेल्ड कहते हैं, "हर दिन जब यह शटडाउन जारी रहता है, यह अमेरिका की एक विश्वसनीय गंतव्य के रूप में छवि को थोड़ा और कमजोर कर देता है -चाहे वह व्यापारिक यात्रा हो या पर्यटन।" राजनीतिक गतिरोध जारी रहने के बीच यात्रियों के लिए संदेश स्पष्ट है - सिर्फ पासपोर्ट नहीं, धैर्य भी साथ रखें।

दो साल की बेरहम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दोनों जगहों पर लोगों ने स्वत: जश्न मनाना शुरु कर दिया। हमले के बाद दो वर्षों तक, उन्होंने अमानवीय हालात और अपने प्रियजनों की मौतों का गहरा दुख झेला है।

यहाँ तक कि गाज़ा की जनता भी हमास आतंकवादियों के कर्मों की भारी कीमत चुका कर थक चुकी है। अरब आबादी का एक बड़ा हिस्सा युद्ध की भयंकर मानवीय और आर्थिक कीमत चुकाए जाने से दुखी था और अब वो शांति और बंधकों की रिहाई की कामना कर रहा था।

समग्र वापसी (ओवर ऑल डिस्एंगेजमैंट) के विभिन्न विवरणों पर, वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका तथा कई प्रमुख अरब तथा मुस्लिम देशों के सक्रिय मार्गदर्शन में काम चल रहा है।

शांति वार्ताएं मुख्य रूप से मिस्र के शहर शर्म अल शेख में हुईं, जो इज़रायल की सीमा पर स्थित है। तुर्की ने भी इन वार्ताओं में सक्रिय भागीदारी की और संघर्षविराम तथा जमीनी क्रियान्वयन की निगरानी करने की इच्छा जताई।

इससे जुड़ा एक सवाल कई लोगों के मन में घूम रहा है, जिनमें कुछ शीर्ष इज़रायली नेता भी शामिल हैं और वे इस उपलब्धि के लिए डॉनल्ड ट्रंप को खुश करने के उत्सुक हैं। सवाल यह पूछा जा रहा है कि क्या इज़रायल-गाज़ा शांति से डॉनल्ड ट्रंप को राजनीतिक लाभ मिलेगा? क्या यह उपलब्धि उन्हें राजनीतिक वरदान देगी? इस पर कई हलकों में चर्चा जारी है।

बंगाल में भी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिलेगी। तकनीकी साधनों के उपयोग का निर्णय इसलिए भी लिया गया है क्योंकि स्कूल शिक्षक, जिन्हें बीएलओ के रूप में भी नियुक्त किया जाता है, अत्यधिक कार्यभार से परेशान हैं। स्कूल छ: दिन चलते हैं, तथा बहुत से शिक्षकों को लम्बी दूरी तय करके स्कूल आकर शिक्षण कार्य करना होता है। इसलिये अपनी शिक्षण जिम्मेदारियों के साथ-साथ, घर-घर जाकर एसआईआर प्रक्रिया पूरी करने में शिक्षकों ने कठिनाई जताई है। बहुत से शिक्षकों ने आयोग से अनुरोध किया है कि उन्हें एक महीने का अवकाश दिया जाए, ताकि वे चुनाव संबंधी कार्य पूरी कुशलता से पूरा कर सकें। प्रक्रिया की तैयारी के तहत, आज कोलाघाट में चुनाव आयोग के अधिकारियों ने एक बैठक आयोजित की, जिसमें पूर्व मेदिनीपुर, बांकुरा और झाड़ग्राम जिलों के बीएलओ, इलेक्शन रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (ईआरओ) और सहायक ईआरओ शामिल हुए।

सीजेआई पर हमला ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रॉक्सिमिटी एक्सेस कार्ड तुरंत रद्द किया जाए। सूत्रों के अनुसार, 71 वर्षीय वकील के खिलाफ फौजदारी अवमानना की कार्यवाही शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। इस संबंध में कानूनी कार्रवाई की अनुमति लेने हेतु अटॉर्नी जनरल को पत्र भेजा गया है।

बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने भी राकेश किशोर को निलंबित कर दिया है। किशोर, जिन्होंने कहा कि उनकी कोई राजनीतिक सम्बद्धता या आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, ने समाचार एजेंसी "एएनआई" को बताया कि उन्होंने यह कदम भावनात्मक पीड़ा के कारण उठाया, जो उनके अनुसार, हिंदू धार्मिक मामलों में "बार-बार न्यायिक हस्तक्षेप" के चलते उत्पन्न हुई थी। उन्होंने अपने कृत्य पर कोई अफसोस व्यक्त नहीं किया।

MARUTI SUZUKI ARENA

त्योहारों की ख़ुशी
अब हुई और बड़ी

GST लाभ और सीमित अवधि फैस्टिव ऑफ़र्स के साथ
23 अक्टूबर, 2025 तक मान्य

MODEL	S-PRESSO	ALTO K10	CELERIO	WAGONR	SWIFT	DZIRE	BREZZA	ERTIGA	EECO
REDUCTION IN PRICE^ (₹) UP TO	129 600	107 600	94 100	79 600	84 600	87 700	112 700	46 400	68 000
NOW STARTING AT^ (₹)	349 900	369 900	469 900	498 900	578 900	625 600	825 900	880 000	518 100
ADDITIONAL FESTIVE OFFERS* (₹) UP TO	47 500	52 500	52 500	57 500	48 750	2 500	35 000	-	42 500

BOOK NOW | UP TO 100% PROCESSING FEE WAIVER ON CAR FINANCE#

ARENA SAFETY SHIELD

SCAN TO CONNECT TO SHOWROOM NEAR YOU

E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM

Contact us at 1800-102-1800

T&C available at dealership. Features/accessories vary by variant. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. *Offers / Prices differ by variant/model/location/city and may change or end without notice. Includes consumer, exchange, and institutional/rural offers (where applicable) on select models. Offer values shown are maximums. Prices subject to GST rates as notified by the Government. ^Reductions and starting prices vary by variant. #Valid with select financiers, for personal-use vehicles only.

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908